ज्ञानामृत

दूब की तरह छोटे बनकर रहो। जब घास-पात जल जाते हैं तब भी दूब जस की तस बनी रहती है।

▸▸ गुरु नानक

राष्ट्र को समर्पित

विजय मत

मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

www.vijaymat.com | रायपुर, शुक्रवार, 3 अप्रैल 2026 | वर्ष- 09 | अंक- 93 | पेज- 08 | मूल्य- ₹1.00/-

न्यूज इन शॉर्ट

शेयर बाजार में राहत... 1,773 अंक चढ़कर बंद हुआ सेंसेक्स

मुंबई, एजेंसी। सेंसेक्स गुरुवार यानी 2 अप्रैल को अपने दिन के निचले स्तर से 1,773 अंक चढ़कर बंद हुआ। सुबह ये भारी दबाव के साथ खुला और गिरकर 71,545 के स्तर तक आ गया था। बाद में बाजार में खरीदारी आई और यह

185 अंक (0.25%) चढ़कर 73,320 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी 22,182 का निचला स्तर बनाने के बाद 531 अंकों की रिकवरी दिखी। ये 34 अंक (0.15%) चढ़कर 22,713 के स्तर पर बंद हुआ। आज के कारोबार में निफ्टी के आईटी और रियल्टी इंडेक्स सबसे ज्यादा चढ़ें। इसमें 2.62% और 1.18% की तेजी रही। साउथ कोरिया का कोस्पी इंडेक्स 4.47% गिरकर 5,234 पर बंद हुआ। जापान का निक्केई इंडेक्स 2.38% गिरकर 52,463 पर बंद हुआ। हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग इंडेक्स 0.70% गिरकर 25,116 पर बंद हुआ।

वीजा सख्ती का असर: अमेरिका में 6.9% कम हुए भारतीय स्टूडेंट्स

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेश मंत्रालय ने संसद में जानकारी दी है कि अमेरिका में पढ़ाई कर रहे भारतीय छात्रों की संख्या में गिरावट दर्ज की गई है। फरवरी 2026 तक यह संख्या घटकर 3,52,644 रह गई, जो फरवरी 2025 के 3,78,787

के मुकाबले करीब 6.9 प्रतिशत कम है। यह आंकड़े अमेरिकी होमलैंड सिक्योरिटी विभाग के SEVIS डेटा पर आधारित हैं। विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने बताया कि वीजा जांच और नियमों में सख्ती इसका मुख्य कारण है। अमेरिका ने जून 2025 में नई वीजा गाइडलाइन लागू की थी, जिसमें वीजा को "अधिकार नहीं, बल्कि विशेषाधिकार" बताया गया। अब हर आवेदन को राष्ट्रीय सुरक्षा के नजरिए से जांचा जाता है। साथ ही, आवेदकों की सोशल मीडिया गतिविधियों की भी जांच अनिवार्य कर दी गई है और प्रोफाइल पब्लिक रखना जरूरी है।

हनी सिंह-बादशाह को अश्लील गाने पर हाई कोर्ट की फटकार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाई कोर्ट ने गुरुवार को सिंगर हनी सिंह और बादशाह के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। अदालत ने उनके करीब दो दशक पुराने विवादित गाने 'माफिया मुंडीर' वॉल्यूम 1 को इंटरनेट के सभी प्लेटफॉर्म से

तुरंत हटाने के आदेश दिए हैं। कोर्ट ने इस गाने के बोल को 'बेहद अश्लील' और महिलाओं के प्रति अपमानजनक बताया है। जस्टिस पुरुशेंद्र कौरव की अदालत ने हनी सिंह और बादशाह को नोटिस जारी कर कड़ा निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा कि गाने का टाइटल और बोल इतने आपत्तिजनक हैं कि उन्हें आधिकारिक आदेश में लिखना भी संभव नहीं है। अदालत ने निर्देश दिया कि गूगल, यूट्यूब और स्पॉटिफाई जैसे सभी म्यूजिक और वीडियो शेयरिंग प्लेटफॉर्म से इस गाने के ओरिजिनल वर्जन, रीमिक्स और यूआरएल को तुरंत ब्लॉक किया जाए।

ईरानी दूतावास के द्वारा जुटाया गया चंदा, सीधे ईरान भेजना संभव नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में ईरान का दूतावास हाल ही में युद्ध राहत के लिए चंदा जुटा रहा था, लेकिन अब पैसे को सीधे ईरान भेजना संभव नहीं है। इसकारण ईरानी दूतावास ने तय किया है कि दान की गई राशि का इस्तेमाल भारत में

ही दवाएं खरीदने में होगा। राजनयिक और बैंकिंग नियमों के तहत विदेशी मिशनों को नकद या अनौपचारिक माध्यम से धन भेजने की अनुमति नहीं है, इसलिए सभी योगदान केवल निर्धारित बैंक खाते के जरिए स्वीकार किए जा रहे हैं। शुरुआत में ईरानी दूतावास ने अपने मुख्य बैंक खाते के माध्यम से चंदा इकट्ठा किया, लेकिन बाद में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में विशेष खाता खोला गया। 15 मार्च को नकद दान का विकल्प दिया था। लेकिन बाद में पूरी तरह औपचारिक प्रक्रिया में बदल दिया गया।

हनुमान जन्मोत्सव पर राजधानी सहित पूरे छत्तीसगढ़ में भक्ति का माहौल

हनुमान जी का जीवन निष्ठा, सेवा और समर्पण की प्रेरणा देता है: साय

विजय मत, रायपुर

हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय राजधानी रायपुर के स्टेशन चौक स्थित नर्मदा कुंड राम जानकी मंदिर में आयोजित श्री हनुमान उत्सव एवं श्री राम कथा कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ धार्मिक विधि-विधान और भक्ति भाव से हुआ, जहां पूरे परिसर में राम नाम की गूंज सुनाई दी।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर भगवान हनुमान के जीवन को आदर्श बताते हुए कहा कि वे बल, बुद्धि और विद्या के दाता हैं तथा उनका जीवन निष्ठा, सेवा और समर्पण का सर्वोच्च उदाहरण प्रस्तुत करता है। उन्होंने कहा कि हनुमान जी से हमें कठिन परिस्थितियों में भी अपने कर्तव्य के प्रति समर्पित रहने की प्रेरणा मिलती है। मुख्यमंत्री ने मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। साथ ही उन्होंने नर्मदा कुंड के जीर्णोद्धार कार्य का भूमिपूजन भी किया और कहा कि धार्मिक स्थलों का संरक्षण और विकास सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ का संबंध भगवान श्रीराम से गहराई से जुड़ा हुआ है। यह प्रदेश माता कौशल्या की जन्मभूमि है और भगवान राम ने अपने वनवास का अधिकांश समय यहीं बिताया। दंडकारण्य क्षेत्र की ऐतिहासिक और धार्मिक महत्ता आज भी प्रदेश की पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने रुद्र सेना और रुद्र शक्ति के पोस्टर का विमोचन भी किया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, संत-महंत और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

धर्मांतरण रोकने और गौ संरक्षण पर सरकार का फोकस

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि राज्य में अवैध धर्मांतरण पर रोक लगाने के लिए सख्त कानून लागू किया गया है, जिसमें कड़े प्रावधान किए गए हैं। इसके साथ ही गौ संरक्षण के लिए सुरभि गौधाम योजना शुरू की गई है। अब तक 29 गौधाम स्थापित किए जा चुके हैं और प्रत्येक जिले में 10 गौधाम बनाने का लक्ष्य रखा गया है। इस योजना के तहत गौपालकों को प्रशिक्षण देकर रोजगार के अवसर भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

धार्मिक-सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण पर जोर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को सहेजने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। नर्मदा कुंड के जीर्णोद्धार से श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज में एकता, आस्था और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है, जो प्रदेश के समग्र विकास में सहायक है।

रामलला दर्शन योजना से श्रद्धालुओं को मिल रहा लाभ

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा संचालित रामलला दर्शन योजना के माध्यम से आम नागरिकों को अयोध्या जाकर भगवान रामलला के दर्शन कराने की व्यवस्था की गई है। अब तक लगभग 42 हजार श्रद्धालु इस योजना का लाभ उठा चुके हैं। इसके अलावा मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत 5 हजार से अधिक बुजुर्ग विभिन्न तीर्थ स्थलों के दर्शन कर चुके हैं। सरकार ने 19 प्रमुख धार्मिक स्थलों को चिन्हित कर तीर्थयात्रा को और सुगम बनाया है।

जग्गी हत्याकांड...अजीत जोगी के बेटे अमित जोगी दोषी करार

हाईकोर्ट का फैसला: 3 हफ्ते के अंदर करना होगा सरेंडर

विजय मत, ब्यूरो बिलासपुर

छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित रामावतार जग्गी हत्याकांड में हाईकोर्ट ने पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी के बेटे अमित जोगी को दोषी करार दिया है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की डिवीजन बेंच ने उन्हें तीन सप्ताह के भीतर सरेंडर करने का आदेश दिया है। सीबीआई के साक्ष्य को स्वीकार करते हुए फैसला सुनाया गया है।

वहीं फैसले पर अमित जोगी ने कहा कि हाईकोर्ट ने पूरी सुनवाई का मौका दिए बिना उन्हें दोषी ठहरा दिया, जो उनके लिए अप्रत्याशित है। उन्होंने कहा कि उनके साथ अन्याय हुआ है। सुनवाई के दौरान सतीश जग्गी ने कोर्ट को बताया कि उनके पिता की हत्या एक राजनीतिक साजिश के तहत कराई गई थी। सीबीआई ने 11 हजार पन्नों की चार्जशीट पेश की थी, जिसमें हत्या से जुड़े पर्याप्त साक्ष्य शामिल हैं। इन तथ्यों के आधार पर हाईकोर्ट ने

सीबीआई की अपील स्वीकार करते हुए अमित जोगी को सरेंडर करने का आदेश दिया। बता दें कि ट्रायल कोर्ट ने पहले उन्हें संदेह का लाभ देते हुए बरी किया था, लेकिन बाद में मामला दोबारा खोला गया।

4 जून 2003 को राजधानी रायपुर में एनसीपी नेता रामावतार जग्गी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में 31 अभियुक्त बनाए गए थे, जिनमें से बल्टू पाठक और सुरेंद्र सिंह सरकारी गवाह बन गए थे। अमित जोगी को छोड़कर बाकी 28 लोगों को सजा मिली थी।

बजट सत्र के दूसरे चरण की तैयारी

16 अप्रैल से फिर शुरू होगा संसद का बजट सत्र, महिला आरक्षण पर आएगा फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी

संसद का बजट सत्र 13 दिन के अवकाश के बाद 16 अप्रैल से दोबारा शुरू होगा। सरकार ने यह निर्णय महिला आरक्षण कानून को लागू करने और लोकसभा सीटों के विस्तार से जुड़े अहम विधेयकों को पारित कराने के उद्देश्य से लिया है। 16, 17 और 18 अप्रैल को सदन में इस विषय पर व्यापक चर्चा की जाएगी। प्रस्ताव के अनुसार लोकसभा सीटों की संख्या 543 से बढ़ाकर 816 करने की योजना है। इसमें से लगभग एक तिहाई यानी 273 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। सरकार चाहती है कि महिला आरक्षण को जल्द लागू किया जाए, जिसके लिए परिसीमन प्रक्रिया को तेज करने पर जोर दिया जा रहा है। महिला आरक्षण विधेयक, जिसे 2023 में 'नारी शक्ति वंदन

अधिनियम' के रूप में पारित किया गया था, अभी तक लागू नहीं हुआ है। सरकार अब नई जनगणना का इंतजार किए बिना 2011 की जनगणना के आधार पर परिसीमन करने का प्रस्ताव ला रही है, ताकि आरक्षण जल्द लागू हो सके। सरकार इन विधेयकों को पास कराने के लिए विपक्षी दलों से समर्थन जुटाने में लगी है। गृहमंत्री अमित शाह ने विभिन्न दलों के नेताओं से इस मुद्दे पर बातचीत की है। इनमें वाईएसआर कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, एनसीपी, आरजेडी और एआईएमआईएम सहित अन्य दल शामिल हैं।

दो बिल लाए जाएंगे, एससी-एसटी कोटा भी शामिल

सरकार संसद में दो अहम विधेयक लाएगी। पहला बिल महिला आरक्षण कानून में संशोधन से जुड़ा होगा, जबकि दूसरा परिसीमन कानून में बदलाव के लिए होगा। प्रस्तावित ढांचे में एससी और एसटी वर्ग की महिलाओं को उनके कोटे के भीतर आरक्षण दिया जाएगा। हालांकि ओबीसी महिलाओं के लिए अलग प्रावधान शामिल नहीं किया गया है। इन विधेयकों को पारित करने के लिए संसद में दो-तिहाई बहुमत जरूरी होगा।

सोना-चांदी में गिरावट जारी

जंग के असर से कीमतें टूटीं, 10 ग्राम सोना 1.47 लाख पर

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच जारी तनाव के असर से सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट का दौर जारी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, गुरुवार को 24 कैरेट सोना 4,245 रुपए सस्ता होकर 1.47 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया। इससे पहले यह 1.51 लाख रुपए था। वहीं चांदी की कीमत में भी भारी गिरावट

दर्ज की गई है। एक किलो चांदी 12,023 रुपए टूटकर 2.28 लाख रुपए पर पहुंच गई। बीते 34 दिनों में सोना 12,489 रुपए और चांदी 38,887 रुपए तक सस्ती हो चुकी है। विशेषज्ञों के अनुसार, वैश्विक अस्थिरता के चलते निवेशक नकदी की ओर रुख कर रहे हैं, जिससे कीमती धातुओं पर दबाव बना है। कीमतों में अंतर के पीछे कई स्थानीय कारण भी होते हैं। ट्रांसपोर्टेशन और सुरक्षा लागत, विभिन्न राज्यों में मांग-सप्लाई का संतुलन, ज्वेलर्स एसोसिएशन द्वारा तय दरें और पुराना स्टॉक—ये सभी कारक अलग-अलग शहरों में कीमतों को प्रभावित करते हैं। मौजूदा हालात में बाजार में उतार-चढ़ाव बना रहने की संभावना जताई जा रही है।

केंद्र ने ट्रैफिक समाधान राज्यों पर छोड़ा

वाहन रजिस्ट्रेशन के लिए पार्किंग का प्रमाण जरूरी नहीं: केंद्र सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र सरकार ने साफ कर दिया है कि वाहन रजिस्ट्रेशन के लिए पार्किंग का प्रमाण अनिवार्य करने की कोई योजना नहीं है। राज्यसभा में लिखित जवाब देते हुए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि फिलहाल ऐसा कोई कानूनी प्रावधान नहीं है और न ही इस पर

कोई प्रस्ताव विचाराधीन है। यह मुद्दा दिल्ली और मुंबई जैसे शहरों में बढ़ते ट्रैफिक जाम के बीच उठा था, जहां कार खरीद को पार्किंग उपलब्धता से जोड़ने की चर्चा होती रही है। हालांकि सरकार ने स्पष्ट किया कि ट्रैफिक समस्या को केवल वाहन पंजीकरण या पार्किंग हलफनामे से नहीं जोड़ा जा सकता। सरकार के अनुसार, ट्रैफिक जाम के मुख्य कारण सार्वजनिक परिवहन की कमी, निजी वाहनों की बढ़ती संख्या और कमजोर पार्किंग व्यवस्था हैं। संसद में पेश आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2025 में रजिस्टर्ड 45.86 लाख चार-पहिया वाहनों में से करीब 80% वाहन लोन पर खरीदे गए। इससे साफ है कि ऑटो सेक्टर बैंक और वित्तीय संस्थानों पर काफी निर्भर है। सरकार ने यह भी कहा कि पार्किंग प्रूफ को लेकर बैंकों द्वारा कोई अनिवार्य नियम नहीं है और भविष्य में भी ऐसा कोई निर्देश जारी करने की योजना नहीं है। केंद्र ने स्पष्ट किया कि ट्रैफिक और पार्किंग से जुड़ी समस्याओं का समाधान राज्य सरकारों और स्थानीय निकायों की जिम्मेदारी है।

राहुल गांधी ने असम के लिए जारी किया कांग्रेस का घोषणापत्र, पार्टी का 11 क्षेत्रों पर फोकस

बोकाजान (असम), एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को असम विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी का घोषणा पत्र जारी किया। इस घोषणा पत्र में शासन, पहचान और स्वास्थ्य जैसे 11 क्षेत्रों पर फोकस किया गया है। यह घोषणा पत्र एक चुनावी रैली के दौरान जारी किया गया, जिसमें राहुल गांधी के साथ असम कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई और अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद थे। घोषणा पत्र में कुल 11 संकल्प शामिल हैं- शासन, पहचान, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचा विकास, औद्योगीकरण, कृषि, ग्रामीण और शहरी विकास, जलवायु परिवर्तन और सुरक्षित असम। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा, असम फूलों का एक गुलदस्ता है, जिसमें अलग-अलग धर्म, जाति और विचारधारा के लोग रहते हैं। कांग्रेस की सोच है- हिंदुस्तान की जनता के हाथ में असली ताकत हो, देश को चलाने में हर वर्ग को भागीदारी मिले। दूसरी तरफ भाजपा की विचारधारा है कि असम को दिल्ली से चलाया जाए- यही लड़ाई चल रही है।

मालदा घटना पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

यह घटना न्यायिक प्रक्रिया को बाधित करने और अधिकारियों का मनोबल गिराने की कोशिश

नई दिल्ली/कोलकाता, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में चुनावी ऑब्जर्वर्स को बंधक बनाए जाने की घटना पर कड़ी नाराजगी जताई है। अदालत ने कहा कि सात अधिकारियों को करीब नौ घंटे तक बंधक बनाकर रखा गया, उन्हें खाना-पानी तक नहीं दिया गया, जो गंभीर और सोची-समझी साजिश प्रतीत होती है। सुप्रीम कोर्ट ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि यह घटना न्यायिक प्रक्रिया को बाधित करने और अधिकारियों का मनोबल गिराने की कोशिश है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने राज्य में कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह स्थिति चिंताजनक है।

अदालत ने राज्य के गृह सचिव, डीजीपी और अन्य अधिकारियों से उनकी निष्क्रियता पर जवाब मांगा है। इस मामले की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी को सौंप दी गई है। टीम शुक्रवार को घटनास्थल पर पहुंचकर जांच शुरू करेगी। घटना बुधवार की है, जब सात चुनावी ऑब्जर्वर मालदा के बीडीओ कार्यालय पहुंचे थे। इसी दौरान वोटर लिस्ट में नाम कटने के विरोध में हजारों लोगों ने कार्यालय को घेर लिया और अधिकारियों को अंदर ही रोक लिया। गुरुवार को भी क्षेत्र में तनाव बना रहा। प्रदर्शनकारियों ने बीएसएफ कैंप के सामने विरोध किया, नेशनल हाईवे-12 जाम किया और टायर जलाकर प्रदर्शन किया।

एआई ट्रेनिंग और कॉपीराइट पर बड़ा कानूनी विवाद

एएनआई बनाम ओपन एआई केस में फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली हाईकोर्ट ने समाचार एजेंसी एएनआई और ओपन एआई के बीच चल रहे कॉपीराइट विवाद में सुनवाई पूरी कर फैसला सुरक्षित रख लिया है। यह मामला इस बात पर केंद्रित है कि क्या एआई मॉडल को ट्रेन करने के लिए इंटरनेट पर उपलब्ध खबरों का उपयोग कॉपीराइट उल्लंघन माना जाएगा या नहीं। एएनआई ने आरोप लगाया है कि ओपन एआई ने उसकी खबरों का उपयोग बिना अनुमति और बिना भुगतान के चैट जीपीटी को ट्रेन करने में किया। एजेंसी का कहना है कि वेब टूल्स के माध्यम से उसका कंटेंट इकट्ठा किया गया और इसे व्यावसायिक उपयोग में लाया गया, जो 'फेयर डीलिंग' के दायरे में नहीं आता। एएनआई के मुताबिक, यह सीधे तौर पर उसके कॉपीराइट का उल्लंघन है। वहीं ओपन एआई ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि उसका सिस्टम केवल इंटरनेट पर उपलब्ध डेटा से पैटर्न सीखता है और किसी भी लेख को शब्दशः कॉपी नहीं करता। कंपनी ने यह भी बताया कि भविष्य की ट्रेनिंग के लिए एएनआई की वेबसाइट को ब्लॉक कर दिया गया है। इस केस का सबसे अहम पहलू भारतीय कानून में 'फेयर डीलिंग' की परिभाषा है। अदालत को यह तय करना है कि एआई मॉडल को ट्रेन करने के लिए कंटेंट का उपयोग किस हद तक वैध माना जा सकता है। यह भारत में एआई और कॉपीराइट कानून से जुड़ा पहला बड़ा मामला माना जा रहा है, जिससे भविष्य के लिए कानूनी दिशा तय होगी।

दो साल में 32 सुनवाई, कई पक्ष हुए शामिल

यह मामला 19 नवंबर 2024 को कोर्ट में आया था और 27 मार्च 2026 तक इस पर 32 बार सुनवाई हो चुकी है। जस्टिस अमित बंसल की पीठ ने सुनवाई के दौरान कई महत्वपूर्ण कानूनी पहलुओं पर विचार किया। इस दौरान कई मीडिया संस्थानों और संगठनों ने हस्तक्षेप कर अपनी-अपनी राय रखी—कुछ ने एएनआई का समर्थन किया, जबकि कुछ ने ओपन एआई के पक्ष में तर्क दिए। अब अदालत का फैसला यह तय करेगा कि भारत में एआई तकनीक और कॉपीराइट कानून के बीच संतुलन कैसे स्थापित होगा और भविष्य में कंटेंट के उपयोग के क्या नियम होंगे।

होर्मुज पर ब्रिटेन में 60+ देशों की बड़ी बैठक

हमने नाविक खोए, जल्द रुके तनाव: भारत

नई दिल्ली, एजेंसी

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर की पहल पर करीब 60 से अधिक देशों के विदेश मंत्रियों ने ऑनलाइन तरीके से होर्मुज संकट पर गुरुवार को चर्चा की। सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व विक्रम मिसरी ने किया और अध्यक्षता ब्रिटेन के विदेश मंत्री यवेट कूपर ने की। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य ईरान की ओर से होर्मुज जलडमरूमध्य की आंशिक नाकाबंदी के मद्देनजर सुरक्षित समुद्री परिवहन सुनिश्चित करना था।

मिसरी ने वर्चुअल माध्यम से चर्चा में भाग लेते हुए क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय समुद्री परिवहन मार्गों की सुरक्षा पर नई दिल्ली का रुख स्पष्ट किया। उन्होंने दुनियाभर के देशों के सामने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुद्री रास्तों पर जहाजों की बेरोकटोक आवाजाही हर देश का हक है। इससे कोई समझौता नहीं हो सकता। विदेश सचिव ने चिंता जताई कि इस पूरे संकट का सीधा असर भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर पड़ रहा है। ब्रिटेन की ओर से बुलाई गई बैठक में सबसे महत्वपूर्ण बात जो भारत ने दुनिया के सामने रखी, वह थी भारतीय नागरिकों की सुरक्षा।

होर्मुज से जहाजरानी सेवाएं फिर शुरू करना आसान नहीं: स्टार्मर

वहीं, बैठक के बारे में ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने कहा, होर्मुज से जहाजरानी सेवाओं को फिर से शुरू करना आसान नहीं होगा और इसके लिए समुद्री उद्योग साझेदारी के अलावा सैन्य शक्ति और राजनयिक गतिविधियों का एक संयुक्त मोर्चा आवश्यक होगा।

जब तक लड़ाई जारी रहेगी, होर्मुज मार्ग अस्थिर रहेगा: चीन

इस बीच, चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने चेतावनी दी कि होर्मुज जलडमरूमध्य से आवागमन का मुद्दा ईरान युद्ध का ही परिणाम है और जब तक लड़ाई जारी रहेगी, जलडमरूमध्य स्थिर नहीं रहेगा। वांग यी ने सऊदी अरब के विदेश मंत्री फैसल बिन फरहान अल सऊद से फोन पर बातचीत के दौरान ये टिप्पणियां कीं, जिसमें उन्होंने शीघ्र युद्धविराम का भी आह्वान किया।

अब ऑस्ट्रिया ने अमेरिका का अपनी एयर स्पेस इस्तेमाल करने से किया मना

यूरोप के कई देशों ने अमेरिका के सैन्य अभियानों से दूरी बनानी शुरू कर दी है। इसमें सबसे नया नाम ऑस्ट्रिया का जुड़ गया है। जिसने ईरान से जुड़े सैन्य ऑपरेशनों के लिए अपने एयरस्पेस के इस्तेमाल की अमेरिकी मांग ठुकरा दी है। ऑस्ट्रिया के रक्षा मंत्रालय के अनुसार, यह फैसला देश के सख्त तटस्थता कानून के तहत लिया गया है। मंत्रालय के प्रवक्ता के हवाले से ब्रॉडकास्टर ओआरएफ ने पुष्टि की कि वाशिंगटन की ओर से कई अनुरोध आए थे, लेकिन हर मामले को विदेश मंत्रालय के साथ मिलकर अलग-अलग आधार पर परखा जाएगा। हालांकि, ऑस्ट्रिया ने पूरी तरह से अमेरिकी उड़ानों पर प्रतिबंध नहीं लगाया है, बल्कि हर अनुरोध की समीक्षा तथ्यों के आधार पर की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

विश्वास की मुहर राकेश जोशी बने शहर कांग्रेस के कोषाध्यक्ष

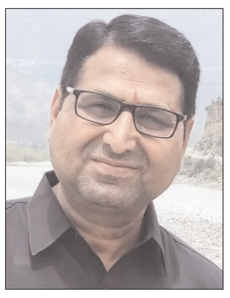

विजय मत/राजनांदगांव। शहर कांग्रेस कमेटी में राकेश जोशी को कोषाध्यक्ष की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपे जाने पर पूरे संगठन में खुशी और उत्साह का माहौल है। यह जिम्मेदारी उनके प्रति पार्टी के भरोसे और उनकी कार्यशैली की पहचान मानी जा रही है। राकेश जोशी अपने शांत स्वभाव, मजबूत संगठनात्मक पकड़ और जिम्मेदारी निभाने के अंदाज़ के लिए जाने जाते हैं। पार्टी के प्रति उनकी निष्ठा और लगातार सक्रियता ने उन्हें इस पद तक पहुंचाया है। उनकी नियुक्ति पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं, मित्रों और शुभचिंतकों ने उन्हें ढेरों बधाइयां और शुभकामनाएं दी हैं। सभी ने विश्वास जताया है कि वे कोषाध्यक्ष के रूप में पारदर्शिता और ईमानदारी के साथ अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए संगठन को और सशक्त बनाएंगे।

जिला शहर कांग्रेस कमेटी में देवेंद्र (रुबी) गरचा उपाध्यक्ष नियुक्त

विजय मत/राजनांदगांव। जिला शहर कांग्रेस कमेटी की प्रतिक्षित जिला कार्यकारिणी की घोषणा दो अप्रैल को की गई। 31 पदाधिकारी व 10 कार्यकारिणी सदस्यों की नियुक्तियां की गई है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता देवेंद्र सिंह गरचा (रुबी) को कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। वे तीन दशक से अधिक समय से कांग्रेस में सक्रिय हैं। उनकी नियुक्ति पर कांग्रेस पदाधिकारियों, मित्रों व शुभचिंतकों ने शुभकामनाएं दी हैं। गरचा ने संगठन का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि कांग्रेस संगठन और इसकी विचारधारा अनेकता में एकता और लोकतंत्र के सैद्धांतिक मतों पर आधारित है। यही हमारे संकल्प का आधार है। उन्होंने कहा कि संगठन सृजन अभियान से कांग्रेस को नई ऊर्जा मिली है। इसके साथ ही अब पूरी टीम जनसरोकार के साथ आगे बढ़ते हुए आगामी विधानसभा चुनावों में सत्ता वापसी का लक्ष्य हासिल करेगी।

प्राथमिक शाला बैहाकुआ में न्यौता भोज का आयोजन

विजय मत/बालोद। समीपस्थ ग्राम बैहाकुआं के शासकीय प्राथमिक शाला एवं आंगनबाड़ी केंद्र के बच्चों को सामूहिक रूप से न्यौता भोज का आयोजन हरिश्चंद्र श्रीवास द्वारा अपने जन्म दिवस के अवसर एवं हनुमान जयंती के अवसर पर दिया गया इससे समुदाय एवं शाला में सहभागिता तालमेल बेहतर रहता है शासन के महत्वाकांक्षी योजना का लाभ न्यौता भोज के द्वारा बच्चों को पूरक पोषण आहार के साथ पौष्टिक चीज फल दूध खीर पूरी चावल दाल सब्जी इत्यादि परोसा गया इस अवसर पर सरपंच किशोर साहू ग्राम प्रमुख राम भंडारी संकुल प्रभारी खोमन लाल साहू संकुल समन्वयक अशोक टंडन प्रधान पाठक रोमन लारेन्द्र शिक्षिका बुधनतींन पटेल प्रमोद चंद्राकर उपसरपंच मोरध्वज पटेल वरिष्ठ नागरिक नियम पटेल संतोष ढीमर ग्राम पंचायत के सचिव महेंद्र यादव आंगनबाड़ी की कार्यकर्ता एवं शाला प्रबंधन समिति के सदस्य गण उपस्थित रहे जिसके लिए संस्था की ओर से हरिश्चंद्र श्रीवास को धन्यवाद ज्ञापित किया गया किया गया आगे हमेशा इस प्रकार का आयोजन के लिए प्रेरित किया।

महंगाई पर कांग्रेस का केंद्र सरकार पर हमला, गैस-पेट्रोल कीमतों को लेकर जताई चिंता

कहा–आर्थिक कुप्रबंधन से आम जनता पर बढ़ रहा बोझ, आंदोलन की दी चेतावनी

विजय मत/बलौदाबाजार

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में आयोजित प्रेस वार्ता में जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष सुमित्रा धृतलहरे ने केंद्र की मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार के आर्थिक कुप्रबंधन एवं कूटनीतिक विफलताओं के कारण देश में महंगाई लगातार बढ़ रही है, जिससे आम जनता का जीवन कठिन होता जा रहा है।

उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार ने एक बार फिर कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम में लगभग 195 रुपये की वृद्धि की है। पिछले तीन महीनों में ही कमर्शियल गैस के दाम करीब 525 रुपये तक बढ़ चुके हैं। वहीं, घरेलू गैस सिलेंडर के दाम में भी हाल ही में 62 रुपये की वृद्धि कर आम जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाला गया है।

धृतलहरे ने कहा कि पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में कमी को सरकार राहत के रूप में प्रस्तुत कर रही है, जबकि कई राज्यों में पेट्रोल की कीमतों में पुनः वृद्धि दर्ज की जा रही है, जो कुछ स्थानों पर 4 रुपये प्रति लीटर तक पहुंच चुकी है। साथ ही एवीएशन फ्यूल की कीमतों में बढ़ोतरी से हवाई यात्रा भी महंगी हो गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि खाद्य तेल, दूध, मावा सहित आवश्यक उपभोग की वस्तुओं के दामों में लगातार वृद्धि से आम आदमी का रसोई बजट पूरी तरह बिगड़ चुका है। खाद्य तेल की कीमतें जहां पहले 70 रुपये प्रति लीटर के आसपास थीं, वहीं अब 200 रुपये के पार पहुंच गई हैं। घरेलू गैस सिलेंडर, जो कभी 400 रुपये महंगा माना जाता था, आज 900 से 1000 रुपये तक पहुंच चुका है।

जिला अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा सरकार की नीतियां केवल चुनिंदा पूंजीपति वर्ग को लाभ पहुंचाने के लिए बनाई जा रही हैं, जबकि आम जनता महंगाई और आर्थिक संकट से जूझ रही है। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार का उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय मनरेगा के माध्यम से रोजगार की कानूनी गारंटी दी गई थी, जिसे वर्तमान सरकार ने कमजोर कर दिया है, जिससे गरीबों के अधिकार सीमित हुए हैं और आर्थिक असमानता बढ़ी है। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि देश के संसाधनों और सार्वजनिक उपक्रमों का लाभ भी सीमित वर्ग तक सिमट रहा है। रेलवे टिकट, स्कूल-कॉलेज फीस, बैंक सेवा शुल्क सहित विभिन्न क्षेत्रों में बढ़ते खर्च ने आम आदमी की कमर तोड़ दी है।

अंत में कांग्रेस ने कहा कि बेलगाम महंगाई अब आम जनता के लिए गंभीर संकट बन चुकी है। पेट्रोल, डीजल से लेकर दैनिक उपयोग की वस्तुओं तक की कीमतों में अप्रत्याशित वृद्धि से लोगों का बजट पूरी तरह बिगड़ गया है। यदि सरकार ने जल्द ठोस कदम नहीं उठाए, तो कांग्रेस पार्टी जनहित में व्यापक आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी। प्रेस वार्ता में जिला पंचायत के पूर्व उपाध्यक्ष परमेश्वर यदु, शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष प्रवीण सेन, नीरज बांधे सहित अन्य कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

जिले में आम फल बहार की नीलामी 6 से 9 अप्रैल तक

सक्ती। जिले में इस वर्ष आम फल बहार की नीलामी को लेकर उद्यान विभाग ने कार्यक्रम जारी कर दिया है। विभाग के अनुसार जिले के विभिन्न शासकीय उद्यानों में लगे आम फलों की नीलामी 6 अप्रैल से 9 अप्रैल 2026 तक आयोजित की जाएगी और सभी नीलामियां प्रतिदिन दोपहर 2 बजे होंगी। जारी कार्यक्रम के तहत 6 अप्रैल 2026 को शासकीय उद्यान केंद्र, कचंदा (जैजैपुर) में नीलामी होगी, जिसकी देखरेख हृदय राम राठिया करेंगे। इसके बाद 7 अप्रैल 2026 को शासकीय उद्यान भूतहा (मालखरौदा) में नीलामी आयोजित होगी, जहां शिवनारायण चौबे प्रभारी रहेंगे। इसी क्रम में 8 अप्रैल 2026 को शासकीय उद्यान चुरतेली (डभरा) में नीलामी होगी, जिसकी जिम्मेदारी श्री सुरेश कुमार अजगल्ले के पास रहेगी। वहीं 9 अप्रैल 2026 को शासकीय उद्यान डोड़की (सक्ती) में अंतिम नीलामी आयोजित की जाएगी।

लेटे हुए श्री हनुमानजी के दर्शन से पूर्ण होती हैं मनोकामनाएँ खपरीकला में आस्था का अनोखा केंद्र

विजय मत/डोंगरगांव

छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले के अंतर्गत डोंगरगांव विधानसभा क्षेत्र के ग्राम खपरीकला में इन दिनों आस्था और श्रद्धा का एक अद्भुत केंद्र विकसित हो रहा है। शांत वातावरण में लगभग 24 डिसमिल दान की भूमि पर निर्मित हो रहा यह मंदिर न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि पौराणिक मान्यताओं और लोकविश्वास का जीवंत उदाहरण भी बनता जा रहा है। यहाँ स्थापित 8 फीट लंबे लेटे हुए श्री हनुमानजी की प्रतिमा विशेष आकर्षण का केंद्र है, जिसके दर्शन मात्र से भक्तों की मनोकामनाएँ पूर्ण होने की मान्यता तेजी से फैल रही है।

पौराणिक कथाओं के अनुसार, श्री हनुमानजी को अपार शक्ति, भक्ति और सेवा का प्रतीक माना जाता है। रामायण में वर्णित है कि जब माता सीता ने लंका में हनुमानजी के पराक्रम को देखकर उन्हें विश्राम करने का आदेश दिया, तब उन्होंने पहली बार विश्राम किया। इसी प्रसंग से प्रेरणा लेकर खपरीकला में हनुमानजी की लेटी हुई प्रतिमा स्थापित की गई है, जो उनके उस विश्राम काल का प्रतीक है। यह स्वरूप भक्तों को यह संदेश देता है कि सेवा और संघर्ष के साथ-साथ जीवन में विश्राम भी आवश्यक है।

मंदिर के सेवक राजनारायण प्रसाद, जो टाटा नगर के निवासी हैं, बताते हैं कि उन्हें स्वयं बजरंगबली ने स्वप्न में दर्शन दिए थे। स्वप्न में दिखे उसी स्थान की खोज करते हुए वे छत्तीसगढ़ पहुंचे और अंततः खपरीकला गांव को पहचाना। इसे वे भगवान की कृपा और आह्वान मानते हैं। इसके बाद उन्होंने स्थानीय लोगों के सहयोग से मंदिर निर्माण का कार्य प्रारंभ किया, जो आज निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर है।

इस पुनीत कार्य में ग्राम के दानदाताओं भूपेंद्र कवर और नारद कवर का विशेष योगदान रहा, जिन्होंने 24 डिसमिल भूमि दान में दी। इसके अतिरिक्त जयंती साहू सहित संस्था से जुड़े अनेक लोगों ने इस कार्य में सक्रिय भूमिका निभाई। ग्रामीणों जैसे उमाशंकर साहू, गजेंद्र साहू, ओंकार साहू, पीताम्बर साहू, गोकुल यादव, डाबरी साहू, सत्यप्रकाश साहू, रमेश साहू तथा अन्य सहयोगियों ने तन-मन-धन से इस धार्मिक स्थल को आकार देने में योगदान दिया। ग्राम सरपंच माधुरी साहू और परमानंद साहू का भी महत्वपूर्ण सहयोग रहा है।

हनुमान जयंती: मालीघोरी में विशेष श्रृंगार एवं महाप्रसादी कर मनाया हनुमान जन्मोत्सव

विजय मत/बालोद

जिले में हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर नगर सहित क्षेत्र मे मंदिरो पर विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसी प्रकार मालीघोरी (दुधली) के नवोदय विद्यालय सामने धान खरीदी केंद्र परिसर स्थित हनुमान मंदिर में जय बजरंग सेवा समिति मालीघोरी (दुधली) द्वारा पूजा अर्चना कर विशेष सिंगार व भंडारे का आयोजन किया गया। वहीं महाआरती के पश्चात महाप्रसादी का वितरण किया गया। जिसमे बड़ी संख्या मे श्रृद्धालुओ द्वारा प्रसादी ग्रहण की गई। इस दौरान भगवान का विशेष श्रृंगार भी किया गया। जय बजरंग सेवा समिति द्वारा मंदिर में भगवान को चोला चढ़ाया गया। जिसमें संकट मोचन, मंदिर पर दर्शनों के लिए श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। इस कार्यक्रम में जय बजरंग सेवा समिति के सदस्य भुवन यादव,सोमनाथ निर्मलकर,देव देवांगन, सोनू भट्ट, महेंद्र देशमुख,पावेंद देशमुख, जयंत देशमुख,तिलक साहू,गजेंद्र साहू,टुमेश्वर साहू,शुभम भट्ट, पुष्पेंद्र देशमुख,रुद्रेश साहू, भूपेन्द्र धनकर,बबलू तोषेन्द्र साहू एवं सोसायटी प्रांगण में मंदिर निर्माण विशेष सहयोग दुष्यंत देशमुख के द्वारा (महाप्रसादी में विशेष सहयोग)प्रबंधक अंकालू देवांगन, प्राधिकृत सोसायटी अध्यक्ष संजय दुबे, टिकेश्वरी देशमुख, भूमि देशमुख, प्राची निर्मलकर, साक्षी निर्मलकर, सृष्टि निर्मलकर, अर्पिता देशमुख, गजेंद्र साहू, ने विशेष सहयोग प्रदान किया।

विधायक रोहित साहू ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी एवं चिराग पासवान से की मुलाकात

- राजिम के विकास को मिलेगी नई गति

विजय मत/गरियाबंद-राजिम

राजिम विधानसभा क्षेत्र में यातायात सुविधाओं को सुदृढ़ करने एवं नई सड़कों की स्वीकृति के संबंध में विधायक रोहित साहू ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात कर क्षेत्र की आवश्यकताओं से अवगत कराया।

नई दिल्ली प्रवास के दौरान हुई इस शिष्टाचार भेंट में विधायक साहू ने गरियाबंद जिले एवं राजिम विधानसभा क्षेत्र की महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने केंद्रीय मंत्री को क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति तथा बढ़ते यातायात दबाव की जानकारी देते हुए कई अहम प्रस्ताव प्रस्तुत किए। विधायक रोहित साहू ने नेशनल हाईवे 130-सी के अंतर्गत पाण्डुका से मदांगमुड़ा तक 128 किलोमीटर सड़क निर्माण हेतु डीपीआर तैयार कर शीघ्र स्वीकृति प्रदान करने का आग्रह किया।

इसके साथ ही सिंधौरी से पटेवा बाईपास सड़क के निर्माण के लिए भी डीपीआर तैयार कर तत्काल स्वीकृति देने की मांग रखी, ताकि क्षेत्रवासियों को सुगम एवं सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिल सके। इस अवसर पर विधायक साहू ने जिला मुख्यालय गरियाबंद शहर के मजरकटा से डोंगरीगांव तक फोरलेन सड़क निर्माण की स्वीकृति मिलने पर केंद्रीय मंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह परियोजना क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी तथा परिवहन के साथ-साथ व्यापार एवं स्थानीय रोजगार के अवसरों को भी बढ़ावा देगी।इसके साथ ही विधायक रोहित साहू ने केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान से भी सौजन्य भेंट की।

इस दौरान उन्होंने गरियाबंद जिले एवं राजिम क्षेत्र में कृषि आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने हेतु फूड प्रोसेसिंग पार्क स्थापित करने की मांग रखी।

किरन्दुल में उत्कल समाज विकास समिति द्वारा ओडिशा राज्य स्थापना (उत्कल दिवस) धूमधाम से मनाया गया

बच्चों ने दी सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शानदार एवं मनमोहक प्रस्तुति

विजय मत/किरंदुल

लौहनगरी किरंदुल फुटबॉल ग्राउंड स्थित उत्कल भवन में उत्कल समाज विकास समिति के तत्वाधान में बुधवार रात्रि ओडिशा राज्य स्थापना दिवस (उत्कल दिवस) बड़े उत्साह और भव्यता के साथ मनाया। 01 अप्रैल 1936 को भाषाई आधार पर ओडिशा राज्य की स्थापना हुई थी।इस ऐतिहासिक अवसर पर समाज के सदस्यों ने महापुरुषों को श्रद्धांजलि दी और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से ओड़िया संस्कृति को जीवंत रखा।

नन्हें बच्चों ने शानदार मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं।नृत्य,गान और पारंपरिक ओड़िया कार्यक्रमों से पूरा माहौल उत्सवपूर्ण हो गया।उत्कल समाज के पदाधिकारियों ने कहा कि दूर छत्तीसगढ़ में रहते हुए भी हम अपनी जड़ों और भाषा-संस्कृति से जुड़े रहने का प्रयास करते हैं।ओडिशा राज्य की स्थापना में कई महापुरुषों का अहम योगदान रहा,जिन्होंने लंबे संघर्ष के बाद ओडिया भाषी क्षेत्रों को एक अलग प्रशासनिक इकाई दिलाई।

इनमें मुख्य रूप से उत्कल गौरव मधुसूदन दास —आंदोलन के प्रमुख नेता,उत्कलमणि गोपबंधु दास- शिक्षा और राष्ट्रवादी प्रयासों के प्रणेता,फकीर मोहन सेनापति- प्रसिद्ध साहित्यकार और समाज सुधारक,महाराजा श्रीराम चंद्र भंज देव,महाराजा कृष्ण चंद्र गजपति इन महानुभावों के अथक प्रयासों से 1 अप्रैल 1936 को ओडिशा एक अलग प्रांत बना,जो भारत में भाषाई आधार पर बने पहले राज्य के रूप में जाना जाता हैं।

उत्कल समाज किरंदुल न केवल स्थापना दिवस बल्कि श्री जगन्नाथ रथ यात्रा जैसी धार्मिक एवम पारंपरिक आयोजनों में भी सक्रिय रहता है। किरंदुल में जगन्नाथ सेवा समिति और उत्कल समाज द्वारा आयोजित रथ यात्रा में भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा की भव्य झांकी निकाली जाती हैं।रथ यात्रा के दौरान पूरा इलाका पुरी जैसा वातावरण बन जाता हैं भक्ति गान,संकीर्तन और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखी जाती है।किरंदुल जैसे औद्योगिक क्षेत्र में काम करने वाले ओड़िया परिवारों के लिए उत्कल समाज एक सांस्कृतिक पुल का काम करता हैं। इस दौरान मुख्य अतिथि के रूप में विधायक दंतेवाड़ा चैतराम अटामी,एनएमडीसी अधिशासी निदेशक रवींद्र नारायण,किरन्दुल पालिकाध्यक्ष रूबी सिंह,एएम/ एनएस सीएसआर प्रमुख डॉ तेजप्रकाश,उत्कल समाज के अध्यक्ष अविनाश स्वांई,जगन्नाथ सेवा समिति के अध्यक्ष आर सी नाहक,सचिव देवराज लेंका एवम समाज के अनेक लोग उपस्थित रहें।

अवैध खनन व परिवहन पर सख्ती की मांग कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्टर से की मुलाकात

- चेक पोस्ट निगरानी मजबूत करने और नियमित जांच की उठाई मांग

विजय मत/बलौदाबाजार

जिला कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष सुमित्रा धृतलहरे ने कलेक्टर से शिष्टाचार भेंट कर जिले में संचालित अवैध गतिविधियों के संबंध में ध्यान आकृष्ट कराया।

इस दौरान उनके साथ शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष प्रवीण सेन, ग्रामीण कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष दीपक साहू, नीरज बांधे, लखेश साहू एवं अनु.जा. जिला अध्यक्ष जीतेन्द्र नवरत्न भी उपस्थित रहे। भेंट के दौरान कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने जिले में अवैध रूप से चुना, पत्थर, रेत एवं इमारती लकड़ी के परिवहन तथा क्रशरों द्वारा निर्धारित सीमा से अधिक खनन और खुदाई किए जाने के मामलों पर चिंता जताई। प्रतिनिधिमंडल ने इन गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

जिला अध्यक्ष सुमित्रा धृतलहरे ने बताया कि इस प्रकार की अवैध गतिविधियों से शासन को राजस्व की हानि हो रही है और पर्यावरणीय संतुलन भी प्रभावित हो रहा है। उन्होंने अवैध परिवहन पर रोक लगाने के लिए चेक पोस्टों की निगरानी को सुदृढ़ करने तथा क्रशर एवं खनन कार्यों की नियमित जांच सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

कलेक्टर ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश देकर चेक पोस्टों की व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया जाएगा। साथ ही अवैध परिवहन और खनन पर नियंत्रण के लिए सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

अब बैंक में जमा होंगे ऑनलाइन चालान, एंट्री में त्रुटि दूर करने किया गया डिजिटलीकरण

विजय मत/सारंगढ़ बिलाईगढ़

संचालनालय कोष एवं लेखा छत्तीसगढ़ के दिशा निर्देश पर सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में अब बैंक में जमा करने वाले सभी भौतिक चालानो का प्रचलन समाप्त कर अब ईचालान मॉड्यूल के ओटीसी ऑनलाइन माध्यम से ही चालान जमा करने की व्यवस्था 1 अप्रैल 2026 से अनिवार्य किया गया है। सभी पक्षों के लिए उपयोगी होने से इस ओटीसी प्रक्रिया की सुविधा गत वर्ष से लागू है।

ओटीसी सुविधा अंतर्गत ईचालान पोर्टल पर चालान जमा करते समय चालान का डाटा बैंक को ऑनलाइन ट्रान्सफर कर दिया जाता है, जिससे बैंक स्तर पर पुनः चालान प्रविष्टि की आवश्यकता नही रहती है। बैंक काउंटर पर केवल ऑनलाइन द्वारा जनरेटेड चालान , जिसमें ट्रेज़री रिफरेन्स नंबर (टीआरएन) की प्रविष्टि करके राशि जमा की जाती है एवं बैंक द्वारा एमआईएस कोषालय में ऑनलाइन प्रस्तुत किया जाता है। इस डिजिटलीकरण व्यवस्था को लागू करने से डाटा प्रविष्टि की त्रुटियों में कमी आयेगी तथा लेखांकन सही रूप में हो सकेगा। इस प्रक्रिया के पश्चात ईचालान पोर्टल ईचालान डॉट सीजी डॉट जीओवी डॉट इन के सर्च चालान विकल्प के माध्यम से जमाकर्ता चालान का प्रिंट ले सकता है, जो भौतिक चालान में संभव नही है।

भीम पेमेंट्स ऐप का 'माही वे' कैंपेन

- डिजिटल पेमेंट्स को सरल और सुरक्षित बनाने पर जोर

विजय मत/रायपुर। भीम पेमेंट्स ऐप, जिसे एनपीसीआई भीम सर्विसेज लिमिटेड (एनबीएसएल) द्वारा विकसित किया गया है, ने अपने नए 'माही वे' कैंपेन के लॉन्च की घोषणा की। यह कैंपेन भीम को एक स्पष्ट और भरोसेमंद विकल्प के रूप में प्रस्तुत करता है, जिससे यूज़र्स तुरंत भुगतान कर सकते हैं। भारत में पैसे के साथ जुड़े भरोसे को दर्शाते हुए, यह कैंपेन भीम ऐप द्वारा प्रदान की जानेवाली सुविधाजनक और सुरक्षित भुगतान प्रक्रिया पर जोर देता है, जिससे नए यूज़र्स सहित सभी में डिजिटल पेमेंट्स के प्रति विश्वास बढ़ता है। यह 360-डिग्री कैंपेन महान क्रिकेटर और ब्रांड एंबेसडर महेंद्र सिंह धोनी को प्रस्तुत करता है, जिनका शांत और भरोसेमंद व्यक्तित्व भीम पेमेंट्स ऐप के अनुभव से मेल खाता है।

'भीम एप से करो पे, इट्स द माही वे ' विचार पर आधारित यह कैंपेन उन रोज़मर्रा की स्थितियो को दिखाता है, जहां यूज़र्स के पास कई पेमेंट विकल्प होते हैं, लेकिन वे एक सरल और विश्वसनीय माध्यम चुनते हैं। इस फिल्म में भीम के स्कैन एंड पे फीचर और इंस्टेंट रिवॉर्ड्स को भी दिखाया गया है, जो डिजिटल पेमेंट को तेज़ और बिना चिंता के बनाते हैं।

ललिता नटराज, एमडी और सीईओ, एनपीसीआई भीम सर्विस लिमिटेड (एनबीएसएल) ने इस अवसर पर कहा – भारत में डिजिटल पेमेंट्स को अपनाने और उपयोग करने में भरोसा एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जैसे-जैसे इसका उपयोग बढ़ रहा है, यूज़र्स सरलता और भरोसे के साथ-साथ हर ट्रांजैक्शन के सुरक्षित होने का आश्वासन चाहते हैं।

सार समाचार

महतारी वंदन योजना से बदली जिंदगी

विजय मत/रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार की महतारी वंदन योजना महिलाओं के जीवन में बदलाव की नई इबारत लिख रही है। सरकार की ओर से मिल रही आर्थिक सहायता से महिलाएं न केवल आत्मनिर्भर बन रही हैं, बल्कि समाज में अपनी अलग पहचान भी स्थापित कर रही हैं। जिला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के ग्राम कुदरा की निवासी सूर्यकली बैगा इसकी मिसाल हैं। सूर्यकली बैगा को योजना के तहत प्रतिमाह 1000 रुपये की सहायता राशि मिलती है। उन्होंने इस राशि को खर्च करने के बजाय नियमित बचत का माध्यम बनाया। कुछ समय बाद अपनी बचत में थोड़ी और राशि जोड़कर उन्होंने सिलाई मशीन खरीदी, जो उनके जीवन में बदलाव का आधार बनी। सूर्यकली ने कपड़े की सिलाई की शुरूआत अपने घर से की। फिर वे गांव के लोगों के छोटे-मोटे काम करती थीं, लेकिन उनकी मेहनत और गुणवत्ता ने जल्द ही पहचान बना ली। धीरे-धीरे आसपास के गांवों से भी लोग उनसे कपड़े सिलवाने आने लगे। इससे उनकी आय में वृद्धि हुई और वे परिवार की आर्थिक जरूरतों में भी सहयोग करने लगीं। सूर्यकली बताती हैं कि पहले उनका जीवन केवल घरेलू कार्यों तक सीमित था, लेकिन अब वे अपने हुनर से परिवार की आय बढ़ा रही हैं। इससे उनके आत्मविश्वास में वृद्धि हुई है और वे स्वयं को अधिक सशक्त महसूस करती हैं। उन्होंने इस योजना के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार जताया। सूर्यकली बैगा की सफलता अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा बन रही है।

जिला कोषालय के स्ट्रॉन्ग रूम का कलेक्टर ने किया निरीक्षण, सुरक्षा व व्यवस्थाओं का लिया जायजा

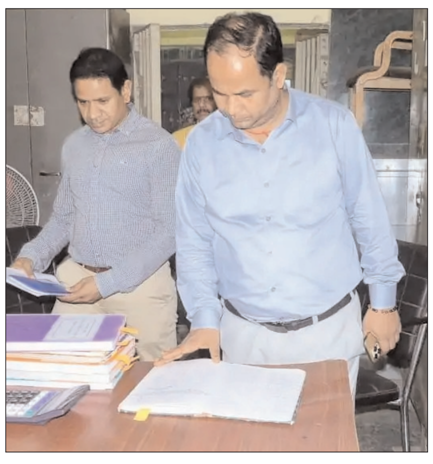

विजय मत/रायपुर। कलेक्टर डॉ गौरव सिंह ने जिला कोषालय के स्ट्रॉन्ग रूम का वार्षिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सरकारी वित्तीय अभिलेखों की सुरक्षा, दस्तावेजों की सुव्यवस्थित रख-रखाव और सुरक्षा व्यवस्था का बारीकी से अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने स्ट्रॉन्ग रूम में सुरक्षित रखे जनरल स्टाम्प, नोटरी, रेवेन्यू से संबंधित अभिलेखों एवं अन्य बहुमूल्य वस्तुओं का भौतिक सत्यापन किया। उन्होंने अधिकारियों को सुरक्षा मानकों के सख्त पालन और रिकॉर्ड की सुव्यवस्थित संधारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला कोषालय अधिकारी श्री गजानन पटेल सहित कोषालय का स्टाफ उपस्थित रहा। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर द्वारा वर्ष में दो बार कोषालय का नियमित निरीक्षण किया जाता है, जिससे पारदर्शिता और सुरक्षा व्यवस्था बनी रहे।

सभी के दर्ज किए गए बयान, कोर्ट ने सुरक्षित रखा फैसला

शराब घोटाला मामला: पूर्व आबकारी मंत्री लखमा समेत 59 लोगों की हुई पेशी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित शराब घोटाला मामले में आज बड़ा अपडेट सामने आया है। मामले से जुड़े कुल 59 आरोपियों को प्रवर्तन निदेशालय की विशेष कोर्ट में पेश किया गया। सुनवाई के दौरान सभी आरोपियों की मौजूदगी में कोर्ट की कार्यवाही पूरी की गई। सुनवाई के बाद कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है।

बता दें कि कोर्ट में धारा 88 के तहत आरोपियों के बयान दर्ज किए गए। इस दौरान पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा भी कोर्ट में पेश हुए। वहीं इस मामले में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के पुत्र चैतन्य बघेल, सौम्या चौरसिया और निरंजन दास समेत आबकारी विभाग से जुड़े अन्य अधिकारी भी अदालत में उपस्थित रहे। सुनवाई के बाद कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। जानकारी के अनुसार, अदालत इस मामले में कुछ ही देर में अपना फैसला सुना सकती है। इस हाई-प्रोफाइल मामले पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं, क्योंकि इसमें कई बड़े नाम शामिल हैं और इसका राजनीतिक असर भी देखने को मिल सकता है। ED ने ACB में दर्ज FIR में 3200 करोड़ रुपये से अधिक के कथित घोटाले का जिक्र किया है। एजेंसी का दावा है कि तत्कालीन भूपेश सरकार के कार्यकाल में एक कथित सिंडिकेट के जरिए घोटाले को अंजाम दिया गया। जांच में जिन नामों का उल्लेख है, उनमें IAS अधिकारी अनिल टुटेजा, आबकारी विभाग के तत्कालीन एमडी एपी त्रिपाठी और कारोबारी अनवर ढेबर शामिल बताए गए हैं। जांच एजेंसियों के अनुसार, कथित घोटाले को A, B और C — तीन श्रेणियों में अंजाम दिया गया। बताया गया कि 2019 में डिस्टलरी संचालकों से प्रति पेटी 75 रुपये और बाद के वर्षों में 100 रुपये तक कमीशन लिया जाता था। संचालकों को नुकसान न हो, इसके लिए नए टेंडर में शराब की कीमतें बढ़ाई गईं। साथ ही ओवरबिलिंग की कथित छूट देकर लागत समायोजन का रास्ता बनाया गया।

नकली होलोग्राम के जरिए सरकारी दुकानों से बिक्री- जांच में सामने आया कि डिस्टलरी मालिकों से अतिरिक्त शराब बनवाई गई और उस पर नकली होलोग्राम लगाकर सरकारी दुकानों से बिक्री कराई गई। आरोप है कि होलोग्राम सप्लायर विधु गुप्ता को तैयार किया गया। खाली बोतलों की आपूर्ति और परिवहन की जिम्मेदारी अरविंद सिंह और उसके भतीजे अमित सिंह को दी गई।

प्रदेश के 15 जिलों को शराब खपाने के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया। दुकानदारों को कथित तौर पर निर्देश दिया गया कि बिक्री का रिकॉर्ड सरकारी दस्तावेजों में दर्ज न किया जाए। शुरुआत में प्रति पेटी 2880 रुपये की एमआरपी रखी गई, जिसे बाद में 3840 रुपये तक बढ़ाया गया। डिस्टलरी मालिकों को सप्लाई पर शुरुआत में 560 रुपये और बाद में 600 रुपये प्रति पेटी दिए जाने की बात भी सामने आई है। छक्कको जांच में 40 लाख पेटी से अधिक शराब की बिक्री के साक्ष्य मिलने का दावा किया गया है।

उद्योग भवन सर्विस रोड व पुरैना मुख्य मार्ग अतिक्रमणमुक्त

रायपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निदेर्शानुसार राजधानी रायपुर में सुगम एवं व्यवस्थित यातायात सुनिश्चित करने के लिए टीम प्रहरी अभियान के तहत लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में नगर पालिक निगम रायपुर द्वारा आयुक्त श्री विश्वदीप के नेतृत्व में जोन क्रमांक 10 अंतर्गत उद्योग भवन सर्विस रोड एवं पुरैना मुख्य मार्ग को अतिक्रमणमुक्त करने व्यापक अभियान चलाया गया।

अभियान के दौरान संबंधित विभागों एवं यातायात पुलिस की संयुक्त टीम ने सर्विस रोड एवं मुख्य मार्ग पर किए गए अतिक्रमण को हटाते हुए लगभग 5-6 ठेलों एवं गुमटियों को हटाया। वहीं लगभग 30-35 ठेला एवं गुमटी संचालकों को 24 घंटे के भीतर स्वयं अतिक्रमण हटाने की सख्त समझाइश दी गई है। प्रशासन द्वारा स्पष्ट रूप से निर्देशित किया गया है कि सड़क एवं सर्विस रोड पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण स्वीकार्य नहीं होगा। निर्धारित समय सीमा में अतिक्रमण नहीं हटाने पर संबंधित सामग्री की जब्ती, जुमार्ना एवं सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पहाड़ी अंचल की महिलाओं को मिली राहत

विकसित भारत की कल्पना हो रहा है साकार मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना से राह हुई आसान

विजय मत, रायपुर

गाँव में कभी बस की पहुँच नहीं थी, आज वहाँ बस के आते ही बच्चों के चेहरे खिल उठते हैं। सड़क पर बस दिखते ही बच्चे हाथ हिलाकर खुशी जाहिर करते हैं और हॉर्न की आवाज सुनते ही लोग घरों से बाहर निकल आते हैं–एक नई उम्मीद के साथ। यह उम्मीद अब शहर मुख्यालय, नगर मुख्यालय और विकासखंड मुख्यालय तक आसान पहुँच की है। यात्री बस में बैठकर लोग उन दिनों को याद करते हैं, जब उन्हें पैदल या किसी निजी वाहन के सहारे दूसरे स्थानों तक जाना पड़ता था। अब हालात बदल चुके हैं। स्कूल के बच्चे समय पर स्कूल पहुँच रहे हैं, वहीं अधिकारी-कर्मचारी भी समय पर अपनी ड्यूटी पर पहुँच पा रहे हैं। यह

बदलाव सि$र्फ सुविधा का नहीं, बल्कि उन ग्रामीण परिवारों के सपनों का है जो विकसित भारत की कल्पना को अपने जीवन में साकार होते देख रहे हैं। यह परिवर्तन मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना से संभव हो पाया है। इस योजना के तहत आज बसें उन गाँवों तक पहुँच रही हैं, जहाँ पहले कभी बस नहीं पहुँची थी। जशपुर जिला के बगीचा विकासखंड के सन्ना निवासी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती सुनीता निकुंज बताती हैं कि पहले उन्हें पास के गाँव स्थित आंगनबाड़ी केंद्र तक पहुँचने के लिए किसी से लिफ्ट लेनी पड़ती थी, निजी वाहन या पैदल जाना पड़ता था। पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण यह बहुत कठिन था। अब ग्रामीण बस से उनकी यह समस्या दूर हो गई है। वे कहती हैं, यह बस मेरे लिए बहुत बढि?া साधन बन गई है।

ग्रामीणों के चेहरे पर लौटी मुस्कान

बस में सफर कर रहे ग्राम मरंगी निवासी दशरथ भगत हँसते हुए बताते हैं कि पहले इस सड़क पर बस नहीं चलती थी, इसलिए पैदल ही आना-जाना करना पड़ता था। बस का नाम लेते ही उसका चेहरा खिल गया द्य उन्होंने बताया कि अब मुख्यमंत्री जी की पहल से बस शुरू हो गई है। हम आसानी से बगीचा जाते हैं और समय पर वापस भी लौट आते हैं। यात्री मंगलराम बताते हैं कि पहले वे छिछली और चंपा जैसे बाजारों तक पैदल जाया करते थे। अब बस आने से बहुत सुविधा हो गई है। हम सब बहुत खुश हैं। मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना से न केवल यात्रा सुगम हुई है, बल्कि ग्रामीणों को स्वास्थ्य, शिक्षा और प्रशासनिक कार्यों के लिए शहर तक पहुँचने में भी बड़ी सुविधा मिली है। यह योजना ग्रामीण जीवन को मुख्यधारा से जोड? की दिशा में एक सशक्त कदम साबित हो रही है और जशपुर जैसे पहाड़ी व दूरस्थ क्षेत्रों में विकास की नई राह खोल रही है।

हर घर जल से बदली बिराजपाली की तस्वीर

महासमुंद जिलें के पिथौरा विकासखंड का ग्राम बिराजपाली आज हर घर जल के लक्ष्य का हासिल कर लिया है। कभी पेयजल के लिए हैंडपंप और दूरस्थ स्रोतों पर निर्भर रहने वाले ग्रामीण अब घर बैठे स्वच्छ पानी का लाभ उठा रहे हैं। इस सुविधा ने न केवल उनकी दिनचर्या को सरल बनाया है, बल्कि जीवन में सकारात्मक बदलाव भी लाया है। ग्राम बिराजपाली में 21 फरवरी 2026 को हर घर जल का सफल प्रमाणीकरण किया गया। योजना के तहत गांव के 182 घरों को नल कनेक्शन प्रदान किए गए हैं, जिससे प्रत्येक परिवार तक नियमित रूप से स्वच्छ पेयजल पहुंच रहा है। जल आपूर्ति व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए 94.27 लाख रुपये की लागत से 40 किलोलीटर क्षमता की ओवरहेड टंकी का निर्माण किया गया है। इसके साथ ही करीब 2270 मीटर लंबी पाइपलाइन बिछाई गई है, जिसके जरिए घर-घर पानी पहुंचाया जा रहा है। गांव में 13 हैंडपंप और 3 पावर पंप भी उपलब्ध हैं, जो जल स्रोतों को अतिरिक्त मजबूती प्रदान करते हैं। योजना के सुचारू संचालन और रखरखाव के लिए ग्राम जल समिति का गठन किया गया है, जो प्रत्येक परिवार से 60 रुपये प्रतिमाह जलकर के रूप में संग्रहित कर रही है। इस उपलब्धि में सरपंच श्री एतराम साहू और सचिव श्रीमती पुष्पलता चौहान के नेतृत्व तथा ग्रामीणों के सहयोग की अहम भूमिका रही है। श्रीमती श्याम बाई बताती हैं कि अब पानी के लिए दूर नहीं जाना पड़ता, जिससे समय और श्रम दोनों की बचत हो रही है। यह सुविधा उनके दैनिक जीवन में एक सुखद बदलाव बनी है।

केंद्रीय गृह मंत्री शाह से सांसद पांडेय ने की मुलाकात

रायपुर। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से भाजपा मुख्य प्रवक्ता एवं सांसद संतोष पांडेय ने दिल्ली प्रवास के दौरान मुलाकात की। इस दौरान केंद्रीय गृह मंत्री शाह से सांसद पांडेय ने बस्तर में नक्सल मुक्त अभियान को लेकर विस्तार से चर्चा की। सांसद पांडेय ने बस्तर को नक्सल मुक्त बनाने के लिए केंद्रीय गृह मंत्री शाह का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बस्तर में नक्सलवाद के समापन के बाद एक नए बस्तर का उदय हुआ है जो बस्तर को वैश्विक पहचान दिलाएगा।

छत्तीसगढ़ में श्रमिकों के न्यूनतम वेतन और महंगाई भत्ते में वृद्धि , नई दरें 1 अप्रैल से लागू

विजय मत, रायपुर

छत्तीसगढ़ शासन के श्रमायुक्त श्री हिम शिखर गुप्ता द्वारा न्यूनतम वेतन अधिनियम 1948 के अंतर्गत प्रदेश के विभिन्न नियोजनों में कार्यरत श्रमिकों के लिए नई परिवर्तनशील महंगाई भत्ता और न्यूनतम वेतन की दरें निर्धारित कर दी गई हैं । लेबर ब्यूरो शिमला से प्राप्त जुलाई 2025 से दिसंबर 2025 के मध्य औद्योगिक सूचकांक में हुई 11.28 अंकों की औसत वृद्धि के आधार पर 45 अनुसूचित नियोजनों में कार्यरत श्रमिकों के महंगाई भत्ते में 226 रुपये प्रतिमाह की वृद्धि की गई है ।

कृषि नियोजन के श्रमिकों हेतु सूचकांक में 34 अंकों की वृद्धि होने से उनके भत्ते में 170 रुपये प्रतिमाह तथा अगरबत्ती उद्योग के श्रमिकों हेतु 8.53 रुपये प्रति हजार अगरबत्ती निर्माण के मान से वृद्धि की गई है। यह संशोधित दरें 01 अप्रैल 2026 से 30 सितंबर 2026 तक की अवधि के लिए प्रभावी होंगी।नया वेतनमान निर्धारित होने के बाद, 45 अनुसूचित सामान्य नियोजन के अंतर्गत अकुशल श्रमिकों का मासिक वेतन जोन श्अश के लिए 11,402.00 रुपये, जोन श्बश के लिए 11,142.00 रुपये और जोन श्सश के लिए 10,882.00 रुपये तय किया गया है।

इसी क्रम में अर्द्धकुशल श्रमिकों हेतु वेतन क्रमशः 12,052.00 रुपये (जोन अ), 11,792.00 रुपये (जोन ब) और 11,532.00 रुपये (जोन स) निर्धारित है। कुशल श्रमिकों को जोन द्यअद्य में 12,832.00 रुपये, श्बश में 12,572.00 रुपये और श्सश में 12,312.00 रुपये प्राप्त होंगे, जबकि उच्च कुशल श्रमिकों के लिए यह दरें क्रमशः 13,612.00 रुपये, 13,352.00 रुपये और 13,092.00 रुपये प्रतिमाह होंगी। दैनिक वेतन की बात करें तो यह श्रेणी और जोन के अनुसार 419 रुपये से लेकर 524 रुपये के मध्य देय होगा। विस्तृत जानकारी विभाग की वेबसाइट ʺttps://shramevjay-ate.cg.gov.in/ या श्रमायुक्त कार्यालय, इंद्रावती भवन, नवा रायपुर से प्राप्त की जा सकती है।

नगर निगम की कार्रवाई के खिलाफ देवभोग मिल्क पार्लर संघ का प्रदर्शन

निगम कार्यालय में दूध बहाकर जताया विरोध

विजय मत, रायपुर

रायपुर। नगर निगम रायपुर द्वारा शहर में चलाए जा रहे अतिक्रमण हटाओ अभियान के तहत छत्तीसगढ़ शासन के प्रतिष्ठित उपक्रम देवभोग के मिल्क पार्लरों को हटाए जाने के विरोध में आज छत्तीसगढ़ प्रदेश देवभोग मिल्क पार्लर संघ ने मोर्चा खोल दिया।आज नगर निगम के जोन क्रमांक 10 कार्यालय में बड़ी संख्या में पहुंचे संघ के सदस्यों ने निगम की कार्रवाई के प्रति अपना गहरा आक्रोश व्यक्त किया। विरोध स्वरूप संघ के पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने कार्यालय परिसर में ही दूध के पैकेट फोड़कर अपना विरोध दर्ज कराया। संघ का तर्क है कि शासन के उपक्रम को अतिक्रमण की श्रेणी में रखकर हटाना अनुचित है, जिससे न केवल स्वरोजगार प्रभावित हो रहा है, बल्कि आम जनता के लिए दुग्ध आपूर्ति में भी बाधा आ रही है।जोन क्रमांक 10 के कर्मचारी योगेश यदु पर संघ के प्रदेश अध्यक्ष के साथ अभद्र व्यवहार और दुर्व्यवहार करने का आरोप लगा। संघ के सदस्यों ने इस कृत्य की कड़े शब्दों में निंदा की है। संघ की प्रमुख मांगे-- देवभोग मिल्क पार्लरों के खिलाफ की जा रही हटाने की कार्रवाई को तत्काल रोका जाए। प्रदेश अध्यक्ष के साथ अभद्रता करने वाले कर्मचारी योगेश यदु को अपने व्यवहार के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी होगी। शासकीय उपक्रम के पार्लरों के लिए एक उचित नीति का निर्धारण किया जाए ताकि विक्रेताओं का रोजगार सुरक्षित रहे। प्रदेश अध्यक्ष का बयान-एक तरफ सरकार स्वरोजगार को बढ़ावा दे रही है, वहीं दूसरी तरफ निगम प्रशासन शासन के ही उपक्रम को निशाना बना रहा है। ऊपर से निगम के कर्मचारी निर्वाचित प्रतिनिधियों और पदाधिकारियों से अभद्रता कर रहे हैं, जिसे कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जब तक हमारी मांगें पूरी नहीं होतीं, आंदोलन जारी रहेगा। छत्तीसगढ़ प्रदेश देवभोग मिल्क पार्लर संघ ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही उनकी समस्याओं का समाधान नहीं किया गया और संबंधित कर्मचारी ने माफी नहीं मांगी, तो आने वाले दिनों में पूरे शहर की दुग्ध आपूर्ति ठप कर उग्र आंदोलन किया जाएगा।

सर्वाधिक परिवारो को रोजगार, सर्वाधिक मानव दिवस का रोजगार सहित सर्वाधिक दिव्यांगजनों को रोजगार देने के मामले में कबीरधाम प्रदेश में प्रथम स्थान पर

महात्मा गांधी नरेगा योजना के अलग-अलग पैरामीटर्स पर जिले ने हासिल की कई उपलब्धियां

विजय मत, रायपुर

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना अंतर्गत कबीरधाम जिले ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में योजना का बेहतर क्रियान्वयन कर कई उपलब्धियां हासिल करते हुए प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के

मार्गदर्शन में कबीरधाम जिले ने ग्रामीणों को सर्वाधिक मानव दिवस का रोजगार देने, सर्वाधिक परिवारों को रोजगार, सर्वाधिक दिव्यांग जनों को रोजगार देने सहित अनेको पैरामीटर पर कई उपलब्धियां अपने नाम की। उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा द्वारा लगातार विभागीय समीक्षाओं के दौरान शासकीय योजनाओं से ग्रामीणों को लाभान्वित करने प्रोत्साहित किया जाता रहा है। और आज इसी का परिणाम है कि कबीरधाम जिले ने मनरेगा योजना के क्रियान्वयन में बेहतर प्रदर्शन करते हुए प्रदेश में एक बार फिर अपना नाम प्रथम पंक्ति में स्थापित किया है।

कलेक्टर कबीरधाम श्री गोपाल वर्मा ने बताया कि उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा द्वारा ग्रामीणों को रोजगार देने के लिए निरंतर समीक्षा की गई। ग्राम पंचायतो की मांग पर बहुत से निर्माण कार्य स्वीकृत किए गए और कार्य प्रारंभ कर ग्रामीणों को रोजगार उपलब्ध कराया गया।

जग्गी हत्याकांड मामला: अमित जोगी को बड़ा झटका

हाईकोर्ट ने सुनाया फैसला, तीन हफ्ते में करना होगा सरेंडर

विजय मत, रायपुर

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित रामावतार जग्गी हत्याकांड में हाईकोर्ट ने अमित जोगी को दोषी करार दिया है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की डिवीजन बेंच ने उन्हें तीन हफ्ते के अंदर सरेंडर करने का आदेश दिया है। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस अरविंद वर्मा की स्पेशल डिवीजन बेंच ने यह अहम फैसला सुनाया है।

इससे पहले कोर्ट ने सबूतों के अभाव में अमित जोगी को बरी कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर इस पूरे मामले को हाईकोर्ट में रीओपन किया गया। मामले की जांच करने वाली एजेंसी सीबीआई ने कोर्ट में 11 हजार पन्नों की रिपोर्ट पेश की थी। इसी विस्तृत जांच रिपोर्ट के आधार पर अमित जोगी पर भी चार्ज लगाए गए थे और आज अंतिम सुनवाई के बाद उन्हें दोषी माना गया है। अब उन्हें तीन हफ्ते के अंदर सरेंडर करना होगा, जिसके बाद आगे की कानूनी

प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

मामले की सुनवाई के दौरान स्व. रामअवतार जग्गी के बेटे सतीश जग्गी ने कोर्ट को बताया कि उनके पिता की हत्या एक राजनीतिक साजिश थी। सीबीआई ने 11 हजार पन्नों की चार्जशीट पेश की थी, जिसमें हत्या से जुड़े पर्याप्त सबूत शामिल हैं। इधर हाईकोर्ट के फैसले पर अमित जोगी ने कहा कि कोर्ट ने बिना पूरी सुनवाई का मौका दिए उन्हें दोषी करार दिया, जो उनके लिए अप्रत्याशित है। उन्होंने कहा कि उनके साथ अन्याय हुआ है।

2003 में हुई थी एनसीपी नेता रामावतार जग्गी की हत्या- 4 जून 2003 को एनसीपी नेता रामावतार जग्गी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में 31 अभियुक्त बनाए गए थे, जिनमें से बल्टू पाठक और सुरेंद्र सिंह सरकारी गवाह बन गए थे। अमित जोगी को छोड़कर बाकी 28 लोगों को सजा मिली थी। हालांकि 31 मई 2007 को रायपुर की विशेष अदालत ने सबूतों के अभाव में अमित जोगी को बरी कर दिया था। रामअवतार जग्गी के बेटे सतीश जग्गी ने अमित जोगी को बरी करने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील की थी, जिस पर अमित के पक्ष में स्टे लगा था। बाद में सुप्रीम कोर्ट ने केस को हाईकोर्ट भेज दिया।

हाई कोर्ट के फैसले पर बेटे सतीश जग्गी ने जताया संतोष, कहा- अंतत: सत्य की हुई जीत, यही उनके पिता को सच्ची श्रद्धांजलि..

हाई कोर्ट के इस फैसले पर दिवंगत रामअवतार जग्गी के बेटे सतीश जग्गी ने संतोष जताते हुए कहा कि आज उनके परिवार को पूर्णत: न्याय मिला है. अंतत: सत्य की जीत हुई है. यही उनके पिता को सच्ची श्रद्धांजलि है. सतीश जग्गी ने हाई कोर्ट के फैसले के बाद लल्लूराम डॉट कॉम से चर्चा में कहा शुरू से ही वे सीबीआई जांच चाहते थे. सीबीआई ने इस मामले में साक्ष्य जुटाए और अपने केस में अमित जोगी को मुख्य आरोपी बनाया था, फिलहाल मामला न्यायालय में है. उन्होंने अपने संघर्ष को याद करते हुए बताया कि हत्या के पहले ही दिन उन्होंने तत्कालीन मुख्यमंत्री अजीत जोगी और अमित जोगी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई थी, लेकिन बाद में एक फर्जी आरोपी लाकर खड़ा किया गया और उनकी एफआईआर को शून्य करार दिया गया।

संस्थापक
श्री रामसिपाही शुक्ल

सम्मेलन एक गहरे वैचारिक विमर्श और टकराव का संकेत

प्रवीण दाताराम

हम एलजीबीटीक्यू के मौलिक अधिकारों के विरोध में नहीं हैं किंतु इनके कंधों पर रखकर भारतीय मूल्यों, देशज अधिष्ठानों, हमारी सांस्कृतिक मान्यताओं पर जिस प्रकार बंदूकें चलाई जा रही हैं उसके विरोध में हैं। भारत में पत्रिका के माध्यम से ये वैचारिक नक्सलाइट्स बहुधा ही गंद फैलाते रहते हैं। यह उनके प्रति संवेदना के लिए नहीं अपितु देश में अनावश्यक वितंडा खड़ा करने के लिए किया जाता है। हमें यह देखना चाहिए कि वे कौन सी छिपी हुई शक्तियाँ हैं जो भारत में बालक, बालिकाओं के लिए एक से बाथरूम चाहती हैं? ये मार्क्सिस्ट शक्तियाँ विद्यालयों के बालक बालिकाओं को एक ही हास्टल में एक ही कक्ष में रखें जाने की वकालत करती हैं। साहित्य अकादमी का यह लेखक सम्मेलन इन सब बातों की ही तो चर्चा करेगा।

भारत की सर्वोच्च साहित्यिक संस्थाओं में से एक, साहित्य अकादमी द्वारा सम्मेलन का आयोजन एक गहरे वैचारिक विमर्श और टकराव का संकेत है। दुखद है कि यह सम्मेलन संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, के तत्वावधान में हो रहा है। संस्कृति मंत्रालय को यह देखना चाहिए कि क्या हमारी संस्कृति के सभी सिरमौर विषयों पर क्या साहित्य अकादमी ने चर्चा सम्पन्न करा ली है? केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय को इस साहित्य आकादमी से पूछना होगा, कि भारतीय ज्ञान परंपरा की कितनी चर्चा और कितने लेखक सम्मेलन 'साहित्य अकादमी' ने करा लिए हैं? क्या हमारे सभी ज्वलंत और आवश्यक सांस्कृतिक प्रश्न उत्तर पा चूकें है जो इस प्रकार के विषय को चर्चा केंद्र में रखने का निर्णय लिया गया? प्रश्न यह नहीं है कि किसी विषय पर चर्चा क्यों हो रही है, बल्कि यह है कि किन विषयों को प्राथमिकता दी जा रही है और उसके पीछे कौन-सी वैचारिक शक्तियाँ सक्रिय हैं? हम एलजीबीटीक्यू के मौलिक अधिकारों के विरोध में नहीं हैं किंतु इनके कंधों पर रखकर भारतीय मूल्यों, देशज अधिष्ठानों, हमारी सांस्कृतिक मान्यताओं पर जिस प्रकार बंदूकें चलाई जा रही हैं उसके विरोध में हैं। नक्सलाइट्स बहुधा ही गंद फैलाते रहते हैं। यह उनके प्रति संवेदना के लिए नहीं अपितु देश में अनावश्यक वितंडा खड़ा करने के लिए किया जाता है। हमें यह देखना चाहिए कि वे कौन सी छिपी हुई शक्तियाँ हैं जो भारत में बालक, बालिकाओं के लिए एक से बाथरूम चाहती हैं? ये मार्क्सिस्ट शक्तियाँ विद्यालयों के बालक बालिकाओं को एक ही हास्टल में एक ही कक्ष में रखें जाने की वकालत करती हैं। साहित्य अकादमी का यह लेखक सम्मेलन इन सब बातों की ही तो चर्चा करेगा। इसका लक्ष्य केवल भारतीय परंपराओं पर तोप दागना ही तो होगा। गे और लेस्बियन सेक्स के ऊपर लेखक सम्मेलन में किस प्रकार की चर्चा आएगी, इसकी कल्पना से हृदय सिहर उठता है। लेस्बियन, गे, बाइसेक्सुअल, ट्रांसजेंडर और क्वीर की चर्चा केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय के तत्वावधान वाले, साहित्य अकादमी के आयोजन में आना एक खतरनाक वैचारिक विस्फोट है। यह वैचारिक बारूदी सुरंगें हैं जो हमारे वैचारिक अधिष्ठान के नीचे लगातार बिछाई जा रही हैं।

ट्रांसजेंडर या किन्नर समाज के प्रति सदैव ही हमारे भारतीय समाज का, शास्त्रों का, ऋषि परंपरा का संवेदनशील मंतव्य रहा है। ये हमारी परंपराओं में स्थायी रूप से सम्मानपूर्वक बसे हैं। समय के साथ-साथ इनके विषय में आवश्यक निर्णय लिए जाने चाहिए, जो कि शासन से लेकर समाज तक लिए भी गए हैं। किंतु ट्रांसजेंडर के अतिरिक्त ये जो गे, लेस्बियन क्वीर आदि हैं इनका स्थान हमारे समाज में कहाँ होना चाहिए? आज भारत में एक बड़ा वर्ग यह मानता है कि यह पूरा विमर्श तथाकथित कल्चरल मार्क्सिज़्म की रणनीति का हिस्सा है। इस विचारधारा का मूल उद्देश्य हमारे समाज की पारंपरिक संरचनाओं, परिवार, धर्म, संस्कृति और नैतिकता, को धीरे-धीरे दुर्बल करना ही है। हमारी ऋषि परंपरा और सनातनी संस्कृति को हटाकर उनकी जगह एक नए प्रकार की वैचारिक संरचना स्थापित करना ही ऐसे आयोजनों का लक्ष्य होता है। केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय को इस देशज वर्ग के विचारों का आदर करते हुए इस विषय को साहित्य अकादमी के आयोजन से अलग करवाना चाहिए।

भारतीय संस्कृति की जड़ें अत्यंत गहरी और संतुलित हैं। यहाँ मनुष्य को केवल उसकी इच्छाओं या प्रवृत्तियों के आधार पर नहीं, बल्कि उसके धर्म, कर्तव्य और सामाजिक उत्तरदायित्व के आधार पर देखा गया है। ऋषि परंपरा ने जीवन को चार पुरुषार्थ - धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष - में संतुलित किया है। इस व्यवस्था में 'काम' मर्यादा और संतुलन के भीतर है, न कि उच्छृंखल अभिव्यक्ति के रूप में। 'काम आनंद' की एक परिपूर्ण परिभाषा, परिधि, प्रतीति, अभिव्यक्ति हमारे पास युगों से हैं। हमारी 'विवाह संस्था' को चोटिल करने का दुष्प्रयास है यह लेखक सम्मेलन। हमारी चिति पर यह नई विध्वंसक मान्यताएँ लादकर वैचारिक बलात्कार किया जा रहा है? LGBTक्त जैसे विषयों को जिस प्रकार से आज शो आफ किया जा रहा है, वह भारतीय दृष्टिकोण से अधिक पश्चिमी अवधारणाओं से प्रेरित है। यह केवल व्यक्तिगत स्वतंत्रता का प्रश्न नहीं है, सामाजिक संरचना और सांस्कृतिक मूल्यों पर भी इसका प्रत्यक्ष दुष्प्रभाव पड़ता है। इस दुष्प्रभाव की चिंता करनी चाहिए। यह एक महत्वपूर्ण तथ्य है कि देश में राजनीतिक स्तर पर परिवर्तन हुआ है और राष्ट्रवादी विचारधारा को समर्थन मिला है। लेकिन क्या वास्तव में व्यवस्था बदली है? हमारी शासन व्यवस्था राष्ट्रीयता की उपेक्षा क्यों करती है? अनजाने में हमारी सत्ता क्यों पश्चिमी मूल्यों की पक्षधर बनकर खड़ी हो जाती है? यह एक गंभीर प्रश्न है।कई उदाहरण यह संकेत देते हैं कि शैक्षणिक, सांस्कृतिक और साहित्यिक संस्थानों में अब भी वामपंथी विचारधारा का गहरा प्रभाव बना हुआ है। चाहे विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रम हों, इतिहास लेखन हो या साहित्यिक संस्थाओं के कार्यक्रम, बहुधा वही दृष्टिकोण प्रमुख होता है जो भारत की परंपरागत मान्यताओं से भिन्न है और उसके विरोध में है। साहित्य अकादमी का यह निर्णय भी इसी व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखा जा सकता है। प्रश्न स्वाभाविक है कि जब देश में ग्रामीण साहित्य, वेद-उपनिषद, भारतीय भाषाओं के संरक्षण, या राष्ट्रीय साहित्य को बढ़ावा देने की आवश्यकता है, तब विषय को प्राथमिकता क्यों दी जा रही है?भारत का कथित बुद्धिजीवी वर्ग सदैव ही स्वयं को प्रगतिशील और उदारवादी बताता है, लेकिन इसके विचारों में एक स्पष्ट झुकाव वामपंथी सोच की ओर होता है। यह वर्ग भारतीय परंपराओं को पिछड़ा बताने में संकोच नहीं करता, जबकि पश्चिमी विचारों को आधुनिकता का प्रतीक मानता है। यह वही वर्ग है जो रामायण और महाभारत पर प्रश्न उठाता है। यह वर्ग परंपरागत परिवार व्यवस्था को चुनौती देता है। यह वर्ग भारतीय संस्कृति को पितृसत्तात्मक या रूढ़िवादी कहकर खारिज करने का प्रयास करता है।कल्चरल मार्क्सिज्म की अवधारणा यह कहती है कि यदि किसी समाज को बदलना है, तो उसकी संस्कृति को बदलें। भारत में यह प्रक्रिया धीरे-धीरे विभिन्न माध्यमों से चल रही है, फिल्मों, वेब सीरीज, शिक्षा और अब साहित्यिक मंचों के माध्यम से।

बड़ा ही सीधा सा उद्देश्य है इनका। हमारे पारंपरिक मूल्यों को पुराना और अप्रासंगिक साबित करना, नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से दूर करना, और जड़विहीन पहचान निर्मित करना।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)- साभार

हिंदी रंगमंच को लेकर हमारे समाज में एक अजीब सी रूमानी किस्म की सहानुभूति है

हिंदी रंगमंच को लेकर हमारे समाज में एक अजीब सी रूमानी किस्म की सहानुभूति है, जो अक्सर तालियों की गड़गड़ाहट के साथ ही खत्म हो जाती है। 3 अप्रैल का दिन हम हिंदी रंगमंच दिवस के नाम पर दर्ज तो कर लेते हैं, लेकिन क्या हम उस बेचैनी को समझ पा रहे हैं जो इस कला की जड़ों में है? 1868 में जब बनारस के मंच पर जानकी मंगल नाटक खड़ा हुआ था, तो वह कोई मनोरंजन का साधन भर नहीं था। वह एक भाषा का अपने वजूद के लिए किया गया ऐलान था। आज डेढ़ सौ साल बाद, हम उस ऐलान की गूँज को डिजिटल शोर के बीच खो चुके हैं। रंगमंच असल में मनुष्य के भीतर की उस आदिम भूख का नाम है, जो कैमरे की आंख से बचकर सीधे साक्षात इंसान से आंख मिलाना चाहती है। यह कला किसी रीटेक की मोहताज नहीं है और न ही यहाँ कोई एडिटिंग टेबल गलतियों को सुधारने के लिए बैठी है। सिनेमा हमें एक निर्मित सत्य दिखाता है, जहाँ निर्देशक तय करता है कि आपको क्या देखना है। इसके उलट रंगमंच एक लोकतांत्रिक अनुभव है। मंच पर खड़ा अभिनेता अपने पसीने, अपनी कांपती आवाज और अपनी आँखों की नमी के साथ दर्शक के सामने पूरी तरह निहत्था होता है। यही वह लाइव होने का जोखिम है, जो रंगमंच को दुनिया की सबसे जांबाज कला बनाता है। आज के दौर में जब हम पिक्सेल और स्क्रीन की परतों में इतने गहरे धंस चुके हैं कि हमें बगल में बैठे इंसान की सांसों की गर्माहट महसूस होना बंद हो गई है, तब रंगमंच हमें एक सामूहिक चेतना का हिस्सा बनाता है। यह हमें कंज्यूमर से वापस इंसान बनाने की प्रक्रिया है। जब हॉल की लाइटें बुझती हैं और मंच पर रोशनी का एक कतरा पड़ता है, तो वहां बैठा हर दर्शक उस किरदार के दर्द का साझीदार बन जाता है।हिंदी रंगमंच का इतिहास गवाह है कि इसने कभी महलों की चाटुकारिता नहीं की। भारतेंदु से लेकर हबीब तनवीर तक, नाटकों ने हमेशा सत्ता के गलियारों में चुभते हुए सवाल भेजे हैं। अंधेर नगरी का वह टके सेर वाला न्याय आज भी हमारे लोकतंत्र की सड़कों पर बदहवास घूम रहा है। आषाढ़ का एक दिन की मल्लिका का वह अंतहीन इंतज़ार आज भी हर उस व्यक्ति की कहानी है जो अपनी अस्मिता और प्रेम के बीच पिस रहा है।

सूचना

सम्पादकीय पृष्ठ पर प्रकाशित लेख-आलेख एवं विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं। अतः यह जरूरी नहीं है कि विजय मत समूह उपरोक्त लेख या विचारों से सहमत हो। किसी लेख से जुड़े सभी दावे या आपत्ति के लिए सिर्फ लेखक ही जिम्मेदार हैं।

नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई आंकड़े, वास्तविकता और भविष्य

सुनील कुमार महला

नक्सलवाद भारत की आंतरिक सुरक्षा के लिए लंबे समय से एक गंभीर चुनौती रहा है। यह केवल कानून-व्यवस्था का मुद्दा नहीं है, बल्कि गहरे सामाजिक-आर्थिक असंतुलन से जुड़ी समस्या भी है। पाठकों को बताता चलूं कि नक्सलवाद मूलतः माओवाद की विचारधारा से प्रभावित है, जिसकी प्रेरणा माओ त्से तुंग से मिलती है। यह विचारधारा सशस्त्र क्रांति के माध्यम से लोकतांत्रिक व्यवस्था को समाप्त करने में विश्वास रखती है। इसी कारण इसे वामपंथी उग्रवाद (लेफ्ट विंग एक्सट्रीमिज्म-एलडब्लयूई) भी कहा जाता है। वास्तव में, नक्सलवाद की शुरुआत वर्ष 1967 में नक्सलबाड़ी से हुई थी। यह एक उग्र वामपंथी आंदोलन है, जो मुख्यतः आदिवासी और पिछड़े क्षेत्रों में सक्रिय रहा है। नक्सली संगठन सामाजिक असमानता, भूमि अधिकारों, गरीबी और शोषण के खिलाफ संघर्ष का दावा करते हैं, लेकिन अपने उद्देश्यों की पूर्ति के लिए हिंसक तरीकों का सहारा लेते हैं। इसके प्रमुख कारणों में गरीबी, बेरोजगारी, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी तथा प्रशासनिक उपेक्षा शामिल रहे हैं।यह समस्या विकास कार्यों में बाधा उत्पन्न करती रही है और साथ ही निर्दोष नागरिकों एवं सुरक्षा बलों के लिए गंभीर खतरा भी बनी है। हालांकि, हाल के वर्षों में स्थिति में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है। हाल ही में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 30 मार्च 2026 सोमवार को लोकसभा में यह बात कही है कि कि देश में वामपंथी उग्रवाद अपने अंतिम चरण में है और बस्तर, जो कभी नक्सलियों का गढ़ माना जाता था, अब लगभग पूरी तरह मुक्त हो चुका है। सरकार ने जीरो टॉलरेंस(शून्य सहनशीलता) नीति अपनाते हुए सुरक्षा बलों-जैसे कोबरा, सीआरपीएफ और डीआरजी को सक्रिय रूप से तैनात किया है। इसके साथ ही विकास को बढ़ावा देने के लिए 12,000 किलोमीटर से अधिक सड़कों का निर्माण, 580 से अधिक फोर्टिफाइड पुलिस स्टेशनों की स्थापना और हजारों मोबाइल टावर लगाए गए हैं। बस्तर क्षेत्र में अब गांवों में स्कूलों और राशन की दुकानों का विस्तार किया जा रहा है, जो सकारात्मक परिवर्तन का संकेत है।बहरहाल, यदि हम यहां पर ताज़ा आंकड़ों पर नजर डालें, तो वर्ष 2025 में देशभर में लगभग 137 नक्सली हिंसा की घटनाएं दर्ज की गई, जिनमें 52 नागरिकों और 33 सुरक्षा बलों के जवानों की मृत्यु हुई।

(यह लेखक के निजी विचार हैं) -साभार

मनुष्य का जीवन भोग और विलास के लिए नहीं है...

कांतिलाल मांडोत

सबसे पहले हमें यह समझना होगा कि व्यसन हमारे लिए हानिकारक है और हमें इसे छोड़ना ही होगा। इसके बाद हमें अपने जीवन में सकारात्मक आदतों को शामिल करना चाहिए, जैसे नियमित व्यायाम, ध्यान, अध्ययन और अच्छे लोगों का संग। यह सब हमें व्यसन से दूर रखने में सहायक होते हैं।साथ ही समाज और सरकार को भी इस दिशा में प्रयास करने होंगे। व्यसन मुक्ति के लिए जागरूकता फैलाना, नशा विरोधी अभियान चलाना और युवाओं को सही दिशा देना अत्यंत आवश्यक है। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण भूमिका व्यक्ति की स्वयं की होती है। जब तक व्यक्ति स्वयं नहीं जागेगा, तब तक कोई भी प्रयास सफल नहीं हो सकता।अंततः यही कहा जा सकता है कि जीवन का वास्तविक आनंद पुरुषार्थ में है, व्यसन में नहीं। जो व्यक्ति अपने जीवन को सार्थक बनाना चाहता है।

मनुष्य जीवन अत्यंत दुर्लभ और अमूल्य है। यह केवल भोग-विलास या क्षणिक सुखों के लिए नहीं मिला, बल्कि आत्मोन्नति, समाज कल्याण और परम शांति की प्राप्ति के लिए प्राप्त हुआ है। फिर भी आज का मनुष्य अपने वास्तविक लक्ष्य से भटकता जा रहा है। इसका सबसे बड़ा कारण है व्यसन। व्यसन केवल एक आदत नहीं है, यह एक ऐसा जाल है जो धीरे-धीरे मनुष्य की चेतना, शक्ति और अस्तित्व को निगल जाता है। इसके विपरीत पुरुषार्थ वह शक्ति है जो मनुष्य को ऊँचाइयों तक पहुँचाती है। इसलिए आवश्यक है कि हम पुरुषार्थ को जगाएं और व्यसनों का त्याग करें।इतिहास गवाह है कि जिसने पुरुषार्थ को अपनाया, उसने असंभव को संभव कर दिखाया। एक साधारण व्यक्ति भी अपने परिश्रम और दृढ़ संकल्प से महान बन सकता है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण महात्मा गांधी हैं। जेल में रहते हुए भी उन्होंने अपने कार्य के प्रति जो निष्ठा दिखाई, वह उनके पुरुषार्थ का परिचायक था। उन्होंने यह सिद्ध कर दिया कि परिस्थितियाँ चाहे कितनी भी कठिन क्यों न हों, यदि मनुष्य अपने पुरुषार्थ को नहीं छोड़ता, तो सफलता स्वयं उसके चरण चूमती है।

इसके विपरीत जो व्यक्ति व्यसनों के अधीन हो जाता है, उसका जीवन धीरे-धीरे अंधकार में डूबने लगता है। व्यसन मनुष्य की बुद्धि को भ्रष्ट करता है, उसकी सोचने-समझने की क्षमता को समाप्त करता है और उसे गलत निर्णयों की ओर धकेलता है। शराब, तंबाकू, नशा, जुआ और अन्य दुर्व्यसन केवल शरीर को ही नहीं, बल्कि आत्मा को भी कमजोर कर देते हैं। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि व्यसन मृत्यु का द्वार है, क्योंकि यह मनुष्य को धीरे-धीरे नष्ट कर देता है।

आज समाज में व्यसनों का विस्तार एक भयावह रूप ले चुका है। हर गली, हर मोड़ पर व्यसनों का बाजार सजा हुआ है। युवा पीढ़ी विशेष रूप से इसकी चपेट में आ रही है। शुरुआत में यह केवल एक प्रयोग के रूप में शुरू होता है, लेकिन धीरे-धीरे यह लत बन जाता है और फिर व्यक्ति इसके बिना जी नहीं पाता। वह अपनी इच्छाओं का दास बन जाता है और उसका आत्मबल समाप्त हो जाता है। यही कारण है कि व्यसन को आत्मा के लिए घातक और जानलेवा कहा गया है।

व्यसन का प्रभाव केवल व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता, यह उसके परिवार, समाज और पूरे राष्ट्र को प्रभावित करता है। एक व्यसनी व्यक्ति अपने कर्तव्यों को भूल जाता है, अपने परिवार की जिम्मेदारियों से मुँह मोड़ लेता है और आर्थिक रूप से भी कमजोर हो जाता है। इससे परिवार में तनाव, कलह और दुःख का वातावरण बनता है। समाज में अपराध बढ़ते हैं और राष्ट्र की प्रगति बाधित होती है। इस प्रकार व्यसन केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सामाजिक और राष्ट्रीय समस्या भी है।

इसके विपरीत पुरुषार्थ वह शक्ति है जो मनुष्य को इन सभी बुराइयों से बचाती है। पुरुषार्थ का अर्थ केवल शारीरिक परिश्रम नहीं है, बल्कि मानसिक दृढ़ता, आत्मसंयम और सकारात्मक सोच भी है। जो व्यक्ति अपने मन और इंद्रियों पर नियंत्रण रखता है, वही सच्चा पुरुषार्थी होता है। वह कठिनाइयों से नहीं डरता, बल्कि उनका सामना करता है और उन्हें अवसर में बदल देता है।

भगवान महावीर ने भी पुरुषार्थ और आत्मसंयम पर विशेष बल दिया है। उन्होंने कहा कि मनुष्य को अपने भीतर की शक्तियों को पहचानना चाहिए और उन्हें सही दिशा में लगाना चाहिए। उन्होंने व्यसनों से दूर रहने और संयमित जीवन जीने का संदेश दिया। उनके अनुसार सच्ची स्वतंत्रता वही है, जो मनुष्य को अपने मन और इंद्रियों पर विजय प्राप्त करने से मिलती है।

आज आवश्यकता है कि हम अपने जीवन में इस सत्य को समझें और अपनाएं। हमें यह स्वीकार करना होगा कि व्यसन हमें केवल विनाश की ओर ले जाते हैं, जबकि पुरुषार्थ हमें विकास और उन्नति की ओर ले जाता है। हमें अपने जीवन में ऐसे संकल्प लेने होंगे, जो हमें व्यसनों से दूर रखें और पुरुषार्थ के मार्ग पर आगे बढ़ाएं।व्यसन छोड़ना आसान नहीं है, लेकिन यह असंभव भी नहीं है। इसके लिए दृढ़ इच्छा शक्ति और निरंतर प्रयास की आवश्यकता होती है। सबसे पहले हमें यह समझना होगा कि व्यसन हमारे लिए हानिकारक है और हमें इसे छोड़ना ही होगा। इसके बाद हमें अपने जीवन में सकारात्मक आदतों को शामिल करना चाहिए, जैसे नियमित व्यायाम, ध्यान, अध्ययन और अच्छे लोगों का संग। यह सब हमें व्यसन से दूर रखने में सहायक होते हैं।साथ ही समाज और सरकार को भी इस दिशा में प्रयास करने होंगे। व्यसन मुक्ति के लिए जागरूकता फैलाना, नशा विरोधी अभियान चलाना और युवाओं को सही दिशा देना अत्यंत आवश्यक है। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण भूमिका व्यक्ति की स्वयं की होती है। जब तक व्यक्ति स्वयं नहीं जागेगा, तब तक कोई भी प्रयास सफल नहीं हो सकता।अंततः यही कहा जा सकता है कि जीवन का वास्तविक आनंद पुरुषार्थ में है, व्यसन में नहीं। जो व्यक्ति अपने जीवन को सार्थक बनाना चाहता है, उसे व्यसनों का त्याग करके पुरुषार्थ का मार्ग अपनाना होगा। यही मार्ग उसे सच्ची सफलता, शांति और संतोष प्रदान करेगा।इसलिए आइए, हम सब मिलकर यह संकल्प लें कि हम अपने जीवन से सभी प्रकार के व्यसनों को दूर करेंगे और पुरुषार्थ को अपनाकर अपने जीवन को महान बनाएंगे। यही हमारे जीवन की सच्ची दिशा और उद्देश्य होना चाहिए। (यह लेखक के निजी विचार हैं)-

शब्द पहेली - 8685

■	1		2	■	3		4	■
5		■		■		■	6	7
	■	8		9		■	■	
10			■		■	11		
■	■	12		■	13		■	■
14			■	15	■	16		17
	■	■	18		19		■	
20	21	■		■		■	22	
■	23			■	24			■

बाएँ से दाएँ

1. कवि की रचना, गजल-3
3. अनुमान, अंदाज-3
5. सदपुरुष-2
6. अयोग्य, असंगत -2
8. स्वार्थ, लोभ-4
10. सहयोग, सहकार-3
11. उन्माद, सनक-3
12. भगवान का आराधक-2
13. ठंडक, शीतलता-2
14. दूल्हे के सिर पर बांधी जाने वाली पगड़ी-3
16. चांदी-3
18. गंवारपन, अशिष्टता-4
20. पैंदा, तला-2
22. वर्तमान दिन-2
23. बहने का भाव-3
24. गमन, विदा होना-3

ऊपर से नीचे

1. हुनर, फन, आर्ट-2
2. बल, दम, जोर-3
3. समीप, नजदीक-3
4. गलत का विलोम-2
5. भ्रम, संदेह-3
7. उपनदी, कैनाल-3
8. नशे से भरपूर-4
9. लाख, सौ हजार-2
11. स्वभाव, आदत-4
14. स्वास्थ्य-3
15. इस जगह-2
17. तहजीब, शिष्टता-3
18. इकट्ठा होना-3
19. रेखा, लाइन-3
21. होठ, अधर-2
22. आगमन-2

शब्द पहेली - 8684 का हल

स	ह	ल	ज	■	■	कु	ली	न
रि	■	■	र	सा	त	ल	■	फा
ता	ना	■	■	ग	म	■	■	स
■	जा	म	■	र	■	■	स	त
■	य	म	ज	■	आ	रा	म	■
ह	ज	■	■	ह	■	न	त	■
ज	■	■	क	र	■	■	ल	ब
र	■	स	ला	म	त	■	■	द
त	बा	ही	■	■	य	की	न	न

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

3 अप्रैल 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

शुक्रवार 2026 वर्ष का 93 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2083
शक संवत् 1948
मास चैत्र **पक्ष** शुक्ल
तिथि प्रतिपदा 08.43 बजे को समाप्त।
नक्षत्र चित्रा 19.25 बजे को समाप्त।
योग व्याघात 14.09 बजे को समाप्त।
करण कौलव 08.43 बजे तदनन्तर तैतिल 21.23 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 14.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 05° 14'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872668
जूलियन दिन 2461133.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना सव्वाल
तारीख 14

ग्रह	स्थिति
सूर्य	मीन में
चंद्र	तुला में
मंगल	मीन में
बुध	कुंभ में
गुरु	मिथुन में
शुक्र	मेष में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
मेष	06.28 बजे से
वृष	08.08 बजे से
मिथुन	10.06 बजे से
कर्क	12.20 बजे से
सिंह	14.36 बजे से
कन्या	16.48 बजे से
तुला	18.58 बजे से
वृश्चिक	21.13 ब.से
धनु	23.29 बजे से
मकर	01.34 बजे से
कुंभ	03.21 बजे से
मीन	04.54 बजे से

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चर	05.55 से	07.23 बजे तक	रोग	05.38 से	07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51 बजे तक	काल	07.11 से	08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15 बजे तक
काल	10.19 से	11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19 बजे तक
रोग	01.15 से	02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10 बजे तक	चर	02.51 से	04.23 बजे तक
चर	04.10 से	05.38 बजे तक	रोग	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

सार समाचार

छत्तीसगढ़ के नक्सल मुक्त होने पर शहीद वीर जवानों को श्रद्धांजलि दीपदान कार्यक्रम आयोजित

विजय मत/रामानुजनगर। छत्तीसगढ़ के नक्सल मुक्त होने की ऐतिहासिक उपलब्धि के उपलक्ष्य में रामानुजनगर ब्लॉक मुख्यालय में श्रद्धांजलि एवं दीपदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भाजपा युवा नेता शशांक दुबे के नेतृत्व में युवा कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय नागरिकों ने देश की सुरक्षा में अपने प्राण न्यौछावर करने वाले शहीद वीर जवानों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी लोगों ने दीप प्रज्वलित कर शहीदों के बलिदान को नमन किया तथा उनके अदम्य साहस और देशभक्ति को स्मरण किया। इस दौरान शशांक दुबे ने कहा कि छत्तीसगढ़ का नक्सल मुक्त होना प्रदेश के लिए एक ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण क्षण है, जो हमारे सुरक्षाबलों के साहस, समर्पण और बलिदान का परिणाम है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे देशहित और समाज सेवा के कार्यों में आगे बढ़कर योगदान दें।

महंगाई के मुद्दे पर कांग्रेस आक्रामक, जिला अध्यक्ष बेसरा ने केंद्र सरकार पर साधा निशाना

विजय मत/गरियाबंद। जिले में बढ़ती महंगाई को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। कांग्रेस के जिला अध्यक्ष सुखचंद बेसरा ने स्थानीय रेस्ट हाउस में आयोजित एक पत्रकार वार्ता के दौरान मोदी सरकार की आर्थिक नीतियों पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने देश में बढ़ती महंगाई के लिए केंद्र के आर्थिक कुप्रबंधन और कूटनीतिक विफलता को जिम्मेदार ठहराया।बेसरा ने आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि सरकार आम जनता की जेब पर लगातार बोझ डाल रही है।

उनके संबोधन के मुख्य बिंदु इस प्रकार रहे

कमर्शियल गैस हाल ही में सिलेंडर के दाम में 195 की बड़ी बढ़ोतरी की गई है। पिछले तीन महीनों में यह वृद्धि कुल 525 तक पहुंच चुकी है।

ककनार घाटी के नीचे थमा लाल आतंक का शोर, अब गूंजती है हॉर्न की आवाज

सड़क बन जाने और बस सेवा शुरू होने से ग्रामीणों को मिली बड़ी राहत

विजय मत/जगदलपुर

बस्तर की भौगोलिक विषमताओं और कठिन परिस्थितियों के बीच विकास की एक ऐसी नई इबारत लिखी गई है, जिसकी कल्पना कुछ साल पहले तक नामुमकिन थी। ककनार घाटी के नीचे बसे सुदूर गांव कुधूर, धरमाबेड़ा, चंदेला, ककनार और पालम जो कभी वामपंथी माओवादी आतंक के गढ़ माने जाते थे, आज मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सेवा के माध्यम से मुख्यधारा से जुड़ गए हैं। इन गांवों के निवासियों के लिए पक्की सड़क का निर्माण एक ऐसा सपना था, जिसके बारे में सोचा भी नहीं जा सकता था, क्योंकि घाटी की दुर्गम ढलान और माओवाद के साये ने विकास के हर रास्ते को अवरुद्ध कर रखा था। लेकिन आज उन्हीं संकरी पगडंडियों और चुनौतीपूर्ण रास्तों पर बनी नई सड़क में बस का दौड़ना बस्तर की बदलती तस्वीर का सबसे सशक्त प्रमाण है।

ज्ञात हो कि बस्तर जिले में मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सेवा योजना की शुरूआत बीते 4 अक्टूबर 2025 को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के द्वारा की गई थी। मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सेवा योजना के माध्यम से जिले के चार चयनित मार्गों पर बस सेवा संचालित की जा रही है।मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सेवा योजना के तहत शुरू हुई यह बस सेवा केवल एक वाहन नहीं, बल्कि विश्वास और विकास की एक कड़ी है। क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकार रायपुर द्वारा स्वीकृत समय-सारणी के अनुसार यह

बस प्रतिदिन कोंडागांव जिले के मर्दापाल से अपनी यात्रा शुरू करती है और ककनार घाटी के नीचे बसे उन गांवों को जोड़ती है जहां कभी पैदल चलना भी जोखिम भरा हुआ करता था। घाटी के इन दुर्गम अंचलों से होते हुए बस धरमाबेड़ा और ककनार जैसे पड़ावों को पार कर संभाग मुख्यालय जगदलपुर पहुंचती है। इससे उन लोगों का सफर अब सुगम हो गया है जिन्होंने दशकों तक केवल सड़क और बस का इंतजार किया था। वामपंथी उग्रवाद समस्या के कमजोर पड़ने और सुरक्षा बलों की मुस्तैदी के चलते अब इन संवेदनशील इलाकों में सड़कों का निर्माण संभव हो पाया है। पक्की सड़कों के इस जाल ने न केवल परिवहन को आसान बनाया है, बल्कि ककनार घाटी के नीचे बसे ग्रामीणों के मन से अलगाव का डर भी खत्म कर दिया है। अब शिक्षा, स्वास्थ्य और व्यापार के लिए ग्रामीणों को मीलों का सफर तय नहीं करना पड़ता। यह निरंतर बस सेवा इस बात का प्रतीक है कि बस्तर का वह हिस्सा जो कभी अंधेरे में खोया हुआ माना जाता था, अब पूरी रफ्तार के साथ प्रगति की राह पर अग्रसर है।

घाटी की ऊंचाइयों से उतरकर यह बस आज हर ग्रामीण के घर तक शासन की योजनाओं और खुशहाली का संदेश पहुंचा रही है। इस बारे में चंदेला के सरपंच तुलाराम नाग कहते हैं कि करीब दो साल पहले तक इस इलाके में माओवादी समस्या के कारण विकास थम सी गई थी, लेकिन आज सड़क बन जाने के साथ ही विकास को एक नई दिशा मिल चुकी है। इस इलाके में स्कूल, आंगनबाड़ी केंद्र, स्वास्थ्य केंद्र की सेवाओं के साथ ही उचित मूल्य दुकान में खाद्यान्न एवं अन्य जरूरी सामग्री सुलभ हो रही है वहीं समीपस्थ ग्राम ककनार में साप्ताहिक बाजार की रौनक देखते ही बनती है। क्षेत्र के ककनार सरपंच बलीराम बघेल बताते हैं कि पहले उन्हे अपने तहसील मुख्यालय लोहंडीगुड़ा और जिला मुख्यालय तक जाने मे काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था।

बालको टाउनशिप में 'फॉरेस्ट वॉकवे' बना प्रकृति और स्वास्थ्य का नया केंद्र

विजय मत/बालकोनगर

भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) द्वारा टाउनशिप में प्रकृति से जुड़ाव को मजबूत करने और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विकसित 'बालको फॉरेस्ट वॉकवे' का उद्घाटन कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक श्री राजेश कुमार द्वारा किया गया। इस अवसर पर लेडीज़ क्लब की अध्यक्षा मनीषा कुमार तथा बालको के वरिष्ठ अधिकारियों सहित कंपनी एवं व्यावसायिक साझेदारों के कर्मचारी उपस्थित थे।

लगभग 785 मीटर लंबे इस फॉरेस्ट वॉकवे को विशेष रूप से

डिजाइन किया गया है कि लोग हर कदम पर प्रकृति की विविधता का अनुभव कर सकें। वॉकवे के दोनों ओर विभिन्न प्रजातियों के वृक्ष लगाए गए हैं, जो न केवल हरियाली बढ़ाते हैं बल्कि वातावरण को शुद्ध और शांत बनाते हैं। इन पेड़ों की छाया और प्राकृतिक सुंदरता वॉकवे को एक सुकून भरा अनुभव प्रदान करती है। फॉरेस्ट वॉकवे केवल एक पथ नहीं, बल्कि एक सोच है, एक ऐसा प्रयास जो टाउनशिप निवासियों को प्रकृति के करीब लाने, फिटनेस को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने और सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करता है।बालको टाउनशिप में लगातार हो रहे सुधार और सौंदर्यीकरण प्रयासों के तहत यह फॉरेस्ट वॉकवे एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

शासकीय शालाओं में प्रार्थना शेड निर्माण हेतु राशि स्वीकृत : गिरधर जायसवाल

विजय मत/सक्ती। लोक शिक्षण संचालनालय रायपुर छत्तीसगढ़ द्वारा छत्तीसगढ़ के बिभिन्न शालाओं में प्रार्थना शेड निर्माण हेतु निर्धारित दर से स्वीकृति किया गया हैं नेता प्रतिपक्ष डॉ चरण दास महन्त के अनुशंषा से जिला जांजगीर चाम्पा एवँ जिला सक्ती के विभिन्न शालाओं में प्रार्थना शेड स्वीकृत हुआ है उक्त सम्बन्ध में जिला कलेक्टर कार्यालय एवँ शिक्षा विभाग में नेता प्रतिपक्ष डॉ चरण दास महन्त के प्रतिनिधि गिरधर जायसवाल ने बताया कि विधानसभा क्षेत्र सक्ती के प्राथमिक शाला लछनपुर पोंडी कला के प्राथमिक शाला पोंडीकला बालपुर एवँ उच्च भीट्ठी एवँ हायर सेकेंडरी स्कूल सारागांव जिला सक्ती विधानसभा क्षेत्र सक्ती के प्राथमिक शाला मोहगांव धनपुर जामपाली जर्वे में प्रार्थना शेड निर्माण हेतू प्रत्येक विद्यालय के लिए पांच पांच लाख रूपये की राशि स्वीकृति शासन द्वारा प्राप्त हुई हैं जिसके निर्माण एजेंसी ग्राम पंचायत होंगे

टेंडर में अनियमितता का आरोप, स्वाधीन जैन ने मंत्री साव को सौंपा शिकायती पत्र

विजय मत/दल्ली राजहरा

चिखलाकसा नगर पंचायत में गड़बड़ी का आरोप

प्रदेश भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के कार्यसमिति सदस्य स्वाधीन जैन ने उपमुख्यमंत्री एवं मंत्री नगरीय प्रशासन अरुण साव को शिकायती पत्र सौंपा है। पत्र में स्वाधीन जैन ने बालोद जिले की नगर पंचायत चिखलाकसा द्वारा 3 मार्च 2026 को जारी ई-प्रोक्योरमेंट प्रथम निविदा क्रमांक 186662, 186667 एवं 186655 में लगभग 3 घंटे 40 मिनट का अंतर होने का आरोप लगाया है।

> **स्वाधीन जैन की मांग**
>
> *स्वाधीन जैन ने मांग की है कि मामले की आवश्यक जांच कराकर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाए। जांच में यह सुनिश्चित किया जाए कि सरकारी निविदा प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता बनाए रखी जाएगी की नहीं?*

श्री जैन ने कहा है कि नियमों के अनुसार निविदा सूचना में दिया गया समय और पोर्टल का समय एक समान होना चाहिए, लेकिन नगर पंचायत चिखलाकसा के ई- प्रोक्योरमेंट टेंडर में लगभग 3 घंटे 40 मिनट का अंतर है। यह अंतर न केवल नियमों का उल्लंघन है, बल्कि इससे निविदा प्रक्रिया की पारदर्शिता पर भी सवाल उठता है। श्री जैन ने कहा है कि छत्तीसगढ़ लोक निर्माण विभाग के मैन्युअल के अनुसार, निविदा की समय-सीमा में किसी भी बदलाव या विसंगति के लिए शुद्धि पत्र जारी करना अनिवार्य है, लेकिन उक्त निकाय के द्वारा नहीं किया गया है।

बनियागांव में खाद्य अधिकारियों की 'बनियागिरी'!

विजय मत/बकावंड। विकासखंड में सुशासन सरकार खाद्य विभाग के माफियाओं को रोक पाने में असफल साबित हो रही है। चर्चा है कि खाद्य विभाग के ही कुछ अधिकारी राशन की कालाबाजारी को संरक्षण देकर बेखौफ चलवा रहे हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार शासकीय उचित मूल्य की राशन दुकानों के संचालक और फूड विभाग की मिलीभगत से अधिकृत राशन दुकान और उनके समकक्ष एक अन्य दुकानदार को खड़ा किया जा रहा है, जो खाद्य विभाग द्वारा जारी कोटे के राशन को अधिकारियों के हिसाब से ठिकाने लगा सकें। इसके लिए बाकायदा अधिकृत दुकानों के तय कोटे में कटौती कर उस दुकान के राशन को माफियाओं के हवाले किया जा रहा है। ऐसा ही एक मामला विकासखंड बकावंड की ग्राम पंचायत बनियागांव से सामने आया है। जहां एक राशन माफिया को सरकारी दुकान दिलाने का वादा करके उसके माध्यम से ग्रामीणों के हिस्से के चावल की अफरातफरी कराई जा रही है। कल ही इसी प्रकार का मामला सामने आया कि एक व्यक्ति के यहां एक पिकअप में चावल भर कर भेजा गया है, किंतु बात खुल जाने पर अब उसकी जांच कराए जाने की बात सामने आई है। कई ग्रामवासियों द्वारा लगातार शिकायत करने पर अब शायद जांच करने किसी विभागीय अधिकारी को भेजा जा रहा है। मगर गौर करने वाली बात तो यह है कि जब अपने ही कालाबाजारी करवा रहे हों तो क्या जांच और क्या कार्रवाई? मसला साफ है सब कुछ रफा दफा कर दिया जाएगा।

हनुमान जन्म जयंती : पुलिस अधीक्षक प्रफुल्ल ठाकुर परिवार के साथ दक्षिण मुखी हनुमान जी की पूजा अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया

विजय मत/सक्ती

नगर के विभिन्न हनुमान मंदिर में हनुमान जयंती के अवसर पर श्रद्धालुओं की लगी भीड़ पुलिस अधीक्षक प्रफुल्ल ठाकुर परिवार के साथ दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर में हनुमान जी का दर्शन कर हनुमान जी की पूजा अर्चना कर नगर सहित प्रदेशवासियों के लिए सुख समृद्धि का हनुमान जी से मांगा आशीर्वाद पुलिस अधीक्षक प्रफुल्ल ठाकुर ने कहा हर मानव को बल बुद्धि के दाता हनुमान जी की पूजा अर्चना करना चाहिए हनुमान जी शक्ति, भक्ति, साहस और नि:स्वार्थ सेवा के प्रतीक है। हनुमान को संकटमोचन माना जाता है, हनुमान जी की पूजा करने से मनुष्य के सभी बाधा दूर होती है भगवान राम के प्रति हनुमान जी की अटूट भक्ति और समर्पण की याद दिलाता है। हनुमान जी के गुणों को अपने जीवन में अपनाने का प्रयास करें हनुमान जी

को अमर माना जाता है, इसलिए इस दिन को जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है।

हनुमान जी को सिंदूर, चमेली का तेल, और लाल फूल अर्पित कर हनुमान चालीसा, सुंदरकांड का पाठ करना चाहिए हमें बुद्धि और शक्ति का उपयोग हमेशा सेवा और धर्म देश की रक्षा के लिए किया जाना चाहिए, पुलिस अधीक्षक प्रफुल्ल ठाकुर ने परिवार के साथ महा आरती पूजा कर भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया

पुलिस अधीक्षक के साथ नगर पालिका अध्यक्ष श्याम सुंदर अग्रवाल राहुल अग्रवाल, रमेश अग्रवाल, राजू अग्रवाल नगर पालिका उपाध्यक्ष भरत यादव, संजू कश्यप, मनोज सोनी,अमन डालमिया, अनिल शर्मा, पीटूं यादव , गोबिंद देवांगन सहित नगर के प्रमण्य नागरिक पदाधिकारी उपस्थित है।

खैरगुड़ा में सीसी सड़क का भूमिपूजन ग्रामीणों में खुशी की लहर

विजय मत/बकावंड। विकासखंड बस्तर की ग्राम पंचायत कुंडगुड़ा

मधोता-2 में 15वें वित्त आयोग मद से स्वीकृत 4.24 लाख रुपए की लागत वाली 150 मीटर लंबी सीसी सड़क का भूमिपूजन किया गया। इस अवसर पर ग्राम पुजारी कामेश मांझी, सरपंच ईस्पर मंडावी और जिला पंचायत सदस्य शंकुतला कश्यप मुख्य रूप से उपस्थित थे। भूमिपूजन समारोह में मंडल अध्यक्ष सुखदेव मंडावी, नड़गू नाग, मनोज कुमार, सुरेश, नंदो, तुला, सुखराम, उर्धेश्वर ठाकुर, श्यामलाल सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण जन शामिल हुए। इस सड़क के निर्माण से क्षेत्र के लोगों को आवागमन में सुविधा होगी, जिससे उनका जीवन आसान बनेगा। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने सड़क निर्माण के लिए विष्णु देव सरकार का आभार व्यक्त किया और विकास कार्यों में और तेजी लाने की मांग की। सरपंच ईस्पर मंडावी ने कहा कि ग्रामीणों का जीवन आसान बनाने के लिए भाजपा सरकार प्रतिबद्ध है। इस सड़क के निर्माण से हमारे गांव का विकास होगा और लोगों को आवागमन में सुविधा होगी।जिला पंचायत सदस्य शंकुतला कश्यप ने कहा कि यह सड़क ग्रामीणों के लिए वरदान साबित होगी। भाजपा सरकार गांवों के विकास के लिए लगातार काम कर रही है और इस दिशा में और तेजी लाई जाएगी।

399 जवानों के बलिदान से नक्सलमुक्त हुआ सुकमा

विक्रम कौशल

जगदलपुर। बस्तर यूं ही नक्सलमुक्त नहीं हुआ है। इसके लिए हमारे जवानों ने बड़ी कुर्बानियां दी हैं। बस्तर क्षेत्र वर्ष 1980 के दशक से माओवाद के आतंक एवं हिंसक घटनाओं से प्रभावित रहा है। दशकों तक माओवादी हिंसा ने क्षेत्र के विकास, शांति एवं सामान्य जनजीवन को बंधक बना लिया था। परंतु सुरक्षा बलों के अदम्य साहस, कर्तव्यनिष्ठा एवं सर्वोच्च बलिदान और सरकारों की दृढ़ इच्छाशक्ति के परिणाम स्वरूप सुकमा जिला और बस्तर ने इतिहास रचते हुए नक्सल मुक्त सुकमा, नक्सल मुक्त बस्तर के संकल्प को डेड लाइन 31 मार्च 2026 के अंतिम क्षणों आख़िरकार पूर्ण कर ही लिया।

बस्तर का सर्वाधिक नक्सल प्रभावित जिला सुकमा भी अब नक्सल मुक्त हो गया है। इसके पीछे उन जवानों का सर्वोच्च बलिदान निहित है जो अपना घर परिवार छोड़कर बस्तर और छत्तीसगढ़ की माटी की सेवा

> **31 मार्च 2026 को पूरा हुआ ऐतिहासिक संकल्प**
>
> **डीआरजी, डीईएफ, एसटीएफ, कोबरा और सीआरपीएफ के जवानों ने दी है शहादत**

करने आए थे। कुल 399 जवानों ने अपने प्राणों की आहूति देकर सुकमा को नक्सलमुक्त बनाने में बड़ा योगदान दिया है। इन वीर जवानों का बस्तर सदैव ऋणी रहेगा। सुकमा जिले में शांति, सुरक्षा एवं विकास स्थापित करने के इस लंबे संघर्ष में सुरक्षा बलों ने कठिन भौगोलिक परिस्थितियों, लगातार माओवादी हमलों, घात लगाकर किए गए आक्रमणों एवं आईईडी विस्फोटों का डटकर सामना किया। इस संघर्ष के दौरान विभिन्न माओवादी घटनाओं में डीआरजी, डीईएफ, एसटीएफ, कोबरा और सीआरपीएफ के 399 वीर जवानों ने सर्वोच्च बलिदान दिया तथा लगभग 547 जवान घायल हुए। इन वीर सपूतों के त्याग, समर्पण एवं अदम्य साहस ने आज सुकमा को भयमुक्त और विकास की राह पर अग्रसर किया है। आज जिन क्षेत्रों में कभी माओवादी हिंसा का प्रभाव था, वहां अब सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, संचार, प्रशासनिक सेवाएं एवं विकास के नए आयाम स्थापित हो रहे हैं। यह उपलब्धि केवल सुरक्षा की सफलता नहीं, बल्कि उन अमर शहीदों की प्रेरक गाथा है, जिन्होंने देश की एकता, अखंडता एवं आम नागरिकों की सुरक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया।

सुकमा जिला पुलिस ने सभी अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की है तथा उनके परिजनों के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की है। शहीदों का बलिदान सदैव प्रेरणा देता रहेगा और सुरक्षित, शांत एवं विकसित सुकमा ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी। सन 1980 से 31 मार्च 2026 तक सुकमा जिले में कुल 469 मुठभेड़ें और 142 आईईडी ब्लास्ट घटनाएं हुई। इनमें कुल 399 जवान शहीद हुए तथा 550 जवान घायल हुए।

पहले ही दिन 411 प्रकरणों का मौके पर किया गया निराकरण

राजस्व पखवाड़ा से आमजनों के समस्याओं का हो रहा त्वरित समाधान

आनन्द मिश्रा

विजय मत/बलरामपुर। राज्य शासन के निर्देशानुसार जिले में राजस्व संबंधी समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए 1 अप्रैल 2026 से राजस्व पखवाड़ा का शुभारंभ किया गया है जिले में कलेक्टर श्री राजेंद्र कटारा के मार्गदर्शन में जिले के तहसीलों के ग्रामों में निर्धारित तिथियों के अनुसार राजस्व पखवाड़ा आयोजित किया जा रहा है। जहां अविवादित नामांतरण, खाता विभाजन जैसे मामलों का मौके पर ही समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है।

कलेक्टर के मार्गदर्शन में राजस्व पखवाड़ा के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु ग्रामों में मुनादी कर आमजनों को राजस्व पखवाड़ा की जानकारी दी गई, जिससे बड़ी संख्या में ग्रामीण

शिविर स्थलों पर पहुंच कर राजस्व समस्याएं संबंधित आवेदन दे रहे है।

राजस्व पखवाड़ा के प्रथम दिवस तहसील बलरामपुर, डौरा-कोचली, राजपुर, शंकरगढ़, कुसमी, सामरी, चांदो, रामानजुगंज, रामचंद्रपुर, वाड्रफनगर, रघुनाथनगर एवं चलगली के अंतर्गत ग्रामों में शिविर आयोजित किया गया। शिविरों में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी समस्याएं संबंधित आवेदन दिया। जहां कुल 725 आवेदन प्राप्त हुए, जिसमें से 411 आवेदनों का शीघ्र निराकरण किया गया। शेष 314 आवेदनों का शीघ्र निराकरण किया जाएगा।

शिविर में पहले दिन ग्रामीणों के द्वारा विभिन्न आवेदन प्रस्तुत किए जिसके अंतर्गत अविवादित नामांतरण 163, अविवादित बंटवारा 19, विवादित नामांतरण 6, विवादित बंटवारा 2, किसान किताब 19, सीमांकन के 15, त्रुटि सुधार के 27, नक्शा बटांकन के 13, आरबीसी 6-4 के 2, आय प्रमाण पत्र के 113, जाति प्रमाण पत्र के 102, निवास के 112, जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र 28, अन्य संबंधित 104 आवेदन प्राप्त हुए। जिनमें से अधिकांश आवेदनों का शिविर स्थल पर ही निराकरण किया गया।

राजस्व पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित पखवाड़े से आमजनों को काफी राहत मिल रही है। उन्हें अब छोटे-छोटे राजस्व कार्यों के लिए चक्कर नहीं लगाने पड़ रहे हैं, बल्कि एक ही स्थान पर उनकी समस्याओं का समाधान किया जा रहा है।

तेज रफ्तार ट्रेलर पेड़ से टकराया धू-धू कर जल उठा वाहन

विजय मत/बलरामपुर। जिला मुख्यालय एनएच-343 राष्ट्रीय राजमार्ग पर डूमरखी बैरियर के समीप आज लगभग तीन बजे एक बड़ा हादसा हो गया जहां एक तेज रफ्तार खाली ट्रेलर वाहन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे सरई के पेड़ से जा टकराया। टक्कर इतनी भीषण थी कि कुछ ही पलों में पूरा ट्रेलर आग की लपटों में घिर गया।प्राप्त जानकारी के अनुसार बलरामपुर सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत डूमरखी बैरियर के समीप बलरामपुर से अंबिकापुर की ओर जा रहा था तभी अचानक नियंत्रण खोने से वाहन पेड़ से टकरा गया और देखते ही देखते उसमें आग लग गई। घटना की सूचना मिलते ही दमकल की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।बताया जा रहा है कि हादसे के बाद चालक मौके से फरार हो गया

सीएम साय ने दी बस्तर को स्वास्थ्य सेवा की बड़ी सौगात

विधायक किरण सिंह देव के प्रयासों से मिली 15 नई संजीवनी एक्सप्रेस

विजय मत/जगदलपुर

बस्तर के निवासियों को स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में अब बड़ी सहूलियत होगी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व वाली सुशासन सरकार ने क्षेत्र की चिकित्सा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए 15 नई 108 संजीवनी एक्सप्रेस एम्बुलेंस समर्पित की हैं। राज्य शासन की इस महत्वपूर्ण पहल के तहत 1 अप्रैल से नवीन संस्था के माध्यम से इन एंबुलेंस सेवाओं का संचालन शुरू कर दिया गया है।

मुख्यमंत्री के विजन के अनुरूप अब बस्तर के दूरस्थ और दुर्गम ग्रामीण अंचलों तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं समय पर पहुंच सकेंगी, जिससे मरीजों को सुरक्षित और त्वरित अस्पताल पहुंच की सुविधा मिलेगी। स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के अनुसार इन 15 आधुनिक एंबुलेंसों को जिले के विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों पर तैनात किया गया है। इन अस्पतालों में जिला महारानी अस्पताल सहित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बकावंड, भानपुरी, तोकापाल, बास्तानार, लोहंडीगुड़ा, दरभा, शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नगरनार एवं हितामेटा शामिल हैं। इसके साथ ही मेडिकल कॉलेज डिमरापाल और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लोहंडीगुड़ा में नई एडवांस्ड लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस भी प्रदान की गई है।

मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सेवा से गांव-शहर की दूरी हुई कम, सुदृढ़ परिवहन व्यवस्था से सफर हुआ आसान

विजय मत/बलरामपुर। मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सेवा योजना ने ग्रामीण अंचलों में परिवहन व्यवस्था को एक नई दिशा दी है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में संचालित बस सेवा योजना अंतर्गत दूरस्थ और दुर्गम गांवों को जिला एवं विकासखंड मुख्यालय से जोड़ने वाली 4 नई बस सेवाओं की शुरुआत की गई है। पहले की स्थिति में कई गांव ऐसे थे जहाँ नियमित परिवहन सुविधा उपलब्ध नहीं थी। विद्यार्थियों को पढ़ाई के लिए लंबी दूरी, पैदल या महंगे निजी साधनों से तय करनी पड़ती थी। किसानों और व्यापारियों को अपने उत्पाद बाजार तक पहुंचाने में कठिनाई होती थी। लेकिन बस सेवाओं के संचालन से ग्रामीणों को सुरक्षित, सुलभ परिवहन सुविधा मिल रही है। विद्यार्थी अब समय पर स्कूल और कॉलेज पहुंच पा रहे हैं। किसान अपनी उपज सीधे बाजार तक ले जा पा रहे हैं। श्रमिकों और व्यापारियों के लिए रोजगार के अवसर बढ़े हैं। राजपुर, रामानुजगंज, शंकरगढ़, वाड्रफनगर के अनेक गांव अब सीधे बस सेवा से जुड़ गए हैं। इससे ग्रामीणों के समय की बचत हो रही है ।रामानुजगंज से मर्मा जा रही नगोई बाई अपने पुराने दिनों को साझा करते हुए बताती है कि पहले कही जाने के लिए कई किलोमीटर पैदल चलना पड़ता था या महंगे साधन लेना पड़ता था। अब बस सेवा से परिवहन करना आसान हो गया है।

स्वामी आत्मानंद संविदा शिक्षकों एवं कर्मचारियों के हित में डॉ. रमन सिंह ने शिक्षा मंत्री को लिखी चिट्ठी

संघ की मांगों पर सकारात्मक पहल

विजय मत/जगदलपुर। छत्तीसगढ़ स्वामी आत्मानंद संविदा शिक्षक एवं कर्मचारी संघ द्वारा अपनी लंबित मांगों को लेकर निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में संघ के कार्यकारिणी सदस्य डॉ. निरंजन ठाकुर के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल ने विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह के समक्ष संघ की विभिन्न समस्याओं एवं मांगों को प्रस्तुत किया। संघ के इस प्रयास का सकारात्मक परिणाम सामने आया है। डॉ. रमन सिंह द्वारा स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव को आधिकारिक पत्र प्रेषित किया गया है, जिसमें संघ की सभी मांगों पर नियमानुसार विचार कर उचित कार्यवाही करने कहा गया है।

यह पहल इस बात का प्रमाण है कि संघ द्वारा अपनाया गया मार्ग सही दिशा में है और संघ की आवाज शासन एवं प्रशासन तक प्रभावी रूप से पहुंच रही है। संघ ने सभी शिक्षकों से आह्वान किया है कि एकजुटता बनाए रखें और जिन जिलों में अभी तक ज्ञापन प्रस्तुत नहीं किया गया है, वहां शीघ्रता से यह कार्य पूर्ण करें, ताकि आगामी निर्णयों की दिशा में ठोस कदम उठाए जा सके ।प्रदेश अध्यक्ष दुर्योधन यादव ने कहा कि यह हमारे संघ की एकजुटता और निरंतर प्रयासों का परिणाम है कि हमारी आवाज विधानसभा तक पहुंची है। यह केवल शुरुआत है, हमें अपने लक्ष्य की प्राप्ति तक इसी प्रकार संगठित और सक्रिय रहना होगा। सभी साथियों से अपील है कि वे हिम्मत न हारें और संगठन को और मजबूत करें, निश्चित ही हम अपनी सभी जायज मांगों को पूरा कराने में सफल होंगे। प्रदेश मीडिया प्रभारी राहुल कुमार पांडेय ने कहा कि संघ द्वारा उठाए गए मुद्दे पूरी तरह से न्यायसंगत हैं और अब शासन स्तर पर इन पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है।

डॉ. रमन सिंह कर रहे हैं अमित शाह की चाटुकारिता : दीपक बैज

विजय मत/जगदलपुर

सरदार पटेल से अमित शाह की तुलना करना शर्मनाक : बैज

शाह को लिखे रमन सिंह के पत्र पर की पीसीसी चीफ की कड़ी प्रतिक्रिया

विजय मत/जगदलपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि विधानसभा अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह इन दिनों केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की चाटुकारिता में मगन हैं। चाटुकारिता का आलम यह है अमित शाह की तुलना वे लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल से कर रहे हैं, यह शर्मनाक और सरदार पटेल का अपमान है।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह द्वारा केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को लिखे गए पत्र के संदर्भ में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने दी है। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह का केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को पत्र लिखना पूर्णतः चाटुकारिता को दर्शाता है। रमन सिंह के मुख्यमंत्रित्व के दौरान नक्सलवाद तीन ब्लॉकों से निकल कर 14 जिलों तक फैल गया, और वे बेशर्मी पूर्वक तत्कालीन केंद्र सरकार को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। श्री बैज ने डॉ. रमन सिंह पर तंज कसते हुए कहा कि केपीएस गिल को %वेतन लो, मौज करो% की सलाह देने वाले डॉ. रमन सिंह ये बताएं कि उनके कार्यकाल में हुए झीरम घाटी नरसंहार का जिम्मेदार कौन है? पीसीसी चीफ ने दीपक बैज ने रमन सिंह द्वारा अमित शाह की तुलना सरदार वल्लभ भाई पटेल से की जाने पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा- कहां सरदार पटेल और कहां अमित शाह? सरदार पटेल ने लोकतंत्र को मजबूत किया, देश की एकता के लिए काम किया था। वहीं अमित शाह विपक्ष को डराने और लोकतंत्र की हत्या करने पर आमादा हैं। सरदार पटेल और अमित शाह में जमीन आसमान का अंतर है। श्री बैज ने कहा कि ?सी तुलना करके डॉ. रमन सिंह ने सरदार पटेल का अपमान किया है। दीपक बैज ने यह भी कहा कि अपने पत्र में रमन सिंह द्वारा छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री के नाम का जिक्र न करना भाजपा नेताओं की गुटबाजी की ओर इंगित करता है।

छंट गया बस्तर में छाया अंधियारा, अब तेजी से फैलेगी विकास की किरणें : यशवंत जैन

विजय मत/जगदलपुर

जगदलपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री और स्तर संभाग प्रभारी यशवंत जैन आज जगदलपुर पहुंचे। नक्सल मुक्त बस्तर में उनका यह प्रथम आगमन था। इस दौरान उन्होंने इस संवाददाता ने उनसे खास बातचीत की।

बस्तर के नक्सलमुक्त होने पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा नेता यशवंत जैन ने कहा कि बस्तर अब बुरे सपने और रक्तपात की विभीषिका के दौर से बाहर निकल आया है। आजादी के बाद से उपेक्षित रहे बस्तर संभाग के लोग चार दशक तक माओवाद का दंश झेलते रहे हैं। इस अमानवीय माओवाद ने बस्तर के विकास पर विराम लगा दिया था। हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं राज्य के गृहमंत्री विजय शर्मा की दृढ़ इच्छाशक्ति और पुलिस एवं सुरक्षा बलों की जांबाजी से हमारा बस्तर नक्सलमुक्त हुआ है। नक्सल विरोधी अभियानों के दौरान शहीद हुए जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए प्रदेश भाजपा महामंत्री एवं बस्तर संभाग प्रभारी यशवंत जैन ने कहा वीर जवानों के बलिदान को बस्तरवासी कभी नहीं भूल पाएंगे। श्री जैन ने कहा कि जिस तरह हमारी भारत माता को अंग्रेजों की दासता से मुक्त कराने के लिए स्वतंत्रता संग्राम के योद्धाओं ने अपने प्राणों की आहूतियां दी थीं, वैसा बड़ा बलिदान हमारे सुरक्षा जवानों और अधिकारियों ने बस्तर को नक्सलियों के चंगुल से छुड़ाने के लिए दिया है। उनका बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। श्री जैन ने कहा कि अब बस्तर विकास के पथ पर और तेजी से दौड़ेगा। केंद्र एवं राज्य सरकारों की जनकल्याणकारी योजनाएं बस्तर के अंतिम छोर के गांव के अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक भी पहुंचेगी। यशवंत जैन ने कहा कि नक्सलवाद के कारण बस्तर का विकास अवरुद्ध हो गया था। केंद्र और राज्य में भाजपा की सरकारें आने के बाद बस्तर विकास पथ पर अग्रसर हुआ है। बस्तर के अंदरूनी गांवों तक भी सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा, चिकित्सा, संचार सेवा आदि की पहुंच बढ़ी है। श्री जैन ने कहा कि नक्सलमुक्त होने के बाद बस्तर अब विकास के नए आयाम को छुएगा। यशवंत जैन ने कहा कि मोदी जी की सरकार और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी की छत्तीसगढ़ सरकार ने बस्तर के विकास का रोड मैप तैयार कर रखा है। आने वाले दिनों ने बस्तर विकास का स्वर्णिम इतिहास रचेगा, देश दुनिया में अलग पहचान बनाएगा। बस्तर में छाया माओवाद का अंधियारा छंट चुका है, अब यहां विकास की आभा दामकेगी।

परिवहन एवं यातायात विभाग की पहल से अब कंडक्टर लाइसेंस बनाना हुआ आसान

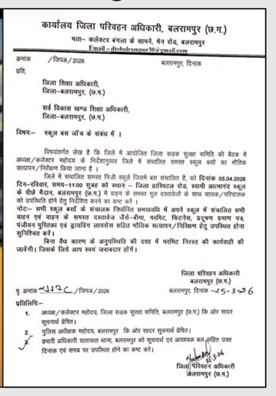

कार्यालय जिला परिवहन अधिकारी, बलरामपुर (छ.ग.)
पता- कलेक्टर बंगला के सामने, मेन रोड, बलरामपुर
Email - dtobalrampur30@gmail.com

क्रमांक /जिपअ/2026 बलरामपुर, दिनांक

प्रति,

जिला शिक्षा अधिकारी,
जिला-बलरामपुर, (छ.ग.)

सर्व विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी,
जिला-बलरामपुर, (छ.ग.)

विषयः- स्कूल बस जॉच के संबंध में ।

विषयांतर्गत लेख है कि जिले में आयोजित जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में अध्यक्ष/कलेक्टर महोदय के निर्देशानुसार जिले में संचालित समस्त स्कूल बसों का भौतिक सत्यापन/निरीक्षण किया जाना है ।

जिले में संचालित समस्त निजी स्कूले जिसमें बस संचालित है, को दिनांक 05.04.2026 दिन-रविवार, समय-11:00 सुबह को स्थान - जिला हास्पिटल रोड, स्वामी आत्मानंद स्कूल के पीछे मैदान, बलरामपुर (छ.ग.) मे वाहन के समस्त मूल दस्तावेजों के साथ चालक/परिचालक को उपस्थिति होने हेतु निर्देशित करने का कष्ट करें ।

नोटः- सभी स्कूल बसों के संचालक निर्धारित समयावधि में अपने स्कूल में संचालित सभी वाहन एवं वाहन के समस्त दस्तावेज जैसे-बीमा, परमिट, फिटनेस, प्रदूषण प्रमाण पत्र, पंजीयन पुस्तिका एवं ड्रायविंग लायसेंस सहित भौतिक सत्यापन/निरिक्षण हेतु उपस्थित होना सुनिश्चित करें।

बिना वैध कारण के अनुपस्थिति की दशा में परमिट निरस्त की कार्यवाही की जावेगी। जिसके लिये आप स्वयं जवाबदार होंगे।

जिला परिवहन अधिकारी
बलरामपुर (छ.ग.)

पृ. क्रमांक 2178/जिपअ/2026 बलरामपुर, दिनांक -25-3-26

प्रतिलिपिः-
1. अध्यक्ष/कलेक्टर महोदय, जिला सड़क सुरक्षा समिति, बलरामपुर (छ.ग.) कि ओर सादर सूचनार्थ प्रेषित।
2. पुलिस अधीक्षक महोदय, बलरामपुर कि ओर सादर सूचनार्थ प्रेषित।
3. प्रभारी अधिकारी यातायात थाना, बलरामपुर को सूचनार्थ एवं आवश्यक बल सहित उक्त दिनांक एवं समय पर उपस्थित होने का कष्ट करें।

25.3.26
जिला परिवहन अधिकारी
बलरामपुर (छ.ग.)

आनन्द मिश्रा

दिनांक 05-04-26 को स्कूली बसो की चेकिंग के साथ कंडक्टर लाइसेंस हेतु जरूरी फर्स्ट ऐड किट प्रमाण पत्र हेतु किया गया शिविर का आयोजन'

विजय मत। शिक्षा सत्र प्रारम्भ होने से पूर्व जिले में संचालित होने वाले बसों की चेकिंग , अब कंडक्टर लाइसेंस बनाने हेतु की गई सार्थक पहल मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि जिला बलरामपुर रामानुजगंज अंतर्गत स्कूल बसों के उचित व नियमानुसार संचालन हेतु कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी जिला बलरामपुर रामानुजगंज एवं पुलिस अधीक्षक जिला बलरामपुर रामानुजगंज के निर्देषानुसार मोटर यान अधिनियम की धारा 29 के तहत् किसी भी मंजिली गाड़ी के कंडक्टर के रूप में कार्य करने हेतु कंडक्टर अनुज्ञप्ति की आवष्यकता है। सभी मंजिली वाहन परिचालकों के पास कंडक्टरी लायसेंस होना अनिवार्य है। जिसके परिपालन में दिनांक 05.04.2026 को परिवहन विभाग एवं यातायात पुलिस बलरामपुर द्वारा संयुक्त रूप जिला अस्पताल रोड़ स्वामी आत्मानन्द स्कूल के पीछे मैदान बलरामपुर में षिविर का आयोजन किया जा रहा है जिसमें इकाई के समस्त स्कूलों में चलने वाली स्कूल बस के ड्रायवर व कंडक्टर को निम्नलिखित दस्तावेज लेकर अनिवार्य रूप उपस्थित होना है।

1. आयु प्रमाण पत्र ;अठारह वर्ष की आयु से कम नहीं होना चाहिए.

2. सिविल सर्जन या जिला स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा जारी प्रथमोपचार प्रमाण पत्र। जो की फर्स्ट ऐड किट के प्रशिक्षण उपरांत दिया जाएगा ।

3. नियम 27 ख प्रारूप संलग्न है।

4. चिकित्सा प्रमाण पत्र प्रारूप 1 में।

5. जिला पुलिस अधीक्षक द्वारा जारी चरित्र प्रमाण पत्र।

6. नियम 40 में निर्धारित विहत शुल्क।

7. शैक्षणिक अर्हता न्यूनतम आठ्वी पास

8. एक पासपोर्ट साईज का फोटो।

नोट:. सभी स्कूल बसों के संचालक निर्धारित समयावधि में अपने स्कूल में संचालित सभी वाहन एवं वाहन के समस्त दस्तावेज जैसे बीमा, परमिट, फिटनेस, प्रदूषण प्रमाण पत्र । सभी दस्तावेज साथ रखें।

उपरोक्तानुसार स्कूली बसों की चेकिंग के साथ ही उक्त तिथि 05-04-26 को ही यात्री / स्कूली बसों के परिचालक (कंडक्टर) के लाइसेंस हेतु जरूरी फर्स्ट ऐड किट का प्रशिक्षण एवं निःशुल्क नेत्र एवं स्वास्थ्य परीक्षण भी जिला अस्पताल बलरामपुर के चिकित्सक द्वारा किया जाएगा।

बस्तर में कांग्रेस का बड़ा प्रदर्शन, हजारों लोगों ने घेरा कलेक्ट्रेट

विजय मत/जगदलपुर

बस्तर जिले की विभिन्न जनसमस्याओं को लेकर कांग्रेस पार्टी द्वारा विशाल प्रदर्शन किया गया। बस्तर विधायक एवं उपनेता प्रतिपक्ष लखेश्वर बघेल के नेतृत्व में हजारों ग्रामीणों, कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं जनप्रतिनिधियों ने कलेक्टर कार्यालय का घेराव किया और राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा।

यह आंदोलन बस्तर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत करपावंड ब्लॉक के अंतिम ग्राम पंचायत चारगांव से 30 मार्च को प्रारंभ हुई 100 किलोमीटर लंबी न्याय पदयात्रा का हिस्सा था। पदयात्रा तीसरे दिन 1 अप्रैल को जगदलपुर पहुंची। पदयात्रा के माध्यम से क्षेत्र की प्रमुख समस्याओं को उठाते हुए प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया गया।ज्ञापन में जल जीवन मिशन के तहत अधूरी पड़ी योजनाओं का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया। बताया गया है कि पेयजल की भारी समस्या बनी हुई है तथा स्वीकृत कार्यों का भुगतान नहीं होने से निर्माण कार्य ठप पड़े हैं।इसके साथ ही वन अधिकार अधिनियम 2006 के अंतर्गत पात्र ग्रामीणों को वनाधिकार पत्र नहीं मिलने और पहले से दिए गए पट्टों को निरस्त किए जाने की शिकायत भी की गई है। इससे ग्रामीणों के सामने विस्थापन का खतरा उत्पन्न हो गया है। किसानों की समस्याओं को भी गंभीरता से उठाया गया है। धान खरीदी में अनियमितता, टोकन वितरण में देरी और समर्थन मूल्य का लाभ नहीं मिलने से किसान आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। ज्ञापन में बस्तर में उच्च न्यायालय की खंडपीठ स्थापित करने की मांग भी रखी गई, ताकि आम लोगों को न्याय पाने में हो रही कठिनाइयों को दूर किया जा सके। स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने और लंबित भर्तियों को शीघ्र प्रारंभ करने की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई। इस अवसर पर विधायक लखेश्वर बघेल ने कहा कि ज्ञापन में जनता की मूलभूत समस्याओं को विस्तार से रखा गया है और सरकार हर मोर्चे पर विफल रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो कांग्रेस पार्टी व्यापक जन आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी। कार्यक्रम में पूर्व विधायक रेखचंद जैन, राजमन बेंजाम, चंदन कश्यप सहित जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी, ब्लॉक अध्यक्ष, युवा कांग्रेस, एनएसयूआई, आदिवासी कांग्रेस, किसान कांग्रेस, महिला कांग्रेस एवं हजारों की संख्या में क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे।प्रतिनिधि मंडल ने प्रशासन से मांग की है कि सभी समस्याओं का शीघ्र समाधान किया जाए, अन्यथा व्यापक आंदोलन किया जाएगा।

बस्तर में कांग्रेस का बड़ा प्रदर्शन, हजारों लोगों ने घेरा कलेक्ट्रेट

अवैध शराब के साथ आरोपी निर्मल साहू गिरफ्तार

आरोपी के कब्जे से 35 नग देशी प्लेन शराब सवा शेरा कीमती 2800/- रूपये बरामद

विजय मत/डोंगरगाँव। थाना डोंगरगांव की टीम को सूचना प्राप्त हुई कि, एक व्यक्ति अपने भोजनालय मे अवैध रूप से अधिक मात्रा मे शराब रखकर बिक्री कर रहा हैं।

अवैध शराब बिक्री पर सख्ती से अंकुश लगाने पुलिस अधीक्षक महोदय राजनांदगांव सुश्री अंकिता शर्मा, के द्वारा अवैध रूप से शराब बिक्री/परिवहन पर कडी कार्यवाही करने का निर्देश दिया गया है। श्रीमान अति पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर व नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमती मंजूलता बाज के मार्गदर्शन में सूचना पर तत्काल कार्यवाही करते हुए थाना डोंगरगांव पुलिस द्वारा प्रशिक्षु आईपीएस आदित्य कुमार एवं निरीक्षक आशीर्वाद राहटगांवकर के नेतृत्व में टीम गठित कर मुखबीर द्वारा बताये व्यक्ति की पतासाजी करते हुये व्यक्ति को साहू भोजनालय अमलीडीह-टोलागांव में चिन्हांकित कर पूछताछ करने पर व्यक्ति ने अपना नाम निर्मल साहू, निवासी मुंजालपाथर्री, थाना गैंदाटोला हाल पता एबीस फैक्ट्री के सामने ग्राम अमलीडीह-टोलागांव का होना बताया। टीम के सदस्यों द्वारा उसके पास रखें भुरा रंग की थैला की तलाशी लेने पर शराब रखा होना पाया गया।

आरोपी निर्मल साहू पिता भूषण साहू उम्र 35 साल निवासी मुंजालपाथर्री, थाना गैंदाटोला हाल पता एबीस फैक्ट्री के सामने ग्राम अमलीडीह-टोलागांव, थाना डोंगरगांव जिला राजनांदगांव (छ0ग0) के कब्जे से अवैध रूप से रखे 35 पौवा सवा शेरा देशी मदिरा प्लेन 6.300 वल्क लीटर किमती 2800/- रूपये एवं शराब बिक्री रकम 250 रूपये कुल जुमला 3050/- रूपये जप्त कर आरोपी के विरूद्ध अपराध क्रमांक 97/2026 धारा 34(2) आबकारी एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर कार्यवाही किया गया है।

थाना डोंगरगांव द्वारा ये कार्यवाही लगातार जारी है। इस कार्यवाही में प्रशिक्षु आईपीएस आदित्य कुमार, थाना प्रभारी डोंगरगांव, निरीक्षक आशीर्वाद राहटगांवकर, सउनि0 देवकुमार रावटे, आरक्षक बीसराम वर्मा, अजमेर खान, म0आर0 अभिलाषा सिंह ठाकुर।

राज्य टीकाकरण अधिकारी डॉ. भगत ने गांवों जाकर देखी स्वास्थ्य कार्यक्रमों की जमीनी हकीकत

डॉ. वीआर भगत और जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. सी. मैत्री ने बच्चों को पिलाई विटामिन ए सिरप

विजय मत/जगदलपुर। संचालनालय स्वास्थ्य सेवाएं रायपुर से आए राज्य टीकाकरण अधिकारी डॉ. वीआर भगत ने जमीनी स्तर पर चल रही स्वास्थ्य सेवाओं, विशेषकर टीकाकरण की स्थिति का गांवों में जाकर जायजा लेने के उद्देश्य से उप स्वास्थ्य केंद्र परपा के अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्र पुजारीपारा, बिरींगपाल में आयोजित शिशु संरक्षण माह का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान डॉ. भगत ने बच्चों को विटामिन ए की खुराक पिलाई। उन्होंने एएनएम एवं आरएचओ से दी जा रही सेवाओं के बारे में जानकारी ली। आयरन सिरप, विटामिन %ए% तथा वीएचएसएनडी ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण दिवस में दी जाने वाली सेवाओं की भी विस्तृत जानकारी ली। डॉ. भगत ने 7 अप्रैल से शुरू हो रहे स्वस्थ बस्तर अभियान के अंतर्गत यूनिवर्सल हेल्थ स्क्रीनिंग की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि इस कार्यक्रम में क्षेत्र की संपूर्ण आबादी की स्वास्थ्य जांच सुनिश्चित की जाए। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. सी. मैत्री ने बताया कि वर्तमान में 17 मार्च से 21 अप्रैल तक शिशु संरक्षण माह मनाया जा रहा है। इस माह के दौरान 6 माह से 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को आयरन सिरप तथा 9 माह से 5 वर्ष तक के बच्चों को विटामिन ए की दवा दी जा रही है। इस अवसर पर राज्य से आए सलाहकार मुमताज अंसारी, सुपरवाइजर प्रशांत श्रीवास्तव, आरएचओ गोपेश शोम, रमशीला मरकाम, सुशीला तिवारी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता भुनेश्वरी पांडे, आंगनबाड़ी सहायिका डिगेश्वर कश्यप, मितानिन मनबती साहू एवं सोमारी कश्यप सहित लाभार्थी उपस्थित थे।

मेटल माईंस वर्कर्स यूनियन (INTUC), किरंदुल

सेवानिवृत्त सम्मान एवं विदाई समारोह गरिमामय वातावरण में संपन्न

विजय मत/किरंदुल

मेटल माईंस वर्कर्स यूनियन (इंटक), शाखा किरंदुल द्वारा आयोजित सेवानिवृत्त सम्मान एवं विदाई समारोह गांधी भवन (इंटक श्रमिक सदन) में अत्यंत गरिमामय, भावनात्मक एवं आत्मीय वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का आयोजन यूनियन अध्यक्ष श्री विनोद कश्यप एवं सचिव श्री ए. के. सिंह के मार्गदर्शन में प्रस्तावित था। अपरिहार्य कारण उनकी अनुपस्थिति के बावजूद, उनके दिशा-निर्देशन एवं प्रेरणा में श्री राकेश लाल, श्री दिलीप सिंह, श्री ओम कुमार साहू सहित यूनियन के सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों ने आयोजन को अत्यंत सुव्यवस्थित एवं गरिमामय ढंग से संपन्न किया।

समारोह में यूनियन के पदाधिकारीगण, कार्यकारिणी सदस्य, विभागीय प्रतिनिधि, श्रमिक साथी एवं सुरक्षा प्रहरी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे, जिससे कार्यक्रम की गरिमा और भी बढ़ गई।

इस अवसर पर यूनियन के तीन कर्मठ, अनुशासित एवं समर्पित साथियों— श्री विश्वेश्वर राव (मास्टर इलेक्ट्रिशियन, ग्रेड-II) श्री विरेंद्र कुमार राठौड़ (सीनियर रेडियोग्राफर, ग्रेड-I) श्री भुवनेश्वर कुमार देशमुख (मास्टर IIश्वरू मैकेनिक, ग्रेड-I) का भावभीनी विदाई एवं सम्मान किया गया।

कार्यक्रम के दौरान श्री राकेश लाल , श्री त्रिलोक बांदे , श्री बनता टंडी , श्री मृत्युंजय साहू था श्री श्री शैलेश रथ ने तीनों साथियों के उत्कृष्ट सेवाकाल, कर्तव्यनिष्ठा, ईमानदारी एवं संगठन के प्रति उनके अटूट समर्पण की मुक्तकंठ से सराहना की। उन्हें संगठन की अमूल्य धरोहर बताते हुए कहा गया—

ऐसे समर्पित कर्मयोगियों की सेवाएं ही किसी संस्था को ऊंचाइयों तक पहुंचाती हैं। उपस्थित सभी लोगों ने यह विश्वास व्यक्त किया कि सेवानिवृत्ति के पश्चात भी उनका अनुभव, मार्गदर्शन एवं प्रेरणा संगठन के लिए सदैव उपयोगी सिद्ध होगी।

कार्यक्रम का संचालन श्री देव नारायण द्वारा अत्यंत प्रभावशाली एवं सुव्यवस्थित ढंग से किया गया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन श्री जी रवि के द्वारा किया गया।

सम्मान स्वरूप तीनों सेवानिवृत्त साथियों को शॉल, गमछा टोपी एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सपरिवार सम्मानित किया गया। इस दौरान वातावरण भावुक हो उठा और उपस्थित सभी साथियों ने उनके स्वस्थ, सुखमय एवं उज्ज्वल भविष्य की हार्दिक कामना की।

यह गरिमामय आयोजन न केवल सम्मान का प्रतीक बना, बल्कि संगठन की एकजुटता, अनुशासन एवं गौरवशाली परंपरा का जीवंत उदाहरण भी प्रस्तुत करता है—यह दर्शाते हुए कि संगठन की मजबूती उसके प्रत्येक सदस्य की सक्रिय भागीदारी और समर्पण में निहित होती है।सेवा का अंत नहीं, एक नई शुरुआत होती है सेवानिवृत्ति जहाँ अनुभव बनता है मार्गदर्शन और स्मृतियाँ बनती हैं प्रेरणा।

फीफा विश्व कप की सभी 48 टीमों तय, 12 ग्रुप में बांटा गया, 4 पहली बार हिस्सा ले रहीं

मुंबई,एजेंसी

मेक्सिको । इसी साल जून में अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा में संयुक्त रुप से होने वाले फीफा विश्वकप फुटबॉल के लिए सभी 48 टीमें तय हो गयी है। मेक्सिको के मॉन्टेरी में खेले गए इंटरकॉन्टिनेंटल प्लेऑफ के साथ ही टीमों की घोषणा हो गयी है। करीब ढाई साल तक चली क्वालीफाइंग प्रक्रिया के बाद जहां इराक और बोस्निया ने विश्वकप के लिए जगह बनायी। वहीं चार बार की विजेता रही इटली प्रवेश हासिल नहीं कर पायी। केप वर्डे, कुराकाओ, जॉर्डन और उज्बेकिस्तान की टीम पहली बार विश्व कप में खेलेगी। इंटरकॉन्टिनेंटल प्लेऑफ में बोलीविया को 2-1 से हराकर इराक की टीम प्रवेश हासिल करने वाली 48 वहीं टीम बनी। वहीं पूर्व चैम्पियन इटली को बोस्निया और हर्जेगोविना ने पेनल्टी शूटआउट में हराकर बाहर कर दिया।यूरोपीय प्लेऑफ के जरिए स्वीडन ने पोलैंड को 3-2 से जबकि तुर्की ने कोसोवो को 1-0 से पराजित किया। चेक गणराज्य ने डेनमार्क को पेनल्टी शूटआउट में हराया। विश्वकप के लिए शामिल 48 टीमों को 4-4 के 12 ग्रुपों में बांटा गया है। हर ग्रुप की शीर्ष दो टीमों के साथ ही तीसरे स्थान पर रहने वाली आठ सर्वश्रेष्ठ टीमें राउंड ऑफ 32 में पहुंचेंगी। अभी तक ग्रुप राउंड के बाद सीधे राउंड ऑफ 16 होता था। अब विजेता बनने वाली टीम को पिछले विश्व कप के मुकाबले एक ज्यादा 8 मैच खेलना होगा। कुल 104 मैच इस विश्व कप में खेले जाएंगे।

ग्रुप ए- मेक्सिको, चेक गणराज्य, दक्षिण अफ्रीका, दक्षिण कोरिया।
ग्रुप बी:- कनाडा, बोस्निया और हर्जेगोविना, कतर, स्विट्जरलैंड।
ग्रुप सी:- ब्राजील, हैती, मोरक्को, स्कॉटलैंड।
ग्रुप डीः- संयुक्त राज्य अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, पैराग्वे, तुर्की।
ग्रुप ई:- कुराकाओ, इक्वाडोर, जर्मनी, आइवरी कोस्ट।
ग्रुप एफ:- नीदरलैंड, जापान, स्वीडन, ट्यूनीशिया।
ग्रुप जी:- बेल्जियम, मिस्र, ईरान, न्यूजीलैंड।
ग्रुप एच:- केप वर्डे, सऊदी अरब, स्पेन, उरुग्वे।
ग्रुप आई:- फ्रांस, नॉर्वे, सेनेगल, ईराक।
ग्रुप जे:- अल्जीरिया, अर्जेंटीना, ऑस्ट्रिया, जॉर्डन।
ग्रुप के:- कोलंबिया, जमैका।

फीफा ने विश्वकप फाइनल के लिए टिकटों की कीमतें बढ़ायीं

विश्व फुटबॉल की शीर्ष संस्था (फीफा) ने 11 जून से अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में होने वाले विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल के लिए सभी श्रेणी के टिकटों की कीमतें काफी बढ़ा दी हैं। अब खिताबी मुकाबला देखने के लिए दर्शकों को 10,990 अमेरिकी डॉलर में टिकट खरीदना होगा, भारतीय रुपये में ये रकम करीब 10 लाख 23 हजार है। वहीं इससे पहले दिसंबर में टूर्नामेंट के ड्रॉ के बाद श्रेणी एक के टिकट की कीमत 8,680 डॉलर ही थी। इस प्रकार कीमतों करीब दो हजार डॉलर तक बढ़ायी गयी है। इस प्रकार देखा जाये तो फाइनल की टिकटों की कीमतें अन्य मैचों से काफी अधिक बढ़ा दी गयी हैं। इस कारण मांग अधिक होना बताया जा रहा है। अब न्यू जर्सी में 19 जुलाई को होने वाले फाइनल मैच के लिए फीफा के श्रेणी दो के टिकटों की कीमत 7,380 डॉलर कर दी गई है, जो पहले 5,575 डॉलर थी। वहीं इसी तरह से श्रेणी तीन के टिकटों की कीमत 5,785 डॉलर कर दी गई है।

वरुण चक्रवर्ती के बचाव में उतरे मुख्य कोच अभिषेक नायर

कोलकाता । कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के मुख्य कोच अभिषेक नायर ने कहा है कि स्पिनर वरुण चक्रवर्ती के फॉर्म को लेकर वह परेशान नहीं है। कोच के अनुसार वरुण एक शीर्ष स्तर के गेंदबाज हैं जो जानते हैं कि इस प्रकार के हालातों से कैसे बाहर निकला जाये। वरुण इस सत्र में अब तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। नायर का कहना है कि वरुण मानसिक रूप से मजबूत है और इस कठिन समय से भी निकल जाएंगे। पने करियर के एक और मुश्किल दौर से उबरने में सक्षम है।

नायर ने कहा, पिछले कुछ साल में उसे कई बार परेशानियों मुश्किलों का सामना करना पड़ा है पर वह हमेशा ही बेहतर होकर निकला है। सहयोगी स्टाफ के तौर पर हम उसका समर्थन करते हैं। मुझे नहीं लगता कि कोई समस्या है। उन्होंने कहा, दूसरी टीमें उसके खिलाफ अच्छा खेल रही हैं।

इसका मतलब यह नहीं है कि वह वापसी नहीं कर सकता। उसे पहले भी इस प्राकर के हालातों का सामना करना पड़ा था। नायर ने कहा, और हम कोशिश कर रहे हैं, हम उम्मीद कर रहे हैं और हर तरह से उसका समर्थन कर रहे हैं। मुझे उम्मीद है कि दुनिया भर के प्रशंसक भी ऐसा ही करेंगे। चाहे यह मैच हो या भविष्य में कोई और मैच, यह तय है कि वह वापसी करेगा जैसा उसने पहले भी किया है।

हार के बाद ऋषभ पर भड़के संजीव गोयनका

लखनऊ । लखनऊ सुपर जाएंट्स की टीम को आईपीएल के 19 सत्र में पहले ही मैच में करारी हार का सामना करना पड़ा है। दिल्ली कैपिटल्स से मिली 6 विकेट की हार के बाद सुपर जाएंट्स के मालिक संजीव गोयनका कप्तान ऋषभ पंत पर भड़क गये। जिससे एक बार फिर 2024 आईपीएल की यादें ताजा हो गयीं जब गोयनका उस समय कप्तान रहे के एल राहुल पर भड़क गये थे। इस बार दिल्ली के खिलाफ हुए मुकाबले में लखनऊ की बल्लेबाज बेबस नजर आयी और पूरी टीम 141 रन ही बना पायी। टीम अपने 20 ओवर भी नहीं खेल पायी। सुपर जाएंट्स की इस हार के बाद का एक वीडियो सोशल मीडिया में आया है। इसमें टीम मालिक संजीव गोयनका ऋषभ और टीम के सहयोगी स्टार के साथ मैदान में बातें करते दिखे। वह क्या बात कर रहे हैं यह तो पता नहीं चलता है पर प्रशंसकों का मानना है कि वह अपनी भड़ास निकाला रहे थे। आईपीएल 2024 के दौरान भी गोयनका का इसी प्रकार राहुल के साथ बहस करने का एक वीडियो भी आया था।

वैभव को अभी शामिल करने की जल्दी न करें :- अश्विन

चेन्नई । उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने जिस प्रकार आईपीएल के अपने पहले ही मैच में आक्रामक पारी खेली है। उसके बाद से ही कई दिग्गजों ने उसे राष्ट्रीय टीम में शामिल करने की मांग की है। वैभव ने पहले ही मैच में 15 गेंदों में अर्धशतक लगा दिया था। वहीं पिछले सत्र में वैभव ने 35 गेंद में शतक लगाकर अपनी पहचान बनायी थी। उसके बाद से ही वह नये नये रिकार्ड बनाते जा रहे है। इसके बाद भी अनुभवी स्पिनर रविचंद्रन अश्विन का मानना है कि वैभव अभी बच्चा है और उसे इतनी जल्दी राष्ट्रीय टीम में लाने की कोई जरुरत नहीं है, इससे उसपर बेवजह दबाव ही पड़ेगा। अश्विन ने कहा कि वैभव को शामिल करने में जल्दबाजी की जरुरत नहीं है हालांकि वैभव को शामिल करने की मांग देश ही नहीं विदेश के दिग्गज पूर्व क्रिकेटरों की तरफ से भी आई है।

आईपीएल में आज होगा सीएसके और पंजाब में मुकाबला

शाम 7.30 बजे से होगा मैच

चेन्नई, एजेंसी

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम शुक्रवार को आईपीएल के अपने इस सत्र के दूसरे मैच में पंजाब किंग्स के खिलाफ उतरेगी। सीएसके की टीम को इस सत्र में अपने पहले ही मैच में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में उसका लक्ष्य इस मैच को जीतकर लय हासिल करना रहेगा। उसे इस मैच में घरेलू मैदान का भी लाभ मिलने की उम्मीद है। टीम के अनुभवी खिलाड़ी और पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी के इस मैच में भी खेलने को लेकर संशय बना हुआ है हालांकि उन्होंने अभ्यास शुरु कर दिया है। सीएसके की पहले मैच में शुरुआत निराशाजनक रही थी। उसके बल्लेबाज रन नहीं बना पाये थे। ऐसे में कप्तान रुतुराज गायकवाड़ सहित सभी बल्लेबाजों को रन बनाने होंगे।

सीएसके का लक्ष्य पहले मैच में मिली हार से सबक लेते हुए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना रहेगा। इस मैच में बल्लेबाज संजू सैमसन भी बड़ी पारी खेलकर सीएसके प्रबंधन के सामने अपने को साबित करना चाहेंगे। सीएसके ने इस सत्र में ट्रेड डील के जरिये उन्हें राजस्थान रॉयल्स से खरीदा है पर वह अपने पहले मैच में प्रभावित नहीं कर पाये। इसलिए इस मैच में वह बड़ी पारी खेलकर हिसाब बराबर करना चाहेंगे। वहीं इस मैच में भी उभरते हुए बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस का खेलना संदिग्ध है। ब्रेविस मांसपेशियों के खिंचाव से उबर रहे हैं। पहले मैच में इंपैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरे सरफराज खान को भी इस मैच में अवसर मिल सकता है। युवा कार्तिक शर्मा से इस मैच में भी टीम को अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी।

वहीं पहले मैच में विफल रहे टीम के मुख्य गेंदबाज मैट हेनरी और नूर अहमद इस मैच में बेहतर प्रदर्शन करना चाहेंगे। दूसरी ओर श्रेयस अय्यर की कप्तानी में उतरी पंजाब किंग्स ने पहले ही मैच में गुजरात टाइटंस को हराया था जिससे उसके हौसले बुलंद हैं। गुजरात के खिलाफ कूपर कॉनॉली ने तीसरे नंबर बेहतरीन बल्लेबाजी की थी जिससे भी टीम को लाभ हुआ था। अब कॉनॉली इस मैच में भी अधिक से अधिक रन बनाना चाहेंगे।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

पंजाब किंग्स :- श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्य, हरनूर सिंह, मिचेल ओवेन, विष्णु विनोद, नेहल वढेरा, अजमतुल्लाह उमरजई, मार्को यानसन, मार्कस स्टोइनिस, अर्शदीप सिंह, जेवियर बार्टलेट, युजवेंद्र चहल, लॉकी फर्ग्युसन, हरप्रीत बराड़, विजयकुमार वैशाक, यश ठाकुर, कूपर कोनोली, बेन द्वारशुइस, मुशीर खान, प्रवीण दुबे, विशाल निशाद, सूर्यांश शेडगे, प्रभसिमरन सिंह, पाइला अविनाश, शशांक सिंह।

चेन्नई सुपर किंग्स :- रुतुराज गायकवाड (कप्तान), डेवाल्ड ब्रेविस, एमएस धोनी, उर्विल पटेल, संजू सैमसन, शिवम दुबे, रामकृष्ण घोष, श्रेयस गोपाल, जेमी ओवरटन, खलील अहमद, अंशुल कंबोज, गुरजापनीत सिंह, मुकेश चौधरी, नूर अहमद, अकील होसेन, प्रशांत वीर, मैथ्यू शॉर्ट, अमन खान, मैट हेनरी, राहुल चाहर, जकारी फॉल्क्स, स्पेंसर।

ऑरेंज कैप की दौड़ में शीर्ष पांच में पहुंचे समीर रिजवी, रिकेल्टन शीर्ष पर रकरार

मुम्बई, एजेंसी

आईपीएल के 19 सत्र में अब तक सभी 10 टीमों ने एक-एक मैच खेल लिया है। जहां राजस्थान रॉयल्स, रॉयल्स चैलेंजर्स बेंगलुरु, दिल्ली कैपिटल्स, मुंबई इंडियंस और पंजाब किंग्स ने अपने-अपने मुकाबले जीते हैं। वहीं गुजरात टाइटंस, कोलकाता नाइट राइडर्स, लखनऊ सुपर जाएंट्स, सनराइजर्स हैदराबाद और चेन्नई सुपर किंग्स को हार मिली है। है। इसी दौरान अपने प्रदर्शन से कुछ खिलाड़ी सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप की दौड़ में भी शामिल हो गये हैं। दिल्ली कैपिटल्स के समीर रिजवी भी सुपरजायंट्स के खिलाफ मुकाबले में 70 रन बनाकर शीर्ष पांच में शामिल हो गये हैं। वहीं मुंबई इंडियंस के सलामी बल्लेबाज रयान रिकेल्टन अब तक सबसे अधिक 81 रन बनाकर ऑरेंज कैप की दौड़ में नंबर एक पर बने हुए हैं। वहीं सनराइजर्स हैदराबाद के ईशान किशन 80 रन बनाकर दूसरे नंबर पर हैं।

मुंबई इंडियंस के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा 78 रन बनाकर तीसरे जबकि पंजाब किंग्स के कूपर कोलोनी 72 रन बनाकर चौथे नंबर पर है।

प्लेयर	रन
रायन रिकेल्टन	81
ईशान किशन	80
रोहित शर्मा	78।

व्यापार

शेयर बाजार हल्की बढ़त के साथ बंद सेंसेक्स 185, निफ्टी 33 अंक ऊपर आया

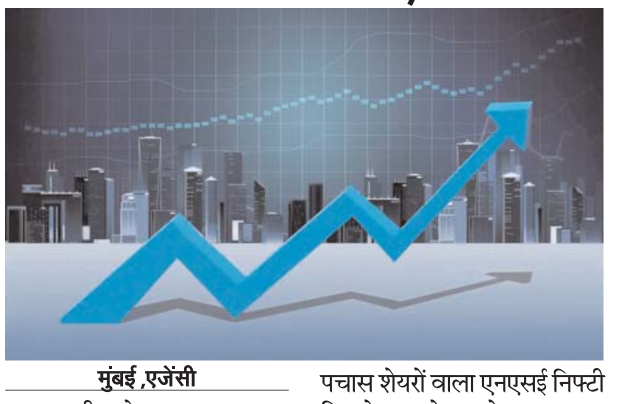

मुंबई, एजेंसी

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को हल्की बढ़त के साथ बंद हुआ। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ईरान पर अगले कुछ दिनों में हमले तेज करने की घोषणा के कारण आज सुबह बाजार की शुरुआत भारी गिरावट के हुई पर समय के साथ ही बाजार संभल गया और अंत में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 185.23 अंक बढ़कर 73,319.55 पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी निचले स्तर से उबरते हुए 33.70 अंक ऊपर आकर 22,713.10 पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान ही बाजार में आईटी शेयरों की तेजी से रिकवरी हुई। निफ्टी आईटी 2.60 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ जबकि निफ्टी रियल्टी 1.07 फीसदी, निफ्टी सर्विसेज 0.54 फीसदी, निफ्टी मेटल 0.39 फीसदी, , निफ्टी प्राइवेट बैंक 0.39 फीसदी, और निफ्टी एफएमसीजी 0.21 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.93 फीसदी, , निफ्टी फार्मा 0.92फीसदी, , निफ्टी हेल्थकेयर 0.86 फीसदी, , निफ्टी ऑयलएंडगैस 0.79 फीसदी, , निफ्टी ऑटो 0.62 फीसदी, और निफ्टी इन्फ्रा में 0.45 की गिरावट रही।

सेंसेक्स के शेयरों में इन्फोसिस, टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, बजाज फाइनेंस, मारुति सुजुकी, टाइटन, एक्सिस बैंक, बीईएल, कोटक महिंद्रा बैंक, आईटीसी, आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल, इंडिगो, एलएंडटी और एसबीआई के शेयर लाभ में रहे जबकि एशियन पेंट्स, सन फार्मा, एनटीपीसी, पावर ग्रिड, एमएंडएम, अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फिनसर्व और टाटा स्टील के शेयर गिरे। लार्जकैप की जगह पर मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में कमजोरी रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 142.10 अंक की गिरावट के साथ 53,677.05 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 59.30 अंक नीचे आकर 15,650.50 पर था।आज शुरुआती कारोबार में भारी गिरावट देखी पर सत्र के मध्य में मूल्य आधारित खरीदारी और रुपए में आई मजबूती के कारण बाजारों को बल मिला। रुपए ने पिछले 12 वर्षों में अपनी सबसे बड़ी बढ़त दर्ज की। इसके चलते दोनों सूचकांक सकारात्मक स्तर पर बंद हुए। इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ खुला। बाजार में ये गिरावट अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के ताजा बयान से आई है जिसमें उन्होंने कहा है कि अमेरिका अब ईरान के खिलाफ अपने लक्ष्य हासिल करने के करीब है।

रुपया बढ़त के साथ बंद

नई दिल्ली । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया 30 पैसे की बढ़त के साथ ही 93.13 पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस रुपया 93.44 पर बंद हुआ। रुपया आज सुबह अपने सबसे निचले स्तर से उबरते हुए अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 93.19 पर पहुंच गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने डॉलर के मुकाबले रुपए में तेज गिरावट के बीच बुधवार को अधिकृत डीलरों के लिए कई नए कदमों की घोषणा की जिसके बाद से ही रुपया संभला है।आरबीआई ने निर्देश दिया है कि अधिकृत डीलर यानी विदेशी मुद्रा लेनदेन की अनुमति वाले बैंक अब रुपये से जुड़े नॉन-डिलीवेरेबल डेरिवेटिव (एनडीडी) अनुबंधों की पेशकश निवासी एवं अनिवासी ग्राहकों के लिए नहीं कर सकेंगे।

हालांकि, अधिकृत डीलर बैंकों को डिलीवेरेबल विदेशी मुद्रा डेरिवेटिव अनुबंध पेश करने की अनुमति जारी रहेगी, जिससे ग्राहकों को जोखिम से बचाव मिल सके।

बाजार में स्मार्टफोन की कीमतें बढ़ी, कुछ मॉडल 30 फीसदी तक हुए महंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

देश के स्मार्टफोन बाजार में रीफर्बिश फोन की हिस्सेदारी बढ़ने की उम्मीद है। वैश्विक अनिश्चितता की वजह से प्रतिकूल व्यापक आर्थिक हालात के बीच नए फोनों की कीमतें बढ़ रही हैं और खर्च के प्रति उपभोक्ता सतर्क हैं। इसके शुरुआती संकेत पहले से ही दिखाई देने लगे हैं। एक रिसर्च ने कहा था कि देश में स्मार्टफोन की बिक्री इस साल के पहले नौ हफ्तों में 9 फीसदी घट गई, क्योंकि पिछले चार से पांच महीने में मेमरी की लागत चार गुना हो गई है। इससे फोन की कीमतें 15 से 20 फीसदी तक बढ़ गई है। कुछ मॉडल तो 30 फीसदी तक महंगे हुए हैं।

रिपोर्ट में बताया गया है कि साल 2026 में डीलरों को भेजी जाने वाली कुल खेपों में साल 2025 की तुलना में 10 फीसदी की गिरावट आ सकती है और इसके 13.9 करोड़ रहने का अनुमान है। साल 2025 में वर्ष 2024 की तुलना में खेपों में कोई खास अंतर नहीं आया। रिपोर्ट के मुताबिक रुपए में कमजोरी और पश्चिम एशिया में संघर्ष से व्यापक आर्थिक दिक्कतें खड़ी हो रही हैं। अगर यह एक महीना या उससे ज्यादा तक जारी रहा तो अनुमानों में और कटौती हो सकती है, क्योंकि मार्च से उपभोक्ताओं की खरीद का मनोबल कमजोर होने लगा है। उन्होंने कहा कि अधिकांश ब्रांडों ने हाल के हफ्तों में कीमतों में वृद्धि का बोझ उपभोक्ताओं पर डाला है। 'हम सुन रहे हैं कि दूसरी तिमाही अधिकांश ब्रांडों के लिए बहुत कठिन अवधि होगी और निकट भविष्य में सुधार के कोई संकेत नहीं हैं।

आईडीसी इंडिया में एसोसिएट उपाध्यक्ष ने कहा कि डीलरों को भेजी जाने वाली स्मार्टफोन की खेप में तेज गिरावट शायद वैश्विक महामारी के बाद दूसरी ऐसी घटना हो सकती है।

महाराष्ट्र में 2 लाख केला उत्पादक किसानों को भारी नुकसान

जलगांव, एजेंसी

महाराष्ट्र के जलगांव जिले में केला उत्पादक किसानों को इस समय भारी आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। देश के दूसरे सबसे बड़े केला उत्पादक क्षेत्र के रूप में पहचान रखने वाले जलगांव में करीब 2 लाख किसान सीधे तौर पर इस खेती से जुड़े हैं। लेकिन निर्यात प्रभावित होने और बाजार में मांग घटने के कारण केले की कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई है।

जानकारी के अनुसार पहले जो केला 1600 रुपये प्रति क्विंटल तक बिक रहा था, उसकी कीमत घटकर करीब 400 रुपये प्रति क्विंटल रह गई है। यानी किसानों को उनकी उपज का केवल 25 फीसदी दाम ही मिल पा रहा है। उत्पादन लागत, मजदूरी और परिवहन खर्च निकालने के बाद किसानों के लिए लागत निकालना भी मुश्किल हो गया है।

निर्यात पर असर और परिवहन खर्च में बढ़ोतरी ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। कई किसानों का कहना है कि यदि जल्द राहत नहीं मिली तो उन्हें भारी कर्ज का सामना करना पड़ेगा। प्रशासन से उचित समर्थन मूल्य और निर्यात में सहूलियत देने की मांग तेज हो गई है।

एयरलाइन कंपनियां एक-तिहाई रुपया ईंधन पर कर रही खर्च

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया संकट के कारण बुधवार को भारतीय घरेलू एयरलाइनों के लिए एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमतों में 8.5 फीसदी की वृद्धि हुई, जबकि अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए पिछले महीने की तुलना में कम वृद्धि हुई। वित्त वर्ष 2015-16 से वित्त वर्ष 2025 तक भारतीय विमानन उद्योग ने 70,515 हजार टन एटीएफ का उपभोग किया है। यह प्रति विमान औसतन 11 हजार टन है।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2016 से 2025 के दौरान प्रति विमान एटीएफ की खपत में कमी आई है।

चिंता कई रेस्तरां आउटलेट कारोबार चलाने के नाम पर कम व्यंजन ही परोस रहे

रेस्तरां उद्योग को 79,000 करोड़ तक का हो सकता है नुकसान

नई दिल्ली, एजेंसी। वाणिज्यिक तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) सिलिंडरों की आपूर्ति तंग होने के बीच रेस्तरां उद्योग करीब 79,000 करोड़ रुपये तक का नुकसान सकते हैं। इसकारण कई रेस्तरां अपने आउटलेट बंद कर रहे हैं या फिर कारोबार चलाने के नाम पर काफी कम व्यंजन ही परोस पा रहे हैं। नैशनल रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा किए गए आंतरिक सर्वेक्षण के अनुसार रेस्तरां उद्योग को प्रति माह 79,000 करोड़ रुपये तक का नुकसान हो सकता है, क्योंकि उत्पादन से जुड़ी गतिविधियां 15-20 प्रतिशत तक कम हो गई हैं। देश भर में 5 लाख से अधिक रेस्तरां का प्रतिनिधित्व करने वाले उद्योग संगठन के अनुसार देश के करीब 10 प्रतिशत रेस्तरां अस्थायी रूप से बंद हुए हैं, जबकि 60-70 प्रतिशत इंडक्शन स्टोव और वैकल्पिक ईंधनों के सहारे चल रहे हैं। रेस्तरांओं में काम कम हो गए हैं और व्यंजनों की सूची छोटी हो गई है। डोमिनोज और पोपोयेज का संचालन करने वाली जुबिलेंट फूडवर्क्स ने कहा कि देश भर में व्यावसायिक एलपीजी के वितरण में आपूर्ति संबंधी बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है। इसमें कहा गया है,'कंपनी के स्टोर नेटवर्क के कुछ हिस्सों में एलपीजी सिलिंडरों की आपूर्ति बाधित हुई है कंपनी एलपीजी संरक्षण के लिए कई कदम उठा रही है और बिजली और पाइपलाइन प्राकृतिक गैस (पीएनजी) जैसे वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों की ओर बढ़ने के लिए अथक प्रयास कर रही है।'

सूत्रों के अनुसार कई बड़ी क्यूएसआर श्रृंखलाएं एक विशेष क्षेत्र में सक्रिय स्टोरों की संख्या कम कर रही हैं। एक रेस्तरां कारोबारी ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया, 'कई रेस्तरां कारोबार 50 प्रतिशत क्षमता पर चल रहे हैं। अगर उनके एक इलाके में तीन स्टोर हैं, तब वे एक को अस्थायी रूप से बंद कर रहे हैं, दूसरे में काम के घंटे कम कर रहे हैं और तीसरा पहले की तरह ही चालू है।' खबरों के अनुसार, बाहर खाना खाने के रुझान में 8-10 प्रतिशत की गिरावट आई है और विकल्प सीमित होने के कारण प्रति ग्राहक औसत खर्च में भी 6-8 प्रतिशत की कमी आई है।

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स (नवां दिन राउंड-अप)

किरण पिस्दा के एकमात्र गोल से छत्तीसगढ़ ने महिला फुटबॉल का स्वर्ण जीता

● पूर्व विश्व जूनियर चैंपियन कोमालिका बारी और कृष्णा पिंगुआ ने झारखंड के लिए रिकर्व मिक्स्ड टीम का स्वर्ण जीता

विजय मत/रायपुर

छत्तीसगढ़ की महिला फुटबॉल टीम ने खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स-2026 के पहले संस्करण में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए फाइनल में झारखंड को 1-0 से हराकर स्वर्ण पदक जीत लिया। टीम की कप्तान किरण पिस्दा की व्यक्तिगत प्रतिभा इस जीत की सबसे बड़ी वजह रही।

मेजबान राज्य ने जगदलपुर में ट्रैक एंड फील्ड प्रतियोगिताओं के अंतिम चरण में पुरुषों की 4७400 मीटर रिले में रजत और पुरुषों की 1500 मीटर में कांस्य पदक भी अपने नाम किया। वहीं झारखंड के शिव कुमार सोरेन ने 100 मीटर के बाद 200 मीटर में भी स्वर्ण जीतकर शानदार डबल पूरा किया।

छत्तीसगढ़ की महिला टीम ने आक्रामक झारखंड के खिलाफ मिले एकमात्र मौके का पूरा फायदा उठाया, जब कप्तान किरण पिस्दा ने 61वें मिनट में विपक्षी डिफेंस की गलती का फायदा उठाते हुए गोल दागा। इसके बाद मेजबान टीम ने बढ़त को अंत तक बरकरार रखते हुए खिताब अपने नाम कर लिया।

किरण ने कहा, यह हमारे लिए बहुत खास पल है क्योंकि पहली बार इतने सारे दर्शक हमें समर्थन देने आए। मुझे बहुत खुशी है कि हम अपने घरेलू दर्शकों के सामने स्वर्ण पदक जीत सके। पहली बार आयोजित हो रहे खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स में 30 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के करीब 3800 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। प्रतियोगिता में तीरंदाजी, एथलेटिक्स, फुटबॉल, हॉकी, तैराकी, भारोत्तोलन और कुश्ती जैसे सात खेल शामिल हैं, जबकि मल्लखंभ और कबड्डी प्रदर्शन खेल हैं।

जगदलपुर के क्रीड़ा परिसर में एथलेटिक्स के अंतिम दिन सोरेन के अलावा कर्नाटक की रीथुश्री और नागिनी ने भी अपने-अपने दूसरे स्वर्ण पदक जीते। सोरेन,

जो मंगलवार को इन खेलों के सबसे तेज धावक बने थे, ने 21.51 सेकंड के समय के साथ 200 मीटर का स्वर्ण जीता। इससे पहले रीथुश्री ने 25.87 सेकंड में 200 मीटर जीतकर 400 मीटर के बाद दूसरा स्वर्ण हासिल किया। वहीं नागिनी ने 4:43.87 सेकंड के समय के साथ 800 मीटर और 1500 मीटर दोनों में जीत दर्ज कर डबल पूरा किया। मेजबान छत्तीसगढ़ ने पुरुषों की 4७400 मीटर रिले में ओडिशा के बाद दूसरे स्थान पर रहकर रजत पदक जीता। ओडिशा ने 3:18.47 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण जीता।

बस्तर की धरा पर संपन्न हुई खेलो इंडिया एथलेटिक्स स्पधाएं

बस्तर की पावन धरा जगदलपुर के धरमपुरा स्थित आधुनिक क्रीड़ा परिसर में आयोजित पहले खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 के अंतर्गत गुरुवार को एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं के अंतिम दिन ट्रैक पर रफ्तार, शक्ति और अटूट संकल्प का अद्भुत संगम देखने को मिला। बीते 30 मार्च से भव्यता के साथ शुरू हुए इस खेल महाकुंभ के समापन अवसर पर देश के कोने-कोने से आए जनजातीय एथलीटों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए कई रोमांचक पदक अपने नाम किए। दिन की सबसे चुनौतीपूर्ण स्पधाओं में से एक, पुरुषों की 10,000 मीटर दौड़ में नागालैंड के धावक वेडे टमेरो ने शुरू से ही अपनी लय बरकरार रखी और 32:28.46 के शानदार समय के साथ स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। उनके ठीक पीछे महाराष्ट्र के जुझारू एथलीट कमलाकर लक्ष्मण देशमुख रहे, जिन्होंने रजत पदक जीता, जबकि जम्मू-कश्मीर के हंस राज ने कांस्य पदक जीतकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई । इसी स्पर्धा के महिला वर्ग में पश्चिम बंगाल की संजीता ओरांव ने अपनी सहनशक्ति का परिचय देते हुए 40:21.18 के समय के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया, जहाँ ओडिशा की संध्या मुर्मू को रजत और मेघालय की बलारिशा थिरनियांग को कांस्य

पदक से संतोष करना पड़ा। मैदान पर रोमांच तब और बढ़ गया जब एथलेटिक्स के इस अंतिम पड़ाव पर लघु दूरी की स्पधाओं में धावकों ने अपनी बिजली जैसी तेजी दिखाई। पुरुषों की 200 मीटर दौड़ में झारखंड के धावक शिव कुमार सोरेन ने 21.51 सेकंड के रिकॉर्ड समय के साथ फिनिशिंग लाइन पार कर स्वर्ण पदक जीता, जबकि असम के अर्पण ताई और राजस्थान के जगदीश मीणा ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक हासिल किए। महिला वर्ग की 200 मीटर स्पर्धा में कर्नाटक की ऋतुश्री ने 25.87 सेकंड की रफ्तार से स्वर्ण पदक अपने नाम कर राज्य का गौरव बढ़ाया।

समापन से एक दिन पहले पदक तालिका में हलचल

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के पहले संस्करण के समापन में अब सिर्फ एक दिन शेष है और मेजबान छत्तीसगढ़ तीन स्वर्ण, नौ रजत और छह कांस्य पदकों के साथ नौवें स्थान पर पहुंच गया है› कर्नाटक की रीथुश्री और नागिनी के दो स्वर्ण पदक जोड़ने के साथ तालिका में शीर्ष पर काबिज राज्य के खाते में अब 23 स्वर्ण, आठ रजत और सात कांस्य पदक हो गए हैं। ओडिशा 20 स्वर्ण, 13 रजत और 21 कांस्य पदकों के साथ दूसरे स्थान पर बना हुआ है, जबकि झारखंड ने एथलेटिक्स में चार और तीरंदाजी में एक स्वर्ण जीतकर अपना कुल बढ़ाकर 14 स्वर्ण, सात रजत और 11 कांस्य कर लिया है। झारखंड को तीरंदाजी में स्वर्ण पूर्व विश्व जूनियर चैंपियन कोमालिका बारी और कृष्णा पिंगुआ की जोड़ी ने दिलाया, जिन्होंने रिकर्व मिक्स्ड टीम फाइनल में ओडिशा के अर्जुन खरा और ममता ओराम को हराया। महाराष्ट्र के हर्षवर्धन इंगले ने पुरुषों की कंपाउंड व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण जीतने के बाद वैष्णवी परदेशी के साथ कंपाउंड मिक्स्ड टीम का खिताब भी अपने नाम किया। इसके साथ ही महाराष्ट्र छह स्वर्ण, 10 रजत और चार कांस्य पदकों के साथ समग्र तालिका में चौथे स्थान पर पहुंच गया है।

सार समाचार

राज्यपाल श्री डेका ने हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर की पूजा-अर्चना

विजय मत/ रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने आज हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर नर्मदा कुंड हनुमान मंदिर स्टेशन चौक एवं सर्व धर्म हनुमान मंदिर रेल्वे स्टेशन कैम्पस रायपुर में विधिवत पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि, खुशहाली और प्रदेशवासियों के कल्याण की कामना कर आशीर्वाद लिया।

छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड ने शहर काजी आरिफ फारुकी को किया बर्खास्त

विजय मत/ रायपुर। छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डा. सलीम राज ने शहर काजी आरिफ

फारूकी को पद से हटाने (बर्खास्त) का आदेश जारी कर दिया है। उनके स्थान पर नई नियुक्ति नहीं की गई है। आरिफ को पिता के निधन के बाद नियुक्त किया गया था। बताया गया है कि कुछ आपत्तिजनक चचाओं को लेकर की गई शिकायतो के बाद यह कार्रवाई की गई है। मिली जानकारी अनुसार इन शिकायतों की पृष्ठभूमि में 31 मार्च को शहर के प्रमुख मौलानाओं की बड़े मदरसे में बैठक हुई थी। इसमें सभी ने सर्वसम्मति से आरिफ को पद से हटाने का प्रस्ताव पारित किया था। इसकी प्रति वक्फ बोर्ड को दी गई थी। दो दिनों की जांच पड़ताल के बाद अध्यक्ष डॉ राज ने आरिफ को आज पद से हटाने का आदेश दिया है। उनके स्थान पर नई नियुक्ति नहीं की गई है।

महतारी वंदन योजना बनी संबल, बदली जिंदगी

विजय मत/ रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना ग्रामीण

महिलाओं के जीवन में बदलाव की नई कहानी लिख रही है। बलरामपुर जिले के विकासखंड वाड्रफनगर के ग्राम रघुनाथनगर की निवासी मानकुंवर इसकी उदाहरण हैं, जिनके लिए यह योजना आज आर्थिक संबल और आत्मविश्वास का आधार बन गई है।महतारी वंदन योजना के तहत श्रीमती मानकुंवर को प्रतिमाह 1000 रुपये की नियमित सहायता राशि प्राप्त हो रही है। पहले जहां परिवार की छोटी-छोटी जरूरतों को पूरा करना भी कठिन था, वहीं अब यह राशि उनके दैनिक जीवन को सहज बना रही है। राशन, बच्चों की आवश्यकताएं और घरेलू खर्च जैसे जरूरी काम अब बिना किसी अतिरिक्त दबाव के पूरे हो पा रहे हैं। योजना का लाभ केवल घरेलू जरूरतों तक सीमित नहीं है। खेती-किसानी के कार्यों में भी यह सहायता राशि उपयोगी सिद्ध हो रही है। मानकुंवर इस राशि का उपयोग बीज, खाद और अन्य कृषि कार्यों में कर रही हैं, जिससे उनकी खेती की गुणवत्ता में सुधार आया है।

राज्य निर्माण के बाद से एक वित्तीय वर्ष में सबसे ज्यादा राशि और कार्यों को मिली मंजूरी

सड़क नेटवर्क का सशक्त जाल बिछाने पूरी प्रतिबद्धता से काम कर रहे : उप मुख्यमंत्री साव

● यह राज्य निर्माण के बाद किसी एक वर्ष में स्वीकृत सर्वाधिक राशि के दोगुने से भी ज्यादा

विजय मत/रायपुर

लोक निर्माण विभाग के लिए विगत 31 मार्च को समाप्त वित्तीय वर्ष 2025-26 ऐतिहासिक रहा है। पिछले वित्तीय वर्ष में विभाग ने राज्य के निर्माण के बाद से अब तक सबसे ज्यादा कार्यों और राशि के प्रशासकीय स्वीकृति के आदेश जारी किए हैं। विगत वित्तीय वर्ष में विभाग द्वारा कुल 993 कार्यों के लिए 9129 करोड़ 18 लाख रुपए मंजूर किए गए हैं। यह राशि छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माण के बाद से किसी एक वर्ष में स्वीकृत सर्वाधिक राशि के दोगुने से भी ज्यादा है। वर्ष 2025-26 में मंजूर की गई राशि 2024-25 में स्वीकृत 2589 करोड़ 89 लाख रुपए की तुलना में तिगुने से भी ज्यादा है, जबकि कार्यों की संख्या दोगुने से भी अधिक है।

हाल ही में समाप्त हुए वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट में लोक निर्माण विभाग ने राज्य के विभिन्न क्षेत्रों की मांगों, जरूरतों और जन आकांक्षाओं को देखते हुए उप मुख्यमंत्री तथा विभागीय मंत्री श्री अरुण साव के निर्देश पर 1925 नए कार्यों को शामिल करते हुए इनके लिए 2287 करोड़ रुपए के प्रावधान किए थे। पिछले वर्ष के बजट में राज्य निर्माण के बाद से सर्वाधिक संख्या में नए कार्यों के प्रस्ताव शामिल किए गए थे। बजट में शामिल नए कार्यों को प्राथमिकता में

रखते हुए बड़ी संख्या में इनकी मंजूरी के आदेश जारी किए गए हैं। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री अरुण साव ने प्रदेशभर में सड़कों और पुलों के कार्यों को गति देने प्रस्तावित कार्यों के जल्द से जल्द डीपीआर तैयार कर ज्यादा से ज्यादा कार्यों की स्वीकृति के निर्देश दिए थे। उनके निर्देश पर विभाग ने सक्रियता और तत्परता से अमल करते हुए बीते वित्तीय वर्ष में अब तक के सर्वाधिक 993 कार्यों के लिए 9129 करोड़ की राशि को मंजूरी दी है।

उप मुख्यमंत्री साव ने इस तत्परता के लिए सभी विभागीय अधिकारियों और अमले की पीठ थपथपाते हुए कहा कि सरकार राज्य की अधोसंरचना को मजबूत करने अभूतपूर्व गति से कार्य कर रही है। रिकॉर्ड संख्या में सड़कों और पुलों को स्वीकृति देकर शहरों, गांवों और वनांचलों को जोड़ने का अभियान तेज किया गया है। हमारी प्राथमिकता हर पहुंचविहीन क्षेत्र तक बेहतर सड़क सुविधा पहुंचाना है, जिससे विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। सरकार सड़क नेटवर्क का सशक्त जाल बिछाने पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है।

लोक निर्माण विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2016-17 में 141 सड़कों और पुलों के लिए 2013 करोड़ रुपए, 2017-18 में 300 कार्यों के लिए 2311 करोड़ रुपए, 2018-19 में 154 कार्यों के लिए 4544 करोड़ रुपए, 2019-20 में 312 कार्यों के लिए 2402 करोड़ रुपए और 2020-21 में 345 कार्यों के लिए 3797 करोड़ रुपए की स्वीकृति दी गई थी। विभाग ने वर्ष 2021-22 में 531 कार्यों के लिए 4482 करोड़ रुपए, 2022-23 में 466 कार्यों के लिए 2656 करोड़ रुपए, 2023-24 में 355 कार्यों के लिए 3753 करोड़ रुपए तथा 2024-25 में 436 कार्यों के लिए 2590 करोड़ रुपए के कार्यों को प्रशासकीय मंजूरी प्रदान की थी।

अब तक के सर्वाधिक 993 कार्यों के लिए 9129 करोड़ की राशि को मंजूरी

पिछले वर्ष के बजट में राज्य निर्माण के बाद से सर्वाधिक संख्या में नए कार्यों के प्रस्ताव शामिल किए गए थे। बजट में शामिल नए कार्यों को प्राथमिकता में रखते हुए बड़ी संख्या में इनकी मंजूरी के आदेश जारी किए गए हैं। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री अरुण साव ने प्रदेशभर में सड़कों और पुलों के कार्यों को गति देने प्रस्तावित कार्यों के जल्द से जल्द डीपीआर तैयार कर ज्यादा से ज्यादा कार्यों की स्वीकृति के निर्देश दिए थे। उनके निर्देश पर विभाग ने सक्रियता और तत्परता से अमल करते हुए बीते वित्तीय वर्ष में अब तक के सर्वाधिक 993 कार्यों के लिए 9129 करोड़ की राशि को मंजूरी दी है। उप मुख्यमंत्री साव ने इस तत्परता के लिए सभी विभागीय अधिकारियों और अमले की पीठ थपथपाते हुए कहा कि सरकार राज्य की अधोसंरचना को मजबूत करने अभूतपूर्व गति से कार्य कर रही है। रिकॉर्ड संख्या में सड़कों और पुलों को स्वीकृति देकर शहरों, गांवों और वनांचलों को जोड़ने का अभियान तेज किया गया है। हमारी प्राथमिकता हर पहुंचविहीन क्षेत्र तक बेहतर सड़क सुविधा पहुंचाना है, जिससे विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। सरकार सड़क नेटवर्क का सशक्त जाल बिछाने पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है।

नियद नेल्लानार योजना

'आयुष्मान आरोग्य मंदिर' से सुदूर वनांचल के ग्रामीणों को मिल रही नई सौगात

विजय मत/रायपुर।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल पर बस्तर संभाग के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के कायाकल्प के लिए संचालित 'नियद नेल्लानार' (आपका अच्छा गाँव) योजना अब धरातल पर सार्थक परिणाम दे रही है। जिला बीजापुर के दुर्गम क्षेत्र ग्राम पालनार में आयुष्मान आरोग्य मंदिर के खुलने से 28 जनवरी 2026 से अब तक सैकड़ों ग्रामीणों को उनके घर के समीप ही गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। पालनार और आस-पास के गांवों में स्वास्थ्य के प्रति आई इस जागरूकता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इस अल्प अवधि में ही कुल 747 मरीजों ने ओपीडी (डढऊ) सेवाओं का लाभ उठाया है। इसके अलावा, आवश्यकतानुसार 16 मरीजों को भर्ती कर उनका सफलतापूर्वक उपचार किया गया। पहले जिन ग्रामीणों को छोटी बीमारियों के लिए भी मीलों पैदल चलना पड़ता था, उन्हें अब विशेषज्ञ परामर्श और निःशुल्क दवाएं स्थानीय स्तर पर ही मिल रही हैं।

संवेदनशील क्षेत्रों में संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इस केंद्र में अब तक 5 सुरक्षित प्रसव कराए गए हैं। शासन की मंशा के अनुरूप, नागरिकों को शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने हेतु नवजातों के जन्म प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए। साथ ही, क्षेत्र की 15 गर्भवती महिलाओं और 18 धात्री माताओं की नियमित स्वास्थ्य जांच और टीकाकरण सुनिश्चित किया गया है।

गंभीर बीमारियों की समय पर पहचान

योजना के तहत गैर-संचारी रोगों (ठउऊ) पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। पालनार केंद्र में अब तक 250 ग्रामीणों की स्वास्थ्य स्क्रीनिंग की गई, जिसमे 25 मरीज उच्च रक्तचाप (ल्८स्त्री१ ३ेल्ल२ङ्गल्ल) से ग्रसित पाए गए। 12 मरीज मधुमेह से पीड़ित मिले। 1 ग्रामीण में ब्रेस्ट कैंसर के लक्षण मिलने पर तत्काल उच्च चिकित्सा केंद्र हेतु रेफर किया गया। पालनार में आयुष्मान आरोग्य मंदिर की सफलता यह दशार्ती है कि शासन की योजनाएं अब अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रही हैं। इससे न केवल स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार हुआ है, बल्कि ग्रामीणों का प्रशासन के प्रति विश्वास भी सुदृढ़ हुआ है।

सरहुल महोत्सव में शामिल हुए संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल

जनजातीय समाज केवल एक समुदाय नहीं: पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री

विजय मत/रायपुर

प्रकृति उपासना और जनजातीय संस्कृति की जीवंत परंपरा का प्रतीक सरहुल पूजा महोत्सव आज अम्बिकापुर के कला केन्द्र मैदान में श्रद्धा, उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और जनजातीय समाज की समृद्ध परंपराओं को नमन किया। मंत्री अग्रवाल ने अपने उद्बोधन की शुरूआत ॑माता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः॒ से करते हुए कहा कि जनजातीय समाज केवल एक समुदाय नहीं, बल्कि प्रकृति

के साथ आत्मीय सह-अस्तित्व की एक अनूठी जीवन पद्धति है, जो हमें संतुलन, संरक्षण और कृतज्ञता का संदेश देती है। उन्होंने सरहुल पर्व को प्रकृति के प्रति आभार व्यक्त करने का पावन अवसर बताते हुए चराचर जगत के कल्याण तथा क्षेत्र की सुख-समृद्धि के लिए मंगलकामनाएं कीं।

मंत्री अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ की पहचान उसकी समृद्ध

जनजातीय संस्कृति और परंपराओं से है, जिन्हें सहेजना और आगे बढ़ाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने अम्बिकापुर की देवतुल्य जनता से प्राप्त अपार स्नेह और आशीष के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यहां के लोगों का निस्वार्थ अपनापन उनके जीवन की अमूल्य संचित पूंजी है, जो उन्हें निरंतर जनसेवा के लिए प्रेरित करता है। इस दौरान जनजातीय समाज के लोगों ने पारंपरिक वेशभूषा में लोकनृत्य और गीतों की मनोहारी प्रस्तुति दी, जिससे पूरा कला केन्द्र मैदान ढोल-नगाड़ों और पारंपरिक वाद्यों की गूंज से सराबोर हो उठा। सरहुल महोत्सव, जो साल वृक्ष के फूलों के खिलने के साथ प्रकृति के नवजीवन का उत्सव है, सामाजिक एकता, पर्यावरण संरक्षण और सांस्कृतिक अस्मिता का सशक्त प्रतीक बनकर सामने आया। कार्यक्रम का समापन ॑जय जोहार॒ के गूंजते उद्घोष के साथ हुआ, जिसने जनजातीय गौरव और सांस्कृतिक चेतना को और अधिक सुदृढ़ किया।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सीता शुक्ला द्वारा आशमा पब्लिशर्स प्राईवेट लिमिटेड , जयस्तभ चौक रायपुर से मुद्रित एवं डी -17, सेक्टर-1 गोंदवारा रोड, एकता नगर गुढ़ियारी रायपुर (छग) से प्रकाशित। **संपादक-** सीता शुक्ला। **प्रधान संपादक-** विजय शुक्ला ।
आर.एन.आई. पंजीयन नं. CHHHIN/2017/75508 (* समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार)। सभी विवादों का न्यायीक क्षेत्र रायपुर (छग) होगा। मो. 8889977997